जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 | वर्षः 48 | संख्याः 321 | प्रभात | कोटा, सोमवार 4 सितम्बर, 2023 | कोटा/24/2012-14 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

*आयरलैंड में 200 साल में पहली बार ऑस्प्री पक्षी के एक जोड़े ने प्रजनन किया है। एक स्थानीय संरक्षण संगठन, अल्स्टर वाइल्डलाइफ ने जानकारी देते हुए बताया कि, इस जोड़े ने उत्तरी आयरलैंड की फरमाना काउंटी में एक अज्ञात स्थान पर दो या तीन चूज़ों को जन्म दिया है। इस पक्षी परिवार के बारे में सबसे पहले अल्स्टर वाइल्डलाइफ के एडवाइज़र जाइल्स नाइट को पता लगा था। सन् 2021 में ऑस्प्री का यह जोड़ा यहां आया था तब से ही वो उस पर नजर रख रहे हैं। हाल ही में जब उन्होंने ऑस्प्री के चूज़े देखे तो उनकी खुशी की सीमा नहीं रही। उन्होंने कहा, ''यह ऐसा पल था जो जीवन में एक बार आता है। यह मेरे तीस साल के करियर का स्वर्णिम पल था, मानो लम्बे समय से खोया खजाना मिल गया हो। यह संरक्षण अभियान की शानदार सफलता है।'' रैप्टर की यह विशालकाय प्रजाति एन्टार्कटिका को छोड़ कर हरेक महाद्वीप में मिलती है। सफेद और भूरे रंग के इन पक्षियों का मुख्य भोजन मछली है इसलिए ये जलाशयों के आसपास ही रहते हैं। जीवन भर के लिए जोड़ा बनाने वाले ये पक्षी हर वर्ष एक ही जगह घोंसला बनाते हैं। विश्वस्तर पर इन्हें कम चिंताजनक (लीस्ट कंसर्न) वर्ग में रखा गया है, पर यू.के. में ये एम्बर लिस्ट में हैं, अर्थात् संरक्षण का स्तर ''मॉडरेट कन्सर्न'' है। तथापि, आयरलैंड में ये विलुप्ति के कगार पर हैं क्योंकि, 18 वीं सदी के अंत में इन्हें सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया गया था। आयरलैंड में आखिरी बार 1779 में ऑस्प्री का घोंसला देखा गया था। हालांकि, प्रवास के दौरान यदाकदा यहाँ ऑस्प्री विश्राम के लिए आया करते थे, पर प्रजनन करने के लिए नहीं। आयरलैंड के नैशनल पार्क्स एण्ड वाइल्डलाइफ सर्विस ने इसी वर्ष गर्मी में ऑस्प्री रीइन्ट्रोडक्शन कार्यक्रम शुरु किया है, जिसके तहत पांच साल में नॉर्वे से 50 से 70 ऑस्प्री चूज़े यहां लाए जाएंगे। वर्तमान में ऑस्प्री के जिस जोड़े ने प्रजनन किया है वह रीइन्ट्रोडक्शन प्रोग्राम की देन नहीं है, बल्कि यह जोड़ा खुद लौटा है। आयरलैंड में ऑस्प्री का पुराना इतिहास है, यहाँ कई जगहों के नाम भी ऑस्प्री के नाम पर रखे गए हैं।*

# 'सनातन धर्म का विरोध नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए'

## तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और राज्य के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा, हम डेंगू, मच्छर, मलेरिया या करोना का विरोध नहीं कर सकते, हमें इसे मिटाना है, ऐसे ही हमें सनातन को मिटाना है

- **उदयनिधि स्टालिन ने तमिलनाडु में सनातन धर्म को समाप्त करने के मुद्दे पर आयोजित की गई सभा में कहा, सनातन नाम संस्कृत से आया है और कहा कि इसका का मतलब स्थिर और अपरिवर्तनीय होता है, सब कुछ बदलना होगा।**
- **उदयनिधि स्टालिन ने कहा, मैं इसे आज, कल और हमेशा कहूंगा, द्रविड़ भूमि से सनातन धर्म को रोकने का हमारा संकल्प थोड़ा भी कम नहीं होगा।**

चेन्नई, 3 सितम्बर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और राज्य के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने सनातन धर्म को मलेरिया और डेंगू की तरह बताते हुए कहा है कि इसका विरोध नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए।

सनातन धर्म को खत्म के लिए आयोजित किए गए एक सम्मेलन में बोलते हुए, उदयनिधि ने कहा, मुझे विशेष संबोधन देने का अवसर देने के लिए मैं इस सम्मेलन के आयोजकों को धन्यवाद देता हूं। आपने सम्मेलन का नाम सनातन विरोधी सम्मेलन के बजाय सनातन उन्मूलन सम्मेलन रखा है, मैं इसकी सराहना करता हूं।

तमिलनाडु के मंत्री ने आगे कहा कि कुछ चीजों का विरोध नहीं किया जा सकता, उन्हें खत्म ही कर देना चाहिए। हम डेंगू, मच्छर, मलेरिया या कोरोना का विरोध नहीं कर सकते, हमें इसे मिटाना है, ऐसे ही हमें सनातन को मिटाना है, बल्कि सनातन का विरोध कर उसे खत्म करना चाहिए। सनातन नाम संस्कृत से है। यह सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ है।

उन्होंने कहा, सनातन नाम संस्कृत से आया है और कहा कि इसका का मतलब स्थिर और अपरिवर्तनीय होता है। सब कुछ बदलना होगा। अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर मंत्री ने कहा कि वह किसी भी कानूनी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, हम इस तरह की सामान्य भगवा धमकियों से नहीं डरेंगे। हम, पेरियार, अन्ना और कलैग्नार के अनुयायी सामाजिक न्याय को बनाए रखने और एक समतावादी समाज की स्थापना के लिए हमेशा लड़ते रहेंगे। मैं इसे आज, कल और हमेशा कहूंगा, द्रविड़ भूमि से सनातन धर्म को रोकने का हमारा संकल्प थोड़ा भी कम नहीं होगा।

वहीं, नीट परीक्षा के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, हम अपने बच्चों को पढ़ाई कराने के लिए कई तरह के विचार और योजनाएं लेकर आ रहे हैं। लेकिन फासीवादी शासक वर्ग हमारे बच्चों को पढ़ाई से दूर रखने के तरीके ढूंढ रहे हैं।

उन्होंने सनातन के इस सिद्धांत की भी आलोचना की कि निम्न वर्ग के लोगों को नहीं पढ़ना चाहिए। उन्होंने सनातन के गुलाम के रूप में पूर्ववर्ती अन्नाद्रमुक शासन की आलोचना की। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आलोचना की कि एआईएडीएमके अन्ना के नाम पर नहीं बल्कि अमित शाह के नाम पर है।

मुंबई में इंडिया गठबंधन की बैठक से उत्पन्न हुये जोश और उमंग के बीच आये उदयनिधि स्टालिन के बयान से विपक्षी गठबंधन को इन हिन्दुत्व विरोधी बयानों के काफी हद तक नुकसान पहुंचने की संभावना है। उदयनिधि के इस बयान ने भाजपा नेताओं को समूचे विपक्ष को हिन्दुत्व विरोधी दिखाने का मौका दे दिया है।

# जिन सीटों पर पार्टी कमजोर है, वहां कांग्रेस पर्यवेक्षक खास ध्यान देंगे

## वरिष्ठ पर्यवेक्षक मधुसूदन मिस्त्री ने कांग्रेस के 25 पर्यवेक्षकों की बैठक ली और उन्हें विधानसभावार रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिये

- **मधुसूदन मिस्त्री ने कहा कि, ऑब्जर्वर का काम ओपिनियन लेना है, छानबीन करना है। सभी पर्यवेक्षक स्क्रीनिंग कमेटी को फीडबैक देंगे। स्क्रीनिंग कमेटी के सामने जो चीजें आएंगी, उसकी भी पर्यवेक्षक छानबीन करेंगे, लेकिन उनका ज्यादातर काम संगठन का है और प्रचार का है।**

जयपुर, 3 सितम्बर (का.प्र.)। विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की ओर से लोकसभावार लगाए गए पर्यवेक्षकों की बैठक वरिष्ठ पर्यवेक्षक मधुसूदन मिस्त्री ने ली और अब तक किए गए दौरे और पार्टी के कामकाज को लेकर रिपोर्ट लेते हुए आगे के लिए निर्देश दिए।

बैठक के बाद मिस्त्री ने कहा कि, हमारे सभी पर्यवेक्षकों ने अपने-अपने लोकसभा क्षेत्र में आने वाली विधानसभा सीटों का दौरा किया है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष से लेकर कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात की है। जिस-जिस ने भी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए आवेदन किया है, उनका आवेदन पत्र लिया है। पर्यवेक्षकों ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कामकाज के तरीके का भी एसेसमेंट किया है। इन्हीं मुद्दों को लेकर रविवार की बैठक में चर्चा की गई है।

चुनाव से पहले प्रदेश में भाजपा के केंद्रीय नेताओं की लगातार बढ़ती सक्रियता के सवाल पर मधुसूदन मिस्त्री ने कहा कि, भाजपा नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फेंकने की आदत है। कर्नाटक और बंगाल चुनाव से पहले वे बड़ी-बड़ी बातें कर रहे थे, लेकिन वहां क्या परिणाम आया? पिछली बार गुजरात में 100 सीट भी नहीं आई थी, इसलिए उनके कहे पर आप मत जाइए। वो जो कहते हैं, उन्हें कहने दो। इस बार उनकी कोई नहीं सुनेगा।

मिस्त्री ने कहा कि, राजस्थान में लोकसभा क्षेत्र पर लगाए गए पर्यवेक्षकों को अब आगे जो भी काम करना है, उसे लेकर पी.सी.सी. से बात करके रणनीति तय की जाएगी। प्रदेश के माहौल के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि, किसी को इस पर कोई शंका नहीं होनी चाहिए कि, विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी और प्रदेश में एक नया इतिहास रचा जाएगा। इसी को लेकर आज बैठक में चर्चा की गई है।

उन्होंने कहा कि, ऑब्जर्वर का काम ओपिनियन लेना है, छानबीन करना है। सभी पर्यवेक्षक स्क्रीनिंग कमेटी को फीडबैक देंगे। स्क्रीनिंग कमेटी के सामने जो चीजें आएंगी, उसकी भी पर्यवेक्षक छानबीन करेंगे, लेकिन उनका ज्यादातर काम संगठन का है और प्रचार का है। सरकार की

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )




# सोनिया गांधी को बुखार, अस्पताल में भर्ती हुई

नयी दिल्ली, 3 सितंबर (वार्ता)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को बुखार के कारण यहां सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूत्रों के अनुसार, सोनिया गांधी को हल्के बुखार की शिकायत हुई है और उन्हें डॉक्टरों की सलाह पर अस्पताल में भर्ती किया गया है। उनका स्वास्थ्य स्थिर बताया गया है और उनको देख रहे डॉक्टर बराबर उनके स्वास्थ्य पर नज़र रखे हुए हैं।

- **सोनिया गांधी को सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्हें गांधी को हल्के बुखार की शिकायत हुई है और उन्हें डॉक्टरों की सलाह पर अस्पताल में भर्ती किया गया है।**

कांग्रेस संसदीय दल की नेता दो दिन पहले मुंबई में विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की बैठक में शामिल

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा को गंगापुर सिटी शहर में जाने से रोका

## भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता धरने पर बैठे, दो घंटे हंगामे के बाद यात्रा को शहर से गुजरने की मंजूरी मिली

- **पुलिस से काफी जहोद्दाद के बाद प्रशासन ने दी मंजूरी।**
- **भाजपा कार्यकर्ताओं व पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई।**

गंगापुर सिटी, 3 सितम्बर (निस)। त्रिनेत्र गणेश सवाईमाधोपुर से शुरु हुई भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा शनिवार देर रात गंगापुर सिटी पहुंची।

होटल पर्ल में रात्रि विश्राम के बाद रविवार सुबह 11 बजे करीब जैसे ही परिवर्तन यात्रा रवाना हुई । वैसे ही अलीगंज बाईपास से शहर की तरफ बढ़ रही यात्रा को सदर थाने के सामने पुलिस व प्रशासन ने रोक दिया। यात्रा मार्ग को लेकर पुलिस व भाजपाईयों में धक्का मुक्की हुई। यात्रा को शहर में नहीं घुसने देने पर भाजपा नेता व कार्यकर्ता सदर के सामने मुख्य सड़क पर धरने पर बैठ गए। इस दौरान सरकार व पुलिस प्रशासन के खिलाफ कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। इस बीच भाजपाइयों और मौके पर मौजूद एस.टी.एफ., आर.ए.सी. पुलिस के जवानों से टकराव हो गया। भाजपाई रूट के हिसाब से इसी मार्ग से होकर यात्रा निकालने की मांग पर अड़ गए और एस.टी.एफ. और पुलिस के जवानों से उलझते दिखाई दिए। दो घंटे हंगामे के बाद यात्रा को शहर से गुजरने की मंजूरी मिली। यात्रा संयोजक अरूण चतुर्वेदी ने जमकर हमला बोलते हुए कहा कि, प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है और भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा को मिले जन समर्थन से कांग्रेस सरकार घबरा रही है। लेकिन मैं प्रदेश के मुखिया अशोक गहलोत को ये बता दूं की ये तो अभी शुरूआत है । अभी तो प्रदेश के अन्य तीन स्थानों से भी परिवर्तन यात्रा निकलेगी और कांग्रेस पार्टी का हमेशा हमेशा के लिए सूपडा ही साफ हो जायेगा। परिवर्तन यात्रा भारी पुलिस लवाजमे के साथ शेड माता रोड, ट्रक यूनियन, कैलाश टाकीज, जामा मस्जिद, फब्बारा चौक चूंगी नाका होते हुए उदेई मोड़ सालोदा के रास्ते हिण्डौन ऑवरब्रिज होते हुए करौली के लिए प्रस्थान कर गई। परिवर्तन यात्रा में टोंक सवाईमाधोपुर सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया, करौली धौलपुर सांसद मनोज राजोरिया, जीतेन्द्र गोठवाल, पूर्व विधायक मान सिंह गुर्जर, सभापति शिवरत्न अग्रवाल, जिलाध्यक्ष सुशील दीक्षित, पूर्व सभापति हरिप्रसाद बोहरा, संगीता बोहरा, मनोज कटारिया सहित हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

# ओडिशा में बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत

भुवनेश्वर, 03 सितंबर (वार्ता) ओडिशा के 11 जिलों में शनिवार को बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हुए। विशेष राहत आयुक्त कार्यालय (एसआरसी) के सूत्रों ने आज यह जानकारी दी।

एसआरसी कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि बिजली गिरने से खोरधा में चार, बोलांगीर में दो तथा अनुगुल, बौध, जगतसिंहपुर, गजपति, पुरी और ढेंकनाल जिले में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। यहां भारी बारिश के दौरान बिजली गिरी है।एसआरसी कार्यालय ने रविवार को बताया कि बोलांगीर में बिजली गिरने से आठ लोग घायल हो गए, खोरधा और अनुगुल में तीन-तीन, कटक व गंजम में एक-एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है। इसके अलावा गजपति में छह और कंधमाल में दो मवेशियों के मारे जाने की खबर है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शोक संतप्त परिवार को 4-4 लाख रुपये का अतिरिक्त मुआवजा दिया जाएगा। एसआरसी कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि मवेशियों की मौत के मामले में स्वीकार्य सहायता दी जाएगी।

# सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय नहीं होने से ममता बनर्जी नाराज हुई

## मुंबई में इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद ममता बनर्जी और भतीजे अभिषेकबनर्जी जॉइन्ट प्रैस कॉन्फ्रेंस में शामिल नहीं हुये

- **इस सियासी मामले से परिचित लोगों ने कहा कि बैठक में ममता बनर्जी ने सुझाव दिया कि लोकसभा चुनावों के लिए एक घोषणापत्र जल्दी से तैयार किया जाए ताकि इसे लोगों तक पहुंचाया जा सके, लेकिन उनके प्रस्ताव को अन्य दलों से ज्यादा समर्थन नहीं मिला।**

कोलकाता, 3 सितम्बर। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुंबई में हाल ही में संपन्न हुई इंडिया गठबंधन की बैठक के दौरान लोकसभा चुनाव के लिए घोषणापत्र को शीघ्र अंतिम रूप देने का मुद्दा उठाया। इस मामले से परिचित नेताओं ने यह भी कहा कि वह सीट बंटवारे सहित कुछ अन्य मुद्दों पर धीमी रफ्तार पर नाराजगी भी व्यक्ती की। ममता और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में भी शामिल नहीं हुए। इसके बाद से अटकलें लगाई जा रही हैं कि विपक्षी गठबंधन के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। हालांकि, टीएमसी का कहना है कि पहले से तय एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दोनों इसमें शामिल नहीं हुए।

इस सियासी मामले से परिचित लोगों ने कहा कि बैठक में ममता बनर्जी ने सुझाव दिया कि लोकसभा चुनावों के लिए एक घोषणापत्र जल्दी से तैयार किया जाए ताकि इसे लोगों तक पहुंचाया जा सके, लेकिन उनके प्रस्ताव को अन्य दलों से ज्यादा समर्थन नहीं मिला। बाद में उन्होंने जोर देकर कहा कि एक छोटा एजेंडा तैयार किया जाए ताकि चुनाव अभियान 2 अक्टूबर को शुरू किया जा सके, जो महात्मा गांधी की जयंती है। एक नेता ने कहा कि टीएमसी यह भी चाहती है कि सीट बंटवारे पर भी जल्द बातचीत हो।

नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर दो वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि 28 पार्टियों के गठबंधन में शामिल 15 से अधिक छोटे संगठनों को साथ रखने के लिए बड़ी पार्टियों के द्वारा चतुराई से काम लेना जरूरी होगा। उनमें से एक ने कहा, शीर्ष नेताओं ने समन्वय को अच्छी तरह से संभाला है। अब सुचारू कामकाज सुनिश्चित करना पैनल के सदस्यों पर निर्भर है।

आपको बता दें कि विपक्षी गठबंधन ने पांच पैनल बनाए हैं, जिनमें एक चुनाव अभियान समिति और एक सोशल मीडिया के लिए एक कार्य समूह शामिल है। नेताओं ने कहा कि उनके अगले सप्ताह से काम शुरू करने की संभावना है। सीटों पर बातचीत भी जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

नेताओं ने कहा कि विभिन्न राज्यों में सीट-बंटवारे की व्यवस्था पर ध्यान देना होगा, क्योंकि 2024 के चुनाव में गठबंधन की संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि सीटों के बंटवारे पर बातचीत के दो पहलू होंगे। पहला आम उम्मीदवारों की संख्या को अधिकतम करना और जितना संभव हो उतने राज्यों में मैत्रीपूर्ण मुकाबले से बचने की कोशिश।

पश्चिम बंगाल, पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली सहित जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में इंडिया गठबंधन के प्रमुख सहयोगियों के बीच गहन बातचीत हो सकती है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की सहयोगी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने कहा है कि वह सत्तारूढ़ टीएमसी के साथ गठबंधन नहीं कर सकती है।

दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस पार्टी की प्रदेश इकाई आम आदमी पार्टी (आप) के साथ गठबंधन के बजाय अपने दम पर संसदीय चुनाव लड़ने का दबाव बना रही है। एक गैर-कांग्रेसी नेता

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# मोदी पुणे से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे

पुणे, 3 सितंबर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुणे निर्वाचन क्षेत्र से 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने की मीडिया के एक वर्ग में आई खबरों से हर तरफ चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

- **भाजपा के पूर्व सांसद संजय काकड़े ने सीधे मोदी को पत्र लिखकर उनसे पुणे से लोकसभा चुनाव लड़ने की मांग की है। भाजपा सांसद गिरीश बापट की मृत्यु के बाद पुणे लोकसभा सीट खाली हो चुकी है।**

इन रिपोर्टों का शहर के राजनेताओं और उद्योगपतियों ने स्वागत किया है। पार्टी के कई कार्यकर्ताओं ने कहा कि भाजपा सांसद गिरीश बापट की मृत्यु के

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## विचार बिन्दु

संतोष का वृक्ष कड़वा है लेकिन इस पर लगने वाला फल मीठा होता है।

–स्वामी शिवानंद

# चुनाव की आहट सुनाई देने लगी है!

वैसे तो हमारे देश में नेताओं की मेहरबानी से हर समय ही चुनाव का-सा माहौल बना रहता है, अब जब वास्तव में चुनाव नज़दीक आ रहे हैं तो स्वाभाविक ही है कि नेताओं की गतिविधियां और उन गतिविधियों से हमारा प्रभावित होना बढ़ गया है। जैसे-जैसे चुनाव नज़दीक आते जाएंगे, यह प्रभाव गहराता जाएगा, और इसके बहुत सारे साइड इफेक्ट्स भी मह महसूस करने लगेंगे। एक समय था जब हमारे नेताओं में, और नागरिकों में भी, यह मर्यादा बोध था कि कहां राजनीति की बात करनी है और कहां नहीं करनी है। मसलन आधिकारिक सरकारी कार्यक्रमों में कोई नेता राजनीति की बात नहीं करता था। वह सरकार की, उसकी नीतियों की बात करता था। अगर कोई नेता किसी अकादमिक संस्थान में बुला भी लिया जाता था, शुरू-शुरू में तो उन्हें वहां मंचस्थ करने के लिए बुलाया ही नहीं जाता था, तो वह वहां वैदुष्य की और उस संस्थान विशेष के संदर्भ में प्रासंगिक बातों तक ही अपने वक्तव्य को सीमित रखता था। लोग भी बेशक राजनीति में दिलचस्पी रखते थे, उसमें यथा रुचि सहभागिता भी करते थे, लेकिन अपने निजी और पारिवारिक जीवन से वे उसे दूर रखते थे। एक ही परिवार में भिन्न-भिन्न राजनीतिक संलग्नता वाले लोग बहुत सद्भावनापूर्वक रहते थे, और यह बात कोई अपवाद नहीं थी। ऐसा भी नहीं है कि वे राजनीतिक मुद्दों पर संवाद नहीं करते थे। संवाद होता था लेकिन वह मुद्दों तक सीमित रहता था और उसमें कटुता की कोई जगह नहीं होती थी। साहित्य की दुनिया में भी वैचारिक भिन्नता खूब रही है। अनेक लेखकों की राजनीतिक संबद्धता भी जग ज़ाहिर रही है। लेकिन इस बात का कोई असर उनके महत्व पर या उनके पारस्परिक रिश्तों पर कभी नहीं पड़ा। एक मज़ेदार उदाहरण याद करता चलूं। भारत के स्वाधीनता संग्राम को लेकर भगवती चरण वर्मा ने एक उपन्यास लिखा जिसका शीर्षक था – **टेढ़े-मेढ़े रास्ते।** ये टेढ़े-मेढ़े रास्ते वे थे जिन पर चलकर आज़ादी के मुकाम तक पहुंचना था। रांगेय राघव भगवती चरण वर्मा के इस सोच से असहमत थे। और अपनी असहमति को उन्होंने एक उपन्यास लिखकर व्यक्त किया। उपन्यास का शीर्षक था – **सीधा-सादा रास्ता।** कहने की ज़रूरत नहीं कि वे आज़ादी तक पहुंचने का एक ही रास्ता मानते थे। लेकिन पारस्परिक कटुता की बजाय उन्होंने रचनात्मक रूप से अपनी बात कही। साहित्य की दुनिया से ऐसे अनेक उदाहरण याद किए जा सकते हैं। और अगर एक बार फिर से राजनीति की दुनिया में जाना उचित हो तो ऐसे कुछ उदाहरणों को भी याद कर लिया जाना चाहिए जहां एक राजनीतिक दल से संलग्नता वाले व्यक्ति ने किसी अन्य राजनीतिक दल से संबद्ध व्यक्ति को समुचित सम्मान दिया। ऐसे अनेक उदाहरण याद आ जाएंगे।

लेकिन क्या यह मान लिया जाए इस विवेक और सद्भावना का समय अब अतीत हो चुका है? पहले विवेक की बात की जाए। अब हमारे नेता गण इस बात की परवाह नहीं करते हैं और जहां भी उन्हें मौका मिलता है वे राजनीति की शतरंज की बिसात बिछा देते हैं और उस पर शह और मात का खेल खेलना शुरू कर देते हैं। अब उनके मन में विमत, असहमति या प्रमाण, तर्क व तथ्यों के लिए कोई सम्मान नहीं बचा है। वे निहायत ही बेशर्मी से सच को नकारते और मिथ्या तथ्य व तर्क गढ़ते हैं। मुझे याद नहीं आता कि हाल के बरसों में किसी भी नेता ने अपने मिथ्या कथन के लिए क्षमा याचना की हो! उलटे उनके अंध प्रशंसक उनके झूठ को सच साबित करने के लिए ज़मीन आसमान एक करने लग जाते हैं। क्या ऐसा वे बिना अपने नेता की सहमति के करते होंगे? अब एक सोच यह बन गया है हम जो मान या कह या कर रहे हैं वही एकमात्र सत्य है और जो उसे नकारना तो दूर, उस पर कोई मुलायम-सा सवाल भी कर रहा है वह केवल और केवल हमारा शत्रु है। और शत्रु के साथ कैसा बर्ताव किया जाना चाहिए, इसे वे बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। शत्रु को प्रोत्साहित नहीं किया जाता, उसे तो कुचला जाता है। और कुचलने के रोज़-रोज़ नए तरीके इज़ाद किए जाने लगे हैं। अगर कोई सत्ता में है तो उसके पास तो कुचलने के अनेक औज़ार-हथियार हैं ही, जो सत्ता में नहीं है वह भी यथासामर्थ्य अपने प्रतिपक्षी को ध्वस्त करने की जुगत भिड़ाता रहता है। चरित्र हनन, बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश करना, उन्हें संदर्भ से काट कर प्रस्तुत करना, उपहास करना मीडिया में स्टोरीज़ प्लाण्ट करना जैसे अनेक औज़ार अब सुलभ हो गए हैं और इनका खुलकर उपयोग किया जाता है। दूर से देखकर लगता है कि जो भी राजनीति में हैं उनके पास संसाधनों की कोई कमी नहीं है। यह बात अलग है कि जो सत्ता में हैं उनके पास ज़्यादा संसाधन हैं और जो सत्ता में नहीं हैं उनके पास कम लेकिन सत्ता में आने की संभावनाओं के अनुपात में पर्याप्त संसाधन हैं। इधर जैसे-जैसे चुनाव नज़दीक आते जा रहे हैं, इन संसाधनों का उपयोग बढ़ता जा रहा है। अलग-अलग दल रैलियां कर रहे हैं, द्ल ही नहीं, जातियां और समाज भी रैलियां कर रहे हैं और उन पर पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं। जो दल सत्ता में हैं वे अखबारों पर मेहरबान हैं और भर-भरकर अपनी उपलब्धियों का बखान करने वाले विज्ञापनों की हम पाठकों पर बरसात कर रहे हैं। इन दलों की कृपा से अब मुझे अनेक दूरस्थ राज्यों में वहां की सरकारें अपने मतदाताओं पर क्या-क्या कृपा कर रही हैं, इसकी ज़रूरत से ज़्यादा जानकारी होने लगी है। यह जानकारी रोज़ बढ़ती ही जा रही है। शहर में निकलता हूं तो हर चौराहे, नुक्कड़ और खम्भे से मुझे नेताजी दर्शन देने लगते हैं। मैं सोचता हूं, और सोच-सोच कर दु:खी भी होता हूं कि यह जो दिल खोलकर प्रचार हो रहा है, बड़ी-बड़ी रैलियां हो रही हैं, इनका पैसा किसकी जेब से जा रहा है, या बाद में वसूल किया जाएगा!

**मैं तो आदर्श स्थिति यह मानता हूं कि आप अपनी बात कहें, मैं उसे सुनूं और जब मैं अपनी बात कहूं तो आप उसे सुनें। एक-दूसरे की बात सुनकर हम अपनी धारणाओं में बदलाव करने को भी तैयार रहें। अगर यह वैचारिक खुलापन हममें आ जाए, तो हम न केवल अपने प्रजातंत्र को मज़बूत करेंगे, अपने समाज को भी एक बेहतर आकृति दें सकेंगे।**

इन सबके साथ जो अधिक ख़तरनाक बात हुई है वह यह है कि हम अपनी राजनीतिक संलग्नता, अपने रुझान या अपने सोच को लेकर इतना अधिक असुरक्षित महसूस करने लगे हैं कि जैसे ही हमें लगता है कि कोई हमारे सोच से असहमत है, हम अपना आपा खोकर आक्रामक हो जाते हैं। बहुत बार तो बेचारा सामने वाला असहमत होता भी नहीं है, लेकिन हम अपना आपा खो कर उस पर हमलावर हो चुके होते हैं। इसकी एक परिणति यह हुई है कि हममें संवाद हीनता बढ़ती जा रही है। संवाद का मतलब ही होता है दो तरफा संवाद। अब सुरक्षा इसी में लगती है कि जो सामने वाला कह रहा है उसे आप स्वीकार कर लें। अगर आपने तनिक भी किंतु परंतु की तो हर तरह के अप्रिय और अशालीन हमलों के लिए तैयार रहें। अब आपकी सामान्य विचारधारा भी गाली बना दी गई है। कोई यह नहीं सोचने को तैयार है कि अगर एक व्यक्ति एक ख़ास विचारधारा को पसंद कर सकता है तो दूसरा उससे भिन्न विचारधारा को क्यों नहीं पसंद कर सकता? अब हम रंग वैविध्य को स्वीकार करने को, बहुलता को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। हमारा सारा बल एकरूपता पर है, और एकरूपता भी वह जो हम चाहते हैं। यह बहुत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है।

मैं हमेशा यह कहता हूं कि एक नागरिक के रूप में हमें राजनीति से दूरी नहीं बरतनी चाहिए। जो राजनीति हमारी पूरी ज़िंदगी को नियंत्रित करने की हद तक प्रभावित करती है, उससे दूरी बरतने का कोई औचित्य ही नहीं है। इसके बावज़ूद अगर कोई दूरी बरतता है तो इस बात का भी मैं सम्मान करता हूं। लेकिन मूल बात यह है कि चीज़ों को देखने के एकाधिक दृष्टिकोण होते हैं और रहेंगे। किसी का कोई काम अगर आपको पसंद है तो भी मेरे उसको नापसंद करने पर आप असहज न हों। आप उसे पसंद करते रहें और मुझे नापसंद करने दें। मेरे नापसंद करने को आप मेरी निष्ठा, मेरे समर्पण, मेरी देशभक्ति वगैरह से न जोड़ें। सारी अच्छी चीज़ों के ठेकेदार बनकर जो बैठते हैं मैं उनसे कभी सहमत नहीं हो पाता। मैं तो आदर्श स्थिति यह मानता हूं कि आप अपनी बात कहें, मैं उसे सुनूं और जब मैं अपनी बात कहूं तो आप उसे सुनें। एक-दूसरे की बात सुनकर हम अपनी धारणाओं में बदलाव करने को भी तैयार रहें। अगर यह वैचारिक खुलापन हम में आ जाए, तो हम न केवल अपने प्रजातंत्र को मज़बूत करेंगे, अपने समाज को भी एक बेहतर आकृति दें सकेंगे।

**–अतिथि संपादक,**
**डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल**
**( शिक्षाविद और साहित्यकार )**

# डिजिटल अर्थव्यवस्था : विश्वसनीयता एवं संभावनाएं



अविनाश जोशी

आज 'डिजिटल विश्वसनीयता' डिजिटल दुनिया में इस कदर महत्त्वपूर्ण हो चुकी है कि 'डिजिटल विश्वास' को अब एक नई मुद्रा के रूप में देखा जा रहा है। डिजिटल प्रौद्योगिकी के संसार में पिछले कुछ वर्ष अत्यंत उत्साह और रोमांच से भरे गुजरे हैं। इन वर्षों में हम और अधिक डिजिटल हो गए हैं और दुनिया काफी बदल गई है। आज इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे जीवन के हर पहलू में गहरी पैठ बना चुकी है।

आज के डिजिटल युग में हम सोशल मीडिया से लेकर बैंकिंग ऐप जैसी विभिन्न आनलाइन सेवाओं पर भरोसा करते हैं। इसी भरोसे के चलते हम अपनी व्यक्तिगत जानकारी और संवेदनशील डेटा डिजिटल सेवा प्रदाताओं को सौंपते हैं। यह डेटा हमारे पासवर्ड और क्रेडिट कार्ड विवरण से लेकर हमारी व्यक्तिगत पसंदों और 'ब्राउजिंग हिस्ट्री' तक कुछ भी हो सकता है। तकनीकी उन्नति के साथ ही डिजिटल उपकरणों पर हमारी निर्भरता दिनोदिन बढ़ती जा रही है। उसके साथ ही विश्वसनीय डिजिटल भरोसे की आवश्यकता भी बढ़ती जा रही है। डिजिटल भरोसा उन डिजिटल उत्पादों और सेवाओं के प्रति उनके उपयोगकर्ताओं के विश्वास का स्तर है। इसका मतलब है कि जब आप डिजिटल दुनिया में कोई संबंध बनाते हैं, तो आप उस पर पूर्ण रूप से भरोसा करते हैं। यह संबंध आपके और दूसरे व्यक्तियों के बीच विनिमय के रूप में हो सकता है, जो विभिन्न विषयों जैसे कि व्यापार, वित्त, संचार और सामाजिक नेटवर्किंग से संबंधित हो सकते हैं।

डिजिटल विश्वसनीयता उन सभी उपयोगकर्ताओं के लिए जरूरी है, जो डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हैं, चाहे वे व्यवसायी हों या आम लोग। आज 'डिजिटल भरोसा' डिजिटल दुनिया में इस कदर महत्त्वपूर्ण हो चुका है कि 'डिजिटल विश्वास' को अब एक नई मुद्रा के रूप में देखा जा रहा है। यह डिजिटल आर्थिक प्रणाली के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक सबसे महत्त्वपूर्ण कारक बन चुका है। डिजिटल विश्वास सुरक्षित, विश्वसनीय और संरचित डिजिटल आर्थिक लेनदेन संबंधी जानकारी को संकलित करता है। इसे उपयोगकर्ताओं, निवेशकों और सरकारों के लिए एक महत्त्वपूर्ण मानक माना जाता है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था एक आर्थिक प्रणाली है जिसमें तकनीकी उपकरण और इंटरनेट का उपयोग करके अर्थतंत्रिक गतिविधियों को संचालित किया जाता है। यह नई तकनीकों और डिजिटली प्रक्रियाओं के माध्यम से वित्तीय सेवाओं, व्यापार, उत्पादन, विपणन आदि में सुधार कर सकती है। यह विभिन्न सेक्टरों में नई संरचनाएँ और तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे उत्पादकता बढ़ती है, कारोबार की प्रक्रियाएँ सुगम होती हैं और सेवाएं बेहतर होती हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था में अधिकांश लेन-देन और लेखा-जोखा भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से होते हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था ने डेटा एकत्रित करने और विश्लेषण करने की क्षमता को बढ़ाया है जिससे नीतियों और योजनाओं में सुधार हुआ है। आज के युग में ऑनलाइन व्यापार के माध्यम से व्यापारियों को अधिक ग्राहकों तक पहुंचने का मौका मिलता है। ये नवाचार नए संभावित विकास के लिए मार्गदर्शन करते हैं।

औद्योगिक तबके के लोग अनेक डिजिटल डेटा और सूचनाओं का उपयोग करते हैं। उन्हें यह भरोसा होना चाहिए कि उनकी सूचनाएं सुरक्षित हैं और इनका गलत इस्तेमाल नहीं होगा। उच्च आय के लोगों के लिए डिजिटल विश्वसनीयता उनकी आर्थिक संरचना में बेहद महत्त्वपूर्ण विषय होता है। उन्हें बैंकिंग संबंधी सेवाओं और उत्पादों के लिए ज्यादा विश्वसनीय डिजिटल प्लेटफार्म की जरूरत होती है, ताकि वे अपनी संपत्ति को सुरक्षित रख सकें और आर्थिक लेनदेन को सही ढंग से कर सकें। यह भरोसा सभी स्तरों पर बनाया जाना जरूरी है। व्यक्तिगत, व्यवसायों और सरकारों के बीच डिजिटल भरोसा बनाने के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण कदम उठाए जाने चाहिए। इसके लिए डिजिटल विश्व में एक ऐसे शक्तिशाली सुरक्षा ढांचे को बनाया जाना जरूरी है, जो उपयोगकर्ताओं के जीवन और व्यवसाय की सुरक्षा को कायम रख सके।

भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था के युग में प्रवेश तो कर चुका है, लेकिन अभी भी अर्थव्यवस्था का यह नया रूप उम्मीदों के मुताबिक रफ्तार नहीं पकड़ पाया है। इसका बड़ा कारण डिजिटल अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए इसके रास्ते में आने वाली बाधाएं हैं। जब तक इन्हें दूर नहीं किया जाएगा, डिजिटल अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से आत्मसात कर पाना संभव नहीं होगा। इसके लिए पहला और महत्त्वपूर्ण उपाय देश, खासतौर से ग्रामीण क्षेत्रों को डिजिटल रूप में साक्षर बनाना होगा और साथ ही डिजिटलीकरण के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का जाल बिछाना होगा।

यदि हम डिजिटल भुगतान उद्योग की ओर देखें तो पाते हैं कि नोटबंदी में भी डिजिटल भुगतान इतनी तेजी से नहीं बढ़ा था, जितना कि कोरोना संकटकाल के दौरान बढ़ा है। देश में डिजिटल भुगतान की स्वीकार्यता बढ़ने लगी है। अर्थव्यवस्था में नकदी की जगह दूसरे माध्यमों से लेनदेन को बढ़ावा देने के भारतीय रिजर्व बैंक के प्रयासों का असर दिखने लगा है। पूर्णबंदी के कारण लोगों ने घरों में रहते हुए ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग को एक तरह से जीवन का अंग बना लिया। अब जब पूर्णबंदी लगभग खत्म हो चुकी है, तब भी लोग भीड़भाड़ से बचने के लिए आनलाइन खरीद को ही तरजीह दे रहे हैं। बर्नस्टीन रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में कोरोनाकाल में लोगों ने जिस तेजी से डिजिटल का रुख किया है, वह भारत के लिए आर्थिक रूप से उपयोगी हो गया है। अनुमान है कि वर्ष 2027-28 तक भारत में ई-कॉमर्स का कारोबार दो सौ अरब डॉलर को पार कर जाएगा।

अब जैसे-जैसे वैश्विक अर्थव्यवस्था डिजिटल होती जा रही है, वैसे-वैसे देश और दुनिया में रोजगार बाजार का परिदृश्य भी बदलता जा रहा है। भविष्य में कई रोजगार ऐसे होंगे, जिनके नाम हमने अब तक सुने भी नहीं हैं। कई शोध संगठनों का कहना है कि डिजिटलीकरण से भारत में रोजगार के नए मौके तेजी से बढ़ रहे हैं। इसमें दुनियाभर में आटोमेशन, रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के चलते जहां कई क्षेत्रों में रोजगार कम हो रहे हैं, वहीं डिजिटल अर्थव्यवस्था में रोजगार बढ़ रहे है। आर्थिक विशेषज्ञो के आकलन के अनुसार डिजिटल अर्थव्यवस्था 2026 में भारत की जीडीपी में 20 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे सकती है। भारत तेजी से टेक्नोलॉजी को अपना रहा है और इसने कुछ वर्षों में ही लोगों के जीवन, शासन और लोकतंत्र को बदल दिया है।

भारत में टेक्नोलॉजी ने न केवल इनोवेशन को बढ़ावा दिया है, बल्कि वास्तविक समाधान देने का भी काम किया है। टेक्नोलॉजी ने पिछले कुछ वर्षों में लोगों के जीवन, शासन और लोकतंत्र को बदल दिया है। देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था में वर्ष 2025 तक एक ट्रिलियन डॉलर (करीब 70 लाख करोड़ रुपये) के स्तर पर पहुंचने की क्षमता है। सरकार ने भी महसूस किया है कि भारत 2025 तक डिजिटल अर्थव्यवस्था के जरिए एक ट्रिलियन डॉलर का आर्थिक मूल्य बना सकता है।

भारत अगर आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के साथ शिक्षा, ऊर्जा, वित्त, स्वास्थ्य, लॉजिस्टिक और परिवहन जैसे अन्य क्षेत्रों में भी डिजिटल अर्थव्यवस्था की संभावनाओं को उजागर करता है तो इससे हमारी डिजिटल अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है। डिजिटल आर्थिक लेनदेन बढ़ने के साथ ही इससे जुड़ी समस्याएं भी तेजी से उभर रही हैं। साइबर अपराधों, डेटा चोरी, आनलाइन धोखाधड़ी और पहचान चोरी जैसी समस्याएं डिजिटल विश्वास को पीछे धकेल रही हैं। साइबर आक्रमणकारी आपकी निजी जानकारी को नुकसान पहुंचा सकता है, आपके खाते को हैक और अन्य अवांछित क्रियाएं कर सकता है, जो डिजिटल विश्वास को खंडित कर सकता है।

डिजिटल भरोसे को इन खतरों से कैसे बचाया जा सकता है, इस पर विचार करना आवश्यक है। डिजिटल विश्व में विश्वसनीयता का निर्माण एक संवेदनशील विषय है, जो आज के समय में बढ़ती डिजिटल उपस्थिति के साथ और भी महत्त्वपूर्ण हो रहा है। स्थायी और उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल उपस्थिति बनाने के लिए विश्वसनीय डिजिटल भरोसा जरूरी है। विभिन्न तबकों के लोगों के लिए विश्वसनीय डिजिटल विश्वास की आवश्यकता अलग-अलग हो सकती है। व्यापार क्षेत्र में संचार, सौदों की पुष्टि, धोखाधड़ी से बचाव और उत्पादों या सेवाओं की गुणवत्ता पर भरोसा जरूरी होता है। भारत सरकार ने डिजिटल भारत की शुरुआत की है, जिसकी सफलता के लिए आम जन का सहयोग विश्वास एवम जुड़ाव बहुत महत्वपूर्ण है।

**–अविनाश जोशी,**
**स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक**

# 'शहीद और उनके परिवारों का सम्मान करना हमारा दायित्व है'

- **डीडवाना खाखोली में शहीद भींवाराम भाकर की मूर्ति का अनावरण हुआ**
- **पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने मूर्ति का अनावरण किया**

**डीडवाना,** (निसं)। जिले के ग्राम खाखोली में शहीद कमांडो भींवाराम भाकर की मूर्ति का समारोहपूर्वक अनावरण हुआ। इस मौके पर पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत कर शहीद की मूर्ति का अनावरण किया।

साथ ही शहीद को नमन करते हुए कहा कि शहीद भींवाराम जैसे सपूत देश की खातिर अपना बलिदान देने से भी पीछे नहीं हटते। शहीदों के प्रति उनके मन में इस कदर श्रद्धा और सम्मान है कि वे अपनी अस्वथता के बावजूद यहां पहुंचे हैं। मलिक ने कहा कि सिपाहियों और शहीद देश के दुश्मनों से लोहा लेते हैं, तभी हम लोग आराम और सुख चैन से रह पाते हैं। इसलिए ऐसे शहीद और



**ग्राम खाखोली में शहीद कमांडो भींवाराम भाकर की मूर्ति का अनावरण पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने अनावरण किया।**

उनके परिवारों का सम्मान करना हमारा दायित्व है। साथ ही उन्होंने किसान परिवारों से अपनी बेटियों को दहेज देने की बजाय उच्च शिक्षा दिलाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बल पर ही किसान समाज के बेटे और बेटियां जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। अनावरण समारोह में मौजूद डीडवाना विधायक चेतन डूडी ने कहा कि शहीद भींवाराम खाखोली गांव के लिए गौरव है। गांव के युवाओं को शहीद भींवाराम से देश भक्ति की प्रेरणा लेनी चाहिए। वहीं लाडनूं विधायक मुकेश भाकर ने कहा कि सैनिक हमेशा किसान परिवार से होता है। शहीद कभी मरता नहीं, बल्कि हमेशा के लिए हो जाते हैं, इसलिए लोगों को शहीदों का सम्मान करना चाहिए। जबकि मौलासर के पूर्व प्रधान जालाराम भाकर ने शहीद के जीवन और शहादत की विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर शहीद के परिजनों का भी सम्मान किया गया। अनावरण कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष जाकिर हुसैन गैसावत, राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी, मौलासर प्रधान मंजूदेवी, पूर्व प्रधान गुलाराम ढाका, पूर्व प्रधान भगवानराम बुरड़क सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

# सांभर में गांधी बालबाड़ी के सौंदर्यीकरण का काम अधूरा पड़ा है

- **चारदीवारी पर भित्ति चित्र उकरने की योजना नहीं हो सकी साकार**
- **देखरेख व असामाजिक तत्वों की वजह से ढाई साल से फव्वारा भी बना है शोपीस**

**सांभरझील,** (निसं)। यहां कटला बाजार स्थित गांधी बालबाड़ी का तीन साल बाद भी सौंदर्यकरण का काम अधूरा पड़ा है। पार्क की शोभा बढ़ाने के लिए लगाया गया फव्वारा कुछ समय तो लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा लेकिन बाद में देखरेख व असामाजिक तत्वों की वजह से आज यह पूरी तरह से नकारा पड़ा हुआ है।

फव्वारे की खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए इसके चारों ओर लगाई गई स्टील की जालियों के बाद भी किसी ने अंदर से इसका नोजल खोलकर निकाल लिया है, करीब ढाई साल से यह फव्वारा अब शॉपीस बना हुआ है। फव्वारे के अंदर बारिश का पानी भरा हुआ है जो सडांध मार रहा है जिसे निकालने के लिए कोई कदम नहीं उठाए जा रहे हैं, पानी में काई जम गई है और मच्छर भी भिनभिना रहे हैं।



**पार्क की शोभा बढ़ाने के लिए लगाया गया फव्वारा पूरी तरह से नकारा पड़ा हुआ है।**

पार्क को विकसित करने के लिए खर्च की गई धनराशि का कोई औचित्य नहीं निकल रहा है। पार्क की चारदिवारी का रंग रोगन आज तक नहीं हुआ है। चारदीवारी के बाहर भित्ति चित्रों को उकेरने की योजना आज भी अधूरी पड़ी है। गांधी बालवाड़ी के दोनों द्वारों पर लगाई गई अर्द्ध चंद्राकार लोहे की जाली टूटी पड़ी है। पार्क में नीम और वटवृक्ष के चारों ओर बनाये गये गट्टे पर लगाई गई ब्लैक टाइल्स अनेक जगह से धीरे-धीरे उखड़ रही हैं।

इससे गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। सेंट्रल बैंक और पुरानी तहसील के पास स्थित यह गांधी बालबाड़ी आबादी के मध्य में स्थित है आसपास के लोग यहां आते हैं। पार्क में दो मंदिर भी है जहां पूजा स्नान करने के लिए भी श्रद्धालु सुबह शाम आते हैं।

आंधी की वजह से क्षतिग्रस्त हुए एक पेड़ की डाली आज भी झूल रही है। पार्क में सांसद कोटे से लगी जिम की देखरेख भी करने वाला कोई नहीं है, कुछ के पार्ट्स खराब भी हो चुके हैं। पार्षद धर्मेंद्र जोपट ने बताया कि उनके पिछली दफा इस वार्ड से पार्षद रहते हुए इस पार्क को डवलप करवाया गया था, लेकिन कुछ काम आज भी अधूरे ही पड़े है, अनेक दफा मेरी ओर से पालिका प्रशासन को भी लिखा गया और कई दफा मौखिक भी बोला गया लेकिन इस पर कोई ध्यान नहीं देने से विकसित करने के लिए पूर्व में खर्च किये गये बजट का कोई सार्थक परिणाम नहीं निकल पा रहा है, इससे लोगों की भावनाएं भी आहत हो रही हैं।

## राशिफल



पंडित अनिल शर्मा

**सोमवार 4 सितम्बर, 2023**

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2080, अश्विनी नक्षत्र प्रात: 9:27 तक, ध्रुव योग रात्रि 10:58 तक, तैतिल करण सांय 4:42 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

कुमार योग सूर्योदय से दिन 9:23 तक है। ज्वालामुखी योग दिन 9:27 से सांय 4:42 तक है। आज गुरू वक्री सांय 7:70 पर होगा। शुक्र मार्गी प्रात: 6:50 पर होगा। आज चान्द छठ व्रत है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** अमृत सूर्योदय से 7:45 तक, शुभ 9:18 से 10:52 तक, चर 2:00 से 3:33 तक, लाभ-अमृत 3:33 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:41

### मेष
अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

### मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

### कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### सिंह
शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा।

### कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

### तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

### वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

### मकर
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिजनों के व्यवहार के कारण अपमानित होना पड़ सकता है। पारिवारिक कारणों से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

### कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

### मीन
व्यावसायिक प्रतिष्ठा का ध्यान रखें। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है।

## सार-समाचार

### भैरवलाल काला बादल जयंती आज

**कोटा,** (निसं)। स्वतंत्रता सेनानी भैरव लाल काला बादल की जयंती सोमवार को जय मीनेश आदिवासी विश्वविद्यालय रानपुर में मनाई जाएगी। विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन आरडी मीणा ने बताया। अखिल भारतीय श्री मीणा सामाजिक शैक्षणिक समिति की और से हर साल की भांति साल भी स्वतंत्रता सेनानी काला बादल की जयंती के मौके पर गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा जिसमें उनके जीवन संघर्ष, आदर्श और विचार से युवाओं को मार्गदर्शन मिलेगा साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में सघन वृक्षारोपण एवं प्रोत्साहन प्रतिभा सम्मान समारोह भी आयोजित होगा। सोमवार 11.00 बजे विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभाओं और प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साह वर्धन किया जाएगा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कृषि विपणन राज्य मंत्री मुरारी लाल मीणा शामिल होंगे, कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष, विधायक लक्ष्मण मीणा करेंगे विशिष्ट अतिथि के तौर पर विधायक गण एवं प्रशासनिक अधिकारी समिति के पदाधिकारी सदस्य एवं समाजबंधु बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

### शोभायात्रा का आयोजन

**कोटा,** (निसं)। पोकरा महाजन समाज के उत्पत्ति दिवस पोकरा पंचमी के अवसर कोटा समाज के द्वारा भव्य शोभायात्रा का आयोजन धोकड़े के हनुमान जी से शुरू होकर भीतरिया कुंड स्थिति महादेव मंदिर पर अभिषेक कर सपन्न होंगी कार्यक्रम मे 31 भगवान श्रीनाथजी की झांकी एवं भजन 2 महिला मंडल की भजन मंडली रहेगी कार्यक्रम मे पीसीसी पंकज मेहता कांगेस महिला प्रदेश अध्यक्ष राखी गौतम, ब्रजेश शर्मा नीटू भाजपा पार्षद सुनील गौतम रामबाबू सोनी, विशाल जोशी दिनेश विजय जिला अध्यक्ष वैश्य समाज, प्रदेश सयोंजक गोबिंद नारायण जी का मार्गदर्शन रहेगा।

### घर-घर जाकर खाली करवाये कूलर

**कोटा,** (निसं)। शहर में डेंगू से बचाव के लिए नेता प्रतिपक्ष विवेक राजवंशी नगर निगम कोटा दक्षिण की अगुवाई में इंद्रा विहार विकास सोसायटी व शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य के केंद्र तलवंडी के साथ एक उम्मीद सेवा संस्थान की टीम ने संयुक्त रूप से घर-घर जाकर आमजन से समझाईश कर कुलरों को खाली करवाया। आमजन से अपील की है कि स्वयं ही घरों के कूलर, परिंडों, गमलों की ट्रे, फ्रीज़ की ट्रे, छत के कबाड़ को साफ़ कर लेवें तथा बुखार होने पर चिकित्सक की सलाह लें। सरकार पर ज्यादा आश्रित नही रहे स्वयं जागरूक बने। घर में अपने बच्चों को भी सिखाएं कि घर में अनावश्यक पानी एकत्रित नही होने दें। इस कार्य में पार्षद योगेश आहलूवालिया, अध्य्क्ष छुट्टन लाल, अशोक लड्ढा, गजेंद्र खंडेलवाल, हेल्थ मैनेजर ईश्वर श्रृंगी, डॉ रियाज़ ने सहयोग किया।

### स्वास्थ्य योजनाओं की दी जानकारी

**कोटा,** (निसं)। राजस्थान राज्य एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोटा के सयुंक्त तत्वाधान में रविवार को नयापुरा स्थित लाड़पुरा पंचायत समिति कार्यालय में मेगा विधिक चेतना शिविर का आयोजन हुआ। इसमें चिकित्सा विभाग सीएमएचओ कार्यालय की ओर जागरूकता स्टाल लगाई गई। बेनर, पोस्टर, पेम्पलेट वितरण से स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में जागरूक किया। डॉ संतोष नागर, डीपीसी आयुष चित्तौड़ा, जिला आईईसी कॉर्डिनेटर सरफराज खान ने चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, नि:शुल्क दवा एवं जांच योजना, राजश्री, खाद्य सुरक्षा, मिशन इंद्रधनुष अभियान, कृमि मुक्ति दिवस, मौसमी बीमारियों से बचाव, एनसीडी कार्यक्रम आदि के बारे में जानकारी दी। इस दौरान एलए सरफराज आलम एवं एएनएम सुनीता गोचर ने शिविर में आए लोगों की मदुमेह जांच नि:शुल्क की।

### डॉ.सुरेश पाण्डेय को किया सम्मानित

**कोटा,** (निसं)। आई.एम.ए. राजस्थान कनवेन्शन 2023 का आयोजन एकेडमिक ऑडिटोरियम एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज जयपुर में रविवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सुरेश पाण्डेय, निदेशक सुवि नेत्र चिकित्सालय कोटा नेत्र चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान डॉ. सुरेश पाण्डेय को उनके द्वारा मेडिकल विद्यार्थियों के लिऐं अनेकों पुस्तकें लिखने एवं नेत्र चिकित्सा जगत में उल्लेखनीय कार्यों हेतु सौपा गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.सी.पी.जोशी स्पीकर राजस्थान असेम्बली और विशिष्ठ अतिथि डॉ. जितेन्द्र सिंह, डॉ.करण सिंह यादव थे। विधानसभा अध्यक्ष जोशी ने डॉ.पाण्डेय को सर्टीफिकेट सौपा। डॉ. सुरेश पाण्डेय ने राजस्थान स्पीकर सीपी जोशी को भी अपनी पुस्तक एक आई सर्जन की डायरी भेट की, सीपी जोशी ने डॉ.पांडेय की 300 से अधिक पृष्ठों की पुस्तक लिखने पर प्रशंसा की। कार्यक्रम में राजस्थान से कई चिकित्सक उपस्थित थे जिनमें आई.एम.ए.के पदाधिकारी डॉ. शारदा, डॉ.पी.सी. गर्ग, डॉ.सुनील चुघ भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर राजस्थान से कई डॉक्टरों को सम्मानित किया गया।

### चिकित्सा शिविर में 100 लोग हुए लाभान्वित

**कोटा,** (निसं)। भारत विकास परिषद की मां पन्नाधाय शाखा ने रविवार को रंगबाड़ी में निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। शाखा अध्यक्ष कविता शर्मा ने बताया कि शिविर में 100 लोग लाभान्वित हुए। शिविर में प्रात 10 से 02 बजे तक चला। वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ.राहुल गर्ग तथा नेत्र सहायक दीपेश शर्मा ने शिविर में अपनी सेवाएं दी। शिविर मे रंगबाडी क्षेत्र के महिला-पुरुष व बच्चे शामिल हुए। शिविर में 50 बच्चों को चश्मा व 2 महिलाओं को मोतियाबिंद ऑपरेशन की सलाह दी गई। शिविर में मुख्य अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष किशन पाठक रहे। उन्होंने नेत्र चिकित्सा शिविर में ऑपरेशन के लिए चयनित महिलाओं को भारत विकास परिषद से निशुल्क ऑपरेशन करवाने की बात कही। इस अवसर पर प्रांतीय सहसचिव जोली गोयल तथा प्रांतिय नेत्र चिकित्सा प्रभारी पीके शर्मा, समाजसेवी केपी गर्ग, चिकित्सा प्रभारी शकुंतला माहेश्वरी तथा रानू दाधीच, इंदिरा गर्ग अक्षय वैष्णव आदि लोक उपस्थित रहे। शाखा सचिव प्रीति भटनागर ने बताया कि ने बताया कि जरूरतमंद 50 विद्यार्थियों को निशुल्क चश्मे मां पन्नाधाय शाखा ने भेंट किऐं।

# जिला स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण व शहरी ओलंपिक का समापन

**बूंदी,** (निसं)। राज्य बजट घोषणा अन्तर्गत जिले में आयोजित हुई तीन दिवसीय राजीव गांधी ग्रामीण व शहरी ओलंपिक की जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं का समापन समारोह रविवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में सम्पन्न हुआ।

प्रतियोगिताओं के अंतिम दिन खिलाडियों का उत्साह अपने चरम पर था। इस दौरान आयोजित स्पर्धाओं में खिलाडियों ने अपने दमखम का जोरदार प्रदर्शन कर जीत हासिल की। समापन समारोह में उपखण्ड अधिकारी (आईएएस) सोहन लाल, जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र कुमार व्यास, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी ओपी गोस्वामी, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सतीश जोशी, महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक भैरू प्रकाश नागर, जगरूप रंधावा ने शिरकत की।समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए उपखण्ड अधिकारी सोहन लाल ने कहा कि राज्य सरकार की मंशानुरूप आयोजित किए गए राजीव गांधी ठाामीण व शहरी ओलंपिक खेलों के

जिला स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण व शहरी ओलंपिक-2023 कासमापन हुआ।

दौरान शहरी और ठाामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि खिलाडियों को राज्य सरकार द्वारा प्रतिभा प्रदर्शन के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने खिलाडियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए खेलों के क्षेत्रों में उंचा मुकाम हासिल करने की बधाई भी दी। जिला खेल अधिकारी वाईबी सिंह ने बताया कि तीन दिन आयोजित जिला स्तरीय स्पर्धाओं में बूंदी, के.पाटन, नैनवां, तालेड़ा एवं हिण्डोली ब्लॉकों एवं नगर निकायों कापरेन, इन्द्रगढ, लाखेरी, नैनवां, बूंदी एव के.पाटन (महिला/पुरूष) की टीमों के 1293 खिलाडियों ने लिया। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों ने कबड्डी (महिला/पुरुष), वालीबॉल (महिला/ पुरुष), टेनिस बॉल क्रिकेट (महिला/ पुरुष), फुटबॉल (महिला/पुरुष), शूटिंग बॉल (पुरुष), खो-खो (महिला), रस्साकशी (महिला), बास्केटबॉल (महिला/पुरुष) एवं एथलेटिक्स (महिला/पुरुष) 100 मी., 200 मी. एवं 400 मी. के खेलों अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन किया।

### स्टूडेंटों के चेहर पर मुस्कान बढ़ा रहा स्माइलिंग कोटा केम्पेन

**कोटा,** (निसं)। राज्य सरकार की गाईड लाईन की पालना में कोचिंग स्टूडेंटों को परिवार जैसा खुशनुमा माहौल देने के लिए चंबल हॉस्टल एसोसिएशन द्वारा स्माइलिंग कोटा केम्पेन का आगाज किया गया जिसके तहत बच्चें के चहरे पर मुस्कान बढ़ाने के लिए कई आयोजन किए जाने का निर्णय लिया गया है, जिसके तहत रविवार को संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन सम्यक चौराहा लैंडमार्क सिटी में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अशोक माहेश्वरी, दीपक राजवंशी, वरुण चौधरी रहे। पूर्व अध्यक्ष विश्वनाथ शर्मा, सचिव अशोक लड्ढा ने बताया कि पंडित वेणी प्रसाद गौतम, कुमार गौरव विकास द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का का आयोजन रविवार को किया गया जिसमें सैकडों बच्चे भगवान की भक्ति में लीन नजर आए।

# कार्यकर्ताओं को चुनावी टिप्स दिए

**कोटा,** (निसं)। सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म कोटा की मीटिंग का आयोजन प्रदेश कांग्रेस कमेटी आईटी सेल सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म की मीटिंग कांग्रेस कार्यालय गुमानपुरा में जिला अध्यक्ष राजकुमार बोयत के नेतृत्व में आयोजित की गई जिसमें आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सोशल मीडिया के माध्यम से मजबूत करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत में नवनियुक्त प्रदेश महासचिव अभिन्न शर्मा, प्रिंस बाबा एवं प्रदेश सचिव नितेश खंडेलवाल का फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव अभिन्न शर्मा ने सोशल मीडिया के माध्यम से राजस्थान सरकार की जन-उपयोगी योजनाओं को प्रदेश के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाने का आव्हान किया वह ज्यादा से ज्यादा लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने के पर जोर दिया प्रदेश महासचिव प्रिंस बाबा ने भारतीय जनता पार्टी के झूठ का पर्दाफाश करने व जनता को सच दिखाने के लिए सोशल मीडिया पर सभी साथियों को एक्टिव रहने की अपील कि वह सभी साथियों को ज्यादा से ज्यादा सोशल मीडिया के माध्यम से कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में मजबूत करने के लिए आव्हान किया। प्रदेश सचिव नितेश खंडेलवाल ने सभी साथियों को मीडिया पर एकजुट होकर विपक्ष के खिलाफ आवाज उठाने एवं जवाब देने और सोशल मीडिया को मजबूत करने पर जोड़ दिया वह साथ ही जमीन से जुड़े बूथ लेवल के कार्यकर्ता से लेकर प्रदेश स्तर तक सोशल मीडिया टीम को मजबूत बनाने विशेष जो दिया। जिलाध्यक्ष राजकुमार बोयत ने कार्यक्रम उपस्थित पदाधिकारियों को कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया के माध्यम से आने वाले समय में अधिक से अधिक कांग्रेस के पक्ष में प्रचार एवं सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के जोर दिया वह कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम मुख्य रूप से पार्षद सलीना शैरी ने कांग्रेस आईटी सैल के एक्टिविस्टों सोशल मीडिया से जुड़े कार्यकर्ताओं को चुनावी टिप्स दिऐं मीडिया एवं कम्युनिकेशन कमेटी में सभी जिला कांग्रेस कमेटी के मीडिया से जुड़े पदाधिकारी आईटी सेल से जुड़े पदाधिकारी एवं जिला-वक्ताओं को भाजपा के मुकाबले पार्टी का मजबूत पक्ष रखने के लिए प्रशिक्षित किया गया। इस बैठक में गगन मेवाड़ा, हिमांशु जैन, तन्मय सोरल, विजय मीणा, पंकज यादव, रेहाना खान, शिवराज गोचर, गोलू तिवारी, कृष्ण सिगोर राजेश वर्मा , महेश रेगर आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# पराक्रम कार्यकर्ता सम्मेलन कल

**कोटा,** (निसं)। भारतीय जनता पार्टी का पराक्रम सम्मेलन 5 सितम्बर को सेठ भामाशाह कृषि उपज मण्डी के प्रांगण में आयोजित होगा जिसमें पूर्व विधायक भवानी सिंह राजावत की अगुवाई में हजारों भाजपा कार्यकर्ता सम्मिलित होंगे।

सम्मेलन की व्यवस्थाओं को लेकर आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए राजावत ने कहा कि राजस्थान के हालात भयावह होते जा रहे हैं मणिपुर की तरह कल प्रतापगढ़ में एक महिला को निर्वस्त्र कर घुमाया गया, भीलवाड़ा में एक मासूम बालिका की गैंगरेप के बाद हत्या कर शव को भट्टी में झौंक दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इतने बौखला गए हैं कि परसों न्यायपालिका पर आरोप लगाने लगे कि वकील जो लिख देते हैं वहीं जज फैसला दे देते हैं, वास्तविकता में हालात यह है कि उनके राज में पूरा राजस्थान जल रहा है और वे मुफ्त की रेवड़ियां बांटकर वोट हासिल करना चाहते हैं लेकिन आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो जायेगा और भाजपा प्रचण्ड बहुमत से सत्ता सम्भालेगी। कार्यकर्ता सम्मेलन में डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के आने की प्रबल सम्भावना है, वहीं प्रमुख

कोटा में पूर्व विधायक भवानी सिंह राजावत ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

संत महात्मा भी कार्यक्रम में मंचासीन होकर राजावत को आशीष प्रदान करेंगे।

कार्यक्रम को लेकर लाड़पुरा के कार्यकर्ताओं में अत्यधिक उत्साह और उमंग है और कार्यक्रम के लिए लगाया गया 20 हजार की क्षमता का पाण्डाल छोटा पड़ेगा, इससे अधिक संख्या में कार्यकर्ता उमड़ेंगे, इस हेतु प्रमुख कार्यकर्ताओं को व्यवस्था संबंधी जिम्मेदारिया दे दी गई हैं। तैयारी सभा को मण्डल अध्यक्ष हुकमचन्द शर्मा, नेमीचंद नागर, राजकुमार नन्दवाना, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह चौहान, जिला महामंत्री जयराज सिंह, सरपंच संजीत गुर्जर, पंचायत समिति सदस्य सोनू नागर, पूर्व सरपंच बीरम यादव, सत्यनारायण ढोली, सत्यनारायण नागर, पूर्व भामाशाह मण्डी डायरेक्टर गोपेश मालव, कोटा स्टोन एसोसियेशन के अध्यक्ष सुरेश मित्तल, एससी मोर्चा के पंकज घेंघट, पूर्व पार्षद भगवान गौतम, मधुकंवर हाड़ा, पूर्व जिला मंत्री रघुराज सिंह जादौन, अभिषेक मीणा आदि ने भी सम्बोधित किया। सभा का संचालन पूर्व जिला उपाध्यक्ष जगदीश हाड़ा ने किया।

## सार-समाचार

### आर्य समाज ने किया शिक्षकों का सम्मान

**कोटा,** (निसं)। आर्य समाज रावतभाटा में रविवार को आर्य उप प्रतिनिधि सभा कोटा संभाग के द्वारा शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आर्य उप प्रतिनिधि सभा के प्रधान अर्जुन देव चड्ढा ने सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को शॉल ओढ़ाकर स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्रक, मोतियों की माला से वेद मंत्रों के साथ मंगल कामना करते हुए सम्मानित किया। अर्जुन देव चड्ढा ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक राष्ट्र का निर्माता होता है। वही एक शिक्षक डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, कलक्टर, नेता, शिक्षक आदि सब तैयार करता है, जिससे सभ्य समाज का निर्माण होता है। शिक्षक की शिक्षा से ही राष्ट्र में समृद्धि, अनुशासन, संस्कार, शांति, प्रेम देशभक्ति, सद्भावना, सहयोग, दया, करुणा जैसे मानवीय गुणों का विकास होता है। वह बच्चों को उसी प्रकार तैयार करता है जैसे कुम्हार गीली मिट्टी से कयी तरह के बरतन गढ़ता है। जीवन का निर्माण शिक्षक के हाथों में होता है। मुख्य अतिथि अर्जुन देव चड्ढा ने निम्न शिक्षक-शिक्षिकाओं को शॉल ओढ़ाकर मोतियों की माला पहनाकर, प्रमाण पत्र देकर, साफा व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया-शीला देवी, हेमंत गर्ग, जगदीश प्रसाद चौधरी, विनोद कुमार त्यागी, ओम प्रकाश आर्य, उपमा त्यागी, जी पी शर्मा, जितेन्द्र कुमार जांगिड, बजरंग लाल सुथार, भगवत किशोर, सुमन गुप्ता, विनोद सिंह कुशवाहा। कार्यक्रम के संयोजक एवं मंत्री ओम प्रकाश आर्य ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि बच्चों का भविष्य शिक्षक ही संवारता है। वह राष्ट्र का निर्माण करता है। आर्य समाज रावतभाटा के प्रधान विनोद कुमार त्यागी ने धन्यवाद ज्ञापित किया और मुख्य अतिथि चड्ढा को शाल ओढाकर माल्यार्पण कर स्वागत किया। आर्य उप प्रतिनिधि सभा के वरिष्ठ मंत्री एडवोकेट चंद्रमोहन कुशवाहा, आर्य पुरोहित श्योराज वशिष्ठ उपस्थित रहे। इस अवसर पर राजस्थान आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री जीववर्धन शास्त्री ने अपने संदेश में कहा कि शिक्षक राष्ट्र का निर्माण करता है।

### सम्मान समारोह आयोजित

**कोटा,** (निसं)। गीता परिवार द्वारा संपूर्ण देश में आयोजित 75 करोड़ सूर्य नमस्कार एवं योग सोपान कार्यक्रम में कोटा के भी अनेक विद्यालयों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिसका समापन एवं सम्मान समारोह रविवार को रिलायबल इंस्टीट्यूट के ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। कोटा जेल अधीक्षक परमजीत सिंह सिद्धू कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश-वंदना से हुआ जिसमें बरखा जोशी की टीम ने शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति दी। गीता परिवार कोटा की अध्यक्ष नीना मरचूनिया ने अतिथियों का स्वागत किया गया। जबकि गीता परिवार के संरक्षक दामोदर मारू ने संस्था का परिचय एवं वर्तमान में चल रही गतिविधियों की जानकारी दी। डीडीपीएस के बच्चों द्वारा गीता के 12वें अध्याय का सस्वर पठन किया गया। बाल शिविर के बालकों द्वारा ओजस्वी देशभक्ति गीत की प्रस्तुति भी दी गई। संस्था सचिव मनीषा गांधी ने योग प्रकल्प के बारे में बताया। इस मौके पर विभिन्न स्कूलों से आए बच्चों द्वारा योगासनों की मनोहारी प्रस्तुति दी गई। संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं एलन के निदेशक डॉ. गोविंद माहेश्वरी ने गीता परिवार एवं विद्यालयों के सामंजस्य से संस्कार कार्य को कैसे आगे बढ़ाया जाऐं, इस पर अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि कोटा जेल अधीक्षक परमजीत सिंह सिद्धू ने गीता परिवार की विभिन्न गतिविधियों की सराहना करते हुए हाल ही में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य निर्मला मारू द्वारा जेल में कैदियों के लिए आयोजित गीता कक्षा की चर्चा की और भविष्य में भी कैदियों के लिए ऐसे किसी भी कार्य के लिऐं जेल प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। विभिन्न विद्यालयों से आये प्रधानाचार्य एवं योग प्रशिक्षकों को मुख्य अतिथि द्वारा शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। संस्था के पूर्व अध्यक्ष अरूण तुलसियान ने सभी का आभार प्रगट किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ से किया गया।

### बकाया राशि दिलाने के लिए सौंपा ज्ञापन

**कोटा,** (निसं)। संजयगांधी नगर में हनुमानजी के मंदिर में लोकसभा अध्यक्ष एवं कोटा के सांसद ओम बिरला से जे.के. उद्योग समूह के छंटनी और तालाबंदी से पीड़ित जे.के. श्रमिकों का एक प्रतिनिधिमंडल मिला एवं उन्हें एक ज्ञापन सौंप कर, सर्वोच्च न्यायालय के आदेश द्वारा मिल रहे 1/3 वेतन को रोक दिए जाने एवं श्रमिकों की न्यायोचित बकाया राशि का प्रबंधकों द्वारा गैर-कानूनी तरीके से भुगतान न किये जाने के विरुद्ध सरकार द्वारा कार्यवाही किये जाने की मांग की। जे.के.सिंथेटिक्स एम्प्लाइज युनियन (ए.आई.सी.टी.यू.) के प्रतिनिधिमंडल में शामिल श्रमिक प्रतिनिधियों देवराज सिंह, मोहन गोचर, सत्यनारायण बैरागी, भानाराम, गोपाल मालव आदि ने विगत दिनों भारत के सर्वोच्च न्यालय के एक महत्वपूर्ण फैसले की प्रति सांसद बिरला को सौंपते हुए निवेदन किया कि सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीशों ने अपने फैसले में श्रमिक संगठनों को सलाह दी है कि वे अपनी बकाया राशि का भुगतान कराने के लिए विभिन्न न्यायालयों के साथ साथ सरकारों से भी पीड़ित श्रमिकों के पक्ष में हस्तक्षेप और सहयोग करने के लिए मिलें तथा अपनी समस्याओं से अवगत कराएँ। सांसद बिरला ने श्रमिकों के साथ सहानुभूति व्यक्त करते हुए उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

### राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय की बैठक

**कोटा,** (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर राजस्थान के समस्त जिलों में 31 अगस्त 2023 को सदस्यता अभियान के समाप्ति उपरांत जिला बैठक रखना तय किया था। इसी क्रम में कोटा जिले में भी जिला संयोजक नवल किशोर शर्मा की अध्यक्षता में जिला बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कोटा जिले के निर्वाचन अधिकारी संपत सिंह रहे। निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी उपशाखा की खाली भरी सदस्यता पंजीकाए एवं पांच प्रति में सूचियां तथा बैंक ड्राफ्ट प्राप्त किए गऐं। बैठक को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा कहा गया कि संपूर्ण जिले में सभी उप शाखों के निर्वाचन निष्पक्ष रूप से संपन्न होगे। साथ ही संगठन के निर्वाचन कार्यक्रम पर विस्तार से प्रकाश डाला और संगठन के रीति- निति से अवगत कराया। संबोधन में संभाग संगठन मंत्री दिनेश कुमार स्वर्णकार द्वारा संगठन के कार्यशैली से अवगत कराया एवं संभाग संगठन मंत्री महिला गिरिजा सुमन द्वारा आगामी 10 सितंबर 2023 को होने वाली महिला समूह की बैठक तिरुपति बालाजी मोजी बाबा की गुफा के पास पर विस्तृत प्रकाश डाला। साथ ही विभाग संगठन मंत्री रास बिहारी यादव द्वारा आगामी माह में होने वाले जिला शैक्षिक अधिवेशन की तैयारी पर विस्तृत चर्चा की गई।

# पौधारोपण कर आमजन को दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

**रामगंजमंडी**(निसं)।राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन तथा तालुका विधिक सेवा समिति रामगंजमंडी के तत्वाधान में रविवार 03 सितम्बर को पंचायत समिति खैराबाद परिसर में अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश मुकेश आर्य द्वारा नालसा मोड्यूल मेगा विधिक चेतना एवं लोक कल्याणकारी शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सुमन मीणा अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट

- **नालसा मोड्यूल मेगा विधिक चेतना एवं लोक कल्याणकारी शिविर का हुआ आयोजन**

पौधारोपण कर आमजन को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

रामगंजमंडी भानु श्रंगी सुश्री जीनत अमान अधिवक्ता धीरज गुप्ता चंदन गुप्ता अधिवक्तागण एवं पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे।शिविर में आर्य द्वारा रामगंजमंडी क्षेत्र के उपस्थित पुलिस अधिकारीगण को अरनेश कुमार बनाम बिहार राज्य में प्रतिपादित सिद्धांत के संबंध में विस्तृत जानकारी दी एवं बताया कि 7 वर्ष तक के सजा के मामलों में गिरफ्तारी आवश्यक नहीं है। साथ ही उनके द्वारा आगामी 9 सितंबर को आने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में भी जानकारी दी गई। इसके बाद उक्त शिविर के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे पीएम आवास योजना विधवा पेंशन योजना सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थियों को पेंशन/आवास स्वीकृति पत्र दिए गए।कोमल पुत्री वकील एवं हगामी पत्नी रामलाल निवासीगण काल्याखेडी को व्हीलचेयर वितरित की गई।

### चाचा ने भतीजे के साथ अनजान के लिए डोनेट की एसडीपी

**कोटा,** (निसं)। टीम जीवनदाता द्वारा लगातार एसडीपी उपलब्ध कराई जा रही है और डेंगू मरीजों को परेशानी से बचाया जा रहा है। शहर में बन रहे माहौल को देखकर अब आमजन परिवार सहित भी मदद के कारवा को आगे बढ़ा रहे है। लायंस क्लब के ब्लड डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन व टीम जीवनदाता के संयोजक व संरक्षक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि अस्पताल में भर्ती मरीज विनय गुप्ता (तुलसा वाले) की प्लेटलेट्स काउंट 15 हजार के करीब रह गई थी, ऐसे में चिकित्सकों ने कंडीशन को सीरियस बताते हुए एसडीपी डोनेशन के लिऐं कहा। उसके बाद प्रयास किया तो पहले से ही शहर में एसडीपी डोनेशन को लेकर समस्याएं आ रही है, अटेंडर हेमेंद्र गुप्ता और जनार्दन गुप्ता ने टीम जीवनदाता के भुवनेश गुप्ता से संपर्क किया। ऐसे में टीम जीवन दाता के सदस्य वर्धमान जैन ने तलवंडी अपना ब्लड बैंक पहुंचकर एसडीपी डोनेट की। उसी समय ब्लड बैंक में भारत विकास परिषद में भर्ती रविंद्र मालव रोगी के तीमारदार आए और बी पॉजिटिव एसडीपी के लिए अनुरोध किया।

# स्वायत शासन मंत्री शांति धारीवाल ने की जनसुनवाई

कोटा में यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने अपने निवास पर जनसुनवाई की।

**कोटा,** (निसं)। नगरीय विकास एवं स्वायत शासन मंत्री शांति धारीवाल ने कोटा प्रवास के दौरान रविवार को सिविल लाईन आवास पर जनसुनवाई की। जनसुनवाई में पहुंचे लोगों से उन्होंने बारी-बारी से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को भी सुनकर समाधान के लिए आश्वस्त किया वहीं जनसुनवाई के दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी मंत्री धारीवाल का स्वागत कर उनसे मुलाकात की। जनसुनवाई के बाद यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने नगर विकास न्यास के अधिकारियों के साथ बैठक कर चंबल रिवर फ्रंट ऑक्सीज़ोन के प्रस्तावित भव्य उद्घाटन समारोह की तैयारी को लेकर समीक्षा की और विशेष निर्देश दिए बैठक के दौरान न्यास ओएसडीआरडी मीणा सचिव राज्य जोशी, मुख्य अभियंता ओपी वर्मा सहित न्यास अधिकारी उपस्थित रहे।

# फर्जी भ्रूण लिंग परीक्षण कर अवैध गर्भपात करने वाले गिरोह को पकड़ा

## धोखाधड़ी के आरोप में एक फर्जी चिकित्सक एवं दो दलाल गिरफ्तार

**सीकर/जयपुर,** (निसं)। राज्य पीसीपीएनडीटी प्रकोष्ठ ने एक बड़ी डिकॉय कार्रवाई कर भ्रूण लिंग जांच के नाम पर धोखाधड़ी करते हुए तीन आरोपी सुभाष चंद्र पुत्र नवलाराम निवासी चंद्रपुर सांवली सीकर, रामनिवास पुत्र रामेश्वर लाल निवासी मुंडवाड़ा सीकर व रामेश्वर लाल पुत्र नारायण राम ग्राम सांवली सीकर को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह गर्भ में बच्चों के दिल की धड़कन जांचने के काम में आने वाली फीटल डॉपलर मशीन से फर्जी अवैध भ्रूण लिंग जांच कर रहा था। कार्यवाही में भ्रूण लिंग जांच के नाम पर ली गई राशि के हुबहू नोट भी बरामद भी किए हैं।

भ्रूण लिंग परीक्षण के नाम पर धोखाधड़ी के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- यह गिरोह गर्भ में बच्चों के दिल की धड़कन जांचने के काम में आने वाली फीटल डॉपलर मशीन से फर्जी अवैध भ्रूण लिंग जांच कर रहा था
- कार्यवाही में भ्रूण लिंग जांच के नाम पर ली गई राशि के हुबहू नोट भी बरामद भी किए

उल्लेखनीय है कि आरोपी राम निवास नागौर में एक निजी राजीव पैथ लैब का संचालक है, जो कि फर्जी चिकित्सक बन फिटल डॉपलर मशीन से फर्जी जांच की। अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शुभ्रा सिंह ने इस डिकॉय कार्यवाही के लिए पीबीआई टीम को प्रेरणा स्वरूप बधाई दी है। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार की मंशा अनुरूप बेटियों को बचाने के लिए लागातार डिकॉय कर भ्रूण जांच लिए प्रेरित किया। उन्होंने कम लिंगानुपात वाले जिलों, ब्लॉक में अपनी नियमित विशेष निगरानी बनाने के भी निर्देश दिए हैं।

अध्यक्ष राज्य समुचित प्राधिकारी पीसीपीएनडीटी एवं मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने बताया कि मुखबिर के माध्यम से सीकर शहर व उसके आसपास के इलाकों में एक अज्ञात गिरोह द्वारा गर्भवती महिलाओं की भ्रूण लिंग जांच किए जाने की सूचना प्राप्त हो रही थी। उन्होंने बताया कि सूचना की पुष्टि के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीसीपीएनडीटी सतवीर सिंह के नेतृत्व में एक डिकॉय दल का गठन किया गया।

डॉ. सोनी ने बताया कि एक दलाल सुभाष चंद व रामेश्वर लाल ने डिकॉय गर्भवती महिला एवं सहयोगी से बातचीत कर 70000 में भ्रूण लिंग जांच करवाने की बात कही। इसके बाद दलाल सुभाष चंद ने डिकॉय गर्भवती महिला व सहयोगी को एसके कॉलेज के पास बुलाया। वहां से दलाल रामेश्वर लाल व रामनिवास अपनी गाड़ी में डिकॉय गर्भवती महिला व सहयोगी को खूड लोसल रोड पर लेकर गये। चलती गाड़ी में फर्जी चिकित्सक बन रामनिवास ने फिटल डॉपलर मशीन से फर्जी सोनोग्राफी कर डिकॉय गर्भवती महिला को मनगढ़ंत भ्रूण लिंग की जानकारी दी। दलालों से 70000 के हुबहू नोट बरामद कर लिए हैं। दलाल सुभाष चंद्र से 17 हजार रामेश्वर लाल 25हजार व और रामनिवास से 28 हजार रुपए बरामद किए गए है। राम निवास ने यह भी कहा कि आप गर्भपात करवाना चाहते हो तो मेरे हॉस्पिटल में करवा दूंगा जिसकी अलग से फीस लगेगी जो दस हजार लूंगा। इस डिकॉय कार्यवाही में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ निर्मल सिंह, पुलिस निरीक्षक सतपाल यादव, हेड कॉन्स्टेबल चंद्रभान, कैलाश चंद, कॉन्स्टेबल मुकेश, कांस्टेबल सानू, पीसीपीएनडीटी समन्वयक सीकर नंदलाल पूनिया, झुंझुनू से संजीव महला, दिनेश कुमार, सुरेंद्र शामिल थे।

# छात्रा ने घर पर आत्महत्या की

## छात्रा ने आत्महत्या करने से पहले छोटी बहन को खेलने के लिए बाहर भेज दिया था

**कोटा,** (निसं)। उद्योगनगर थाना क्षेत्र में 10वीं में पढ़ने वाली नाबालिग छात्रा ने घर पर ही आत्महत्या कर ली।

मृतक छात्रा कुमकुम नायक (16) के पिता भैरूलाल ने बताया कि वह पेंटर का काम करता है। शनिवार सुबह वह काम पर चला गया। पत्नी भी बोरखेड़ा में काम पर चली गई। घर में पीछे बड़ी बेटी कुमकुम व छोटी बेटी ही थी। पत्नी दोपहर घर आई तो आत्महत्या की घटना का पता चला। कुमकुम ने आत्महत्या करने से पहले छोटी बहन को खेलने के लिए बाहर भेज दिया था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम रूम में रखवाया। रात 8 बजे पिता घर पहुंचा तो घटना का पता चला। भैरूलाल ने बताया मेरा फोन खराब पड़ा था। पत्नी को यह पता नहीं था कि कौनसी जगह पर साइड पर काम पर गया हूं।

- आत्महत्या से पहले सुसाइड नोट भी लिखा है जिसमें अपने आपको परिवार पर बोझ बताया

ऐसे में दिनभर काम खत्म करके रात 8 बजे घर पहुंचा तो घटना का पता चला। उन्होंने बताया कि ऐसी कोई बात नहीं थी जो बेटी को आत्महत्या करनी पड़ती। सुसाइड नोट मिला बताया कि लेकिन उसमें क्या लिखा है हमें कुछ पता नहीं। सुसाइड नोट पुलिस के पास है। थानाधिकारी मनोज सिकरवार ने बताया कि सुसाइड नोट भी मिला है। आत्महत्या से पहले मृतका ने सुसाइड नोट भी लिखा है जिसमें अपने आप को परिवार पर बोझ बताया। उन्होंने बताया कि परिजनों के लिखित में देने के बाद बिना पोस्टमार्टम के शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# साढ़े चार साल के कांग्रेस शासन में प्रदेश अराजकता में घिरा : चतुर्वेदी

**गंगापुर सिटी।** भारतीय जनता पार्टी द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस सरकार के कुशासन भ्रष्टाचार एवं बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ परिवर्तन लाने हेतु निकल जाने वाली बीजेपी राजस्थान परिवर्तन संकल्प यात्रा के अंतर्गत गंगापुर जिले के जयपुर बाईपास से होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।

परिवर्तन संकल्प यात्रा के प्रत्येक संयोजक अरुण चतुर्वेदी, प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र गोठवाल, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष नारायण मीणा, भाजपा जिला अध्यक्ष सुशील दीक्षित, टोक सवाई माधोपुर सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया, सांसद मनोज उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता में अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि चार चरणों में संपूर्ण राजस्थान में उक्त परिवर्तन संकल्प यात्रा का कार्यक्रम रहेगा जिसके अंतर्गत संपूर्ण राजस्थान में 1847 किलोमीटर का मार्ग तय करने के पश्चात 19 दिन में प्रदेश राजस्थान में इसका समापन किया जाएगा।

- गंगापुर के होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया

इस अवसर पर प्रदेश संयोजक चतुर्वेदी द्वारा आरसीपी के अंतर्गत कांग्रेस सरकार की नीतियों को गलत करार देते हुए भाजपा द्वारा आगामी समय में 13 जिलों को पानी देने के लिए योजना को प्राथमिकता से पूरी किए जाने का आश्वासन दिया। भाजपा विधानसभा मीडिया प्रमुख धनेश शर्मा ने बताया कि उक्त प्रेस कांफ्रेंस के दौरान यात्रा प्रदेश संयोजक अरुण चतुर्वेदी, प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र गोठवाल, सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया, भाजपा जिला अध्यक्ष सुशील दीक्षित, पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर, सभापति शिवरतन अग्रवाल, प्रधान मंजू गुर्जर सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# रामदेवरा से परिवर्तन यात्रा को राजनाथ सिंह करेंगे रवाना

## परिवर्तन यात्रा 18 दिन में 51 विधानसभा क्षेत्र को कवर करेगी व 2574 किमी की दूरी तय करेगी

**जोधपुर,** (कासं)। भारतीय जनता पार्टी की ओर से परिवर्तन यात्रा को सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रामदेवरा से रवाना करेंगे। भारतीय जनता पार्टी की ओर से पूरे प्रदेश में निकाली जा रही परिवर्तन यात्रा का तीसरा चरण रामदेवरा से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रवाना करेंगे।

इस सभा स्थल के लिए अधिक से अधिक भीड़ जुटाने के लिए भाजपा ने चुनाव लड़ने के इच्छुक दावेदारों को टारगेट बांट दिए हैं। जिस भी दावेदार को चुनाव लड़ना है वे अपने क्षेत्र से बस-गाड़ियों की व्यवस्था करेंगे और साथ में भीड़ भी जुटाएंगे।

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय मंत्री और राजस्थान सह प्रभारी अमृता राहटकर और जोधपुर संभाग प्रभारी जगबीर छाबा ने इसके लिए अलग-अलग जिलों में जाकर चुनाव लड़ने की इच्छा रखने वालों की बैठक ली है। साथ ही इन दावेदारों को भीड़ जुटाने और बसों व गाड़ियों की व्यवस्था करने के टारगेट भी दिए गए हैं। उधर रामदेवरा में आयोजन स्थल पर इस परिवर्तन यात्रा के प्रभारी राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत के साथ कोर टीम के लोगों ने तैयारियां शुरू कर दी है। भाजपा के कई बड़े नेता पिछले चार दिन से रामदेवरा में ही डेरा डाले हुए हैं। 50 हजार से भी ज्यादा की भीड़ जुटाने का टारगेट अलग-अलग जिलों को दिया गया है।

- अधिक से अधिक भीड़ जुटाने के लिए भाजपा ने चुनाव लड़ने के इच्छुक दावेदारों को टारगेट दिए

इस यात्रा के संभागीय प्रचार प्रसार प्रमुख नथमल पालीवाल ने बताया कि रामदेवरा से रवाना होने वाली यह परिवर्तन यात्रा 18 दिन में 51 विधानसभा क्षेत्र को कवर करेगी। यह यात्रा 2574 किमी की दूरी तय करेगी। पिछली बार की तरह इस बार परिवर्तन यात्रा का कोई एक चेहरा नहीं रखा गया है। ऐसा माना जा रहा है कि अलग-अलग क्षेत्र के बड़े नेता अपने-अपने क्षेत्र में इस परिवर्तन यात्रा का नेतृत्व करेंगे।

रामदेवरा से रवाना होकर जैसलमेर बाड़मेर होते हुए 18 दिन बाद इस यात्रा का समापन जोधपुर शहर में होगा। इसके बाद चारों परिवर्तन यात्राओं का एक संगम जयपुर में किया जाएगा जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने की भी संभावना है।

# शिक्षा विभाग ने टीचर्स अवार्ड की लिस्ट जारी की

## स्टेट लेवल पर 144, ब्लॉक व जिला स्तर पर 300 का होगा सम्मान

**बीकानेर,** (कासं)। पांच सितम्बर को शिक्षक दिवस पर राज्य के 144 टीचर्स को स्टेट लेवल पर अवार्ड दिया जाएगा। इस दौरान अवार्डी टीचर को 21 हजार रुपए नगद दिए जाएंगे। शिक्षा विभाग ने तो पुराने 33 जिलों से ही अवार्ड तय किए थे लेकिन अब रिजल्ट घोषित करते हुए 50 जिलों में टीचर्स अवार्ड दिए जा रहे हैं। इसका परिणाम शनिवार को माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने जारी कर दिया। वैसे ब्लॉक और जिला स्तर पर भी करीब त 300 टीचर्स को अवार्ड दिया जाएगा। ऐसे में राज्यभर में करीब 450 टीचर्स सम्मानित होंगे।

- पांच सितम्बर को राज्य के टीचर्स को स्टेट लेवल पर अवार्ड दिया जाएगा
- राज्य स्तर पर प्रत्येक अवार्डी टीचर को 21 हजार रुपए दिए जाएंगे। जिला स्तर पर 11 हजार रुपए और ब्लॉक स्तर पर 51 सौ रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा

निदेशालय ने 8 अगस्त को एक आदेश जारी के राज्यभर के टीचर्स से अवार्ड के लिए आवेदन मांगे थे। इस दौरान हर जिले से एक टीचर को अवार्ड दिया जाना तय था लेकिन जिलों की संख्या 33 ही गिनी गई। अब राज्य में जिलों की संख्या 50 हो चुकी है। ऐसे में बाद में इसे बढ़ा दिया गया। आवेदन करने वाले टीचर्स की रिपोर्ट्स के आधार पर शनिवार को परिणाम जारी किया गया। टीचर्स को क्लास एक से पांच, क्लास छह से आठ और क्लास नौ से बारह के अलग-अलग कैटेगरी में रखते हुए आवेदन मांगे गए थे। हर टीचर को ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर अवार्ड दिया जा रहा है। विभाग ने जारी लिस्ट में कक्षा एक से पांच तक के 49, कक्षा छह से आठ तक के 45 और कक्षा नौ से बारह तक के 50 टीचर्स की लिस्ट जारी की है।

टीचर्स को जयपुर में बिड़ला सभागार में सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री गहलोत और शिक्षा मंत्री इस समारोह में टीचर्स को सम्मानित कर सकते हैं। राज्य स्तर पर प्रत्येक अवार्डी टीचर को 21 हजार रुपए दिए जाएंगे। वहीं जिला स्तर पर 11 हजार रुपए और ब्लॉक स्तर पर 51 सौ रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा।

# वसुंधरा राजे की यात्रा सिर्फ देव दर्शन तक सीमित : रहाटकर

**जैसलमेर,** (नि.सं.)। रामदेवरा में भाजपा के दिग्गजों का होगा जमावड़ा वर्तमान गहलोत सरकार को निक्कमी सरकार का दर्जा देने का जी तोड़ प्रयास कर आगामी विधानसभा में अपना मुख्यमंत्री बनाने में लगे भाजपा के नेताओं में राष्ट्रीय मंत्री राजस्थान प्रदेश सह प्रभारी विजया रहाटकर ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा शीघ्र अपने उम्मीदवारों की घोषणा करेगी।

वसुंधरा राजे द्वारा अपनी यात्रा अलग से निकालने के सवाल पर उन्होंने कहा कि वसुंधरा राजे की यात्रा सिर्फ देव दर्शन तक सीमित है। भाजपा में कोई गुट बाजी नहीं है। प्रेस वार्ता में प्रदेश महामंत्री जगवीर छाबा, वरिष्ठ नेता विक्रम सिंह नाचना, नगर अध्यक्ष अरुण शर्मा, हिम्मत चौधरी भी उपस्थित रहे। पत्रकार वार्ता में आज रामदेवरा से आरंभ होने वाली परिवर्तन संकल्प यात्रा एवं केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथसिंह, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी के रामदेवरा जैसलमेर आने के कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।

- राष्ट्रीय मंत्री राजस्थान प्रदेश सह प्रभारी विजया रहाटकर ने पत्रकार वार्ता की
- 'भाजपा शीघ्र अपने उम्मीदवारों की घोषणा करेगी'

परिवर्तन संकल्प यात्रा आज सांय जैसलमेर शहर पहुंचेगी तथा हनुमान चौराहा पर जनसभा का आयोजन होगा। जनसभा को केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत, केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी, भाजपा नेता पवनकुमारसिंह, विक्रमसिंह नाचना, आईदानसिंह भाटी, छुगसिंह, पूर्व विधायक सांगसिंह, छोटूसिंह, जितेंद्रसिंह भाटी, जिला अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश सारदा संबोधित करेंगे।

राष्ट्रीय मंत्री राजस्थान प्रदेश सह प्रभारी विजया रहाटकर ने पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।

## संत के हत्यारों पर 25 हजार का इनाम घोषित

**मालपुरा,** (निसं)। धर्म नगरी डिग्गी में मंगलवार की रात्रि को भूरिया महादेव बगीची में 93 वर्षीय संत सियाराम बाबा की हुई निर्मम हत्या मामले में लिप्त दोषियों की सूचना पुलिस व प्रशासन को देने पर पुलिस ने 25 हजार का इनाम घोषित किया है।

डिग्गी थानाधिकारी अय्यूब खान ने बताया कि बाबा की निर्मम हत्या मामले के खुलासे को लेकर सभी पहलुओं पर बारीकी से जांच की जा रही है। कई लोगों को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया गया है। जिनसे मामले को लेकर पूछताछ की जा रही है। घटनाक्रम में लिप्त आरोपियों की तथ्यात्मक सूचना देने वालों को 25 हजार रूपये दिये जाने की भी घोषणा की गई है।

राजपूत समाज की रविवार को हुई बैठक में राजपूत सरदारों ने विधानसभा चुनावों में राजपूत समाज की भूमिका को लेकर मुद्दा रखा गया। साथ ही राजपूत समाज की एकजुटता के लिए बिना भेदभाव एक जाजम पर बैठ समाज की एकता का संदेश राजनैतिक पार्टीयों तक पहुंचाने के लिए चर्चा की गई। बैठक के दौरान दो मिनट का मौन रख सियाराम बाबा को श्रद्धांजलि दी गई। सम्पूर्ण घटनाक्रम पर डीवाईएसपी सुशील मान मॉनीटरिंग कर बीटीएस टीम से मोबाईल लॉकेशन के साक्ष्य जुटाये जा रहे हैं।

# दिनदहाड़े घर में घुसकर नकाबपोश बदमाशों ने फायरिंग की, तीन घायल

## घायल युवक ने बताया कि करीब 15 लोग नकाब पहनकर आये थे

**हनुमानगढ़,** (निसं)। घर में घुसकर फायरिंग करने का मामला सामने आया है। दिनदहाड़े सूरतगढ़ रोड स्थित एचके टावर में हुई फायरिंग में तीन युवक घायल हो गए। घायलों का फिलहाल जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है। एसपी सुधीर चौधरी के निर्देश में जिलेभर में श्रेणी की नाकेबंदी की गई है। सभी वाहनों की जांच की जा रही है। हमलावरों को पकड़ने के लिए सीटी पुलिस थाने सहित डीएसटी की टीम भी गठित की गई है जो हमलावरों को पकड़ने के प्रयास में जुटी हुई है। घायल युवक ने बताया कि हमलावरों ने मुंह ढक रखे थे और उनके पास पिस्टल, डंडे, तलवार और लाठियां थी।

- घायलों का फिलहाल जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है
- पुलिस हमलावरों के आने-जाने के रास्तों के सीसीटीवी खंगाल रही है
- छात्र फ्लेट में रहकर कॉलेज की पढ़ाई करते हैं, हमले के कारणों का पता लगाया जा रहा है

जंक्शन सीटी थानाधिकारी विष्णु खत्री ने बताया कि शाम करीब साढ़े पांच बजे सूचना मिली कि सूरतगढ़ रोड पर बच्चनी देवी अस्पताल के पास स्थित टॉवर में 3 लड़के रहते थे। तीनों लड़कों के साथ मारपीट और फायरिंग हुई है। जिसमे मैं अपनी टीम सहित मौके पर पहुंचा। जब तक पुलिस मौके पर पहुंची घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा चुका था।

सीआई विष्णु खत्री ने बताया कि जब पुलिस ने शुरुआती जांच की तो करीब 3 राउंड फायर की प्रथम दृष्टया पुष्टि हुई है। बाकी लाठियों डंडों से मारपीट की गई है। मौका मुआयना करने के बाद पुलिस टीम सहित जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों से बात भी की। सीआई विष्णु खत्री ने बताया कि फायरिंग और लाठियों से हमले में 3 युवक समीर खान, प्रदीप नायक और लवदीप घायल हुए हैं। तीनों पर नकाबपोश हमलावरों ने हमला और फायरिंग की है। समीर खान को फायरिंग में चोट लगने की बात सामने आई है। लवदीप और प्रदीप के हाथों पर लाठी-डंडे से चोट लगी है।

फायरिंग में घायल हुए युवक ने बताया कि करीब 15 लोग मुंह पर नकाब पहनकर अचानक हमारे फ्लैट पर आए और मेरे साथी का नाम लेते हुए पूछा कि वो कहां है, तो मैंने उनको कहा कि वो यहां नहीं हैं। इतने में हमलावरों में एक ने कहा कि ये समीर खान है। बस इतनी बात सुनते ही उन्होंने पिस्टल से 4 फायर कर दिए। चारों फायर मुझे लगे हैं। उन्होंने मेरे दो साथियों के साथ भी मारपीट की ओर वहां से भाग गए। समीर ने बताया कि उसे नहीं पता कि वो सब कौन थे और उन्होंने हम पर हमला क्यों बोला।

सीआई विष्णु ने बताया कि 5 से अधिक हमलावर ने एचके टॉवर में युवकों के फ्लैट में पहुंचकर लवदीप के बारे में पूछा। युवक समीर खान ने कहा कि लवदीप यहां नहीं रहता है तो युवकों ने हमला शुरू कर दिया। हमले में समीर खान पर फायरिंग से चोट आई है। लवदीप और प्रदीप पर भी हमलावरों ने हमला बोल दिया। हमले में तीनों युवक घायल हो गए। सभी हमलावर प्लानिंग के साथ आए और फरार हो गए।

एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि सूचना के बाद पुलिस तुंरत मौके पर पहुंच गई थी। सिटी थाना स्तर पर पुलिस टीमें हमलावरों की पहचान कर पकड़ने के लिए गठित की गई हैं। डीएसटी टीम को भी हमलावरों को पकड़ने के लिए टास्क दिया गया है। पुलिस हमलावरों के आने जाने के रास्तों के सीसीटीवी खंगाला रही है, ताकि हमलावरों की पहचान हो सके। एसपी ने बताया कि जिले भर में 'ए' श्रेणी की नाकाबंदी भी करवाई गई है, ताकि हमलावरों को पकड़ा जा सके। एसपी ने बताया कि छात्र फ्लैट में रहकर कॉलेज की पढ़ाई कर रहे हैं। हमले के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

# नीमकाथाना में दुकान पर फायरिंग कर लूट, दो घायल

बदमाशों की बंदूक की गोली से घायल गोवर्धन सिंह एवं पास में बैठी बहन पिंकी।

**पाटन,** (निसं)। नीमकाथाना के औद्योगिक क्षेत्र में विगत रात्रि को एक किराने की दुकान पर लूट करने आए तीन बदमाशों ने फायरिंग कर लूट की घटना को अंजाम दिया। नीमकाथाना कोतवाली थाना अधिकारी भंवरलाल कुमावत ने जानकारी देते हुए बताया कि औद्योगिक क्षेत्र नीमकाथाना में गोवर्धन सिंह राजपूत की किराने की दुकान है जहां रात को तीन बदमाश बाइक पर उसकी दुकान पर लूट को अंजाम देने आए। जब गोवर्धन सिंह ने विरोध किया तो गोवर्धन सिंह के बायें पांव पर गोली चला दी। गोली की आवाज सुनकर मौके पर गोवर्धन सिंह की बहन पिंकी पहुंची तो बदमाशों ने पिंकी के सर पर बंदूक के बट से वार किया जिससे वह भी घायल हो गई। दोनों को जिला कपिल अस्पताल पहुंचाया गया जहां गोवर्धन सिंह को जयपुर रैफर कर दिया गया। थानाधिकारी कुमावत ने बताया कि इस प्रकरण की गहनता से जांच की जा रही है वहीं घायल गोरधन सिंह की हालत में सुधार बताया जा रहा है।

# ब्राह्मण महासंगम में दोनों पार्टियों से विधानसभा के लिये 35-35 सीटें मांगी

## दोनो पार्टियों के नेता एक जाजम पर, रामनिवास बाग में भरी हुंकार

**जयपुर**, (का.सं.)। आज जयपुर में ब्राह्मण समाज ने अपनी ताकत दिखाई। लाखो ब्राह्मण प्रदेश भर से आये। एक ही नारा जय परशुराम जय परशुराम के नारे लगे। राजनीति पार्टियों के प्रमुख नेता ब्राह्मण महासंगम में हुए शामिल। स्वस्तिवाचन और शंखनाद से प्रारम्भ हुये इस ब्राह्मण महासंगम में जनसैलाब उमड़ा। ब्राह्मण महासंगम जयपुर में एक ऐतिहासिक आयोजन रहा। इस समारोह में घंटे-घडियाल बजाते हुए और धोती कुर्ता पहने हुए ब्राह्मण समाज के लोगों ने

- 14 प्रतिशत आरक्षण के लिए इकट्ठा हुए जयपुर में लाखों ब्राह्मण
- 50 हजार महिलाएं पहली बार एक साथ एकत्रित हुई

जयपुर के रामनिवास बाग में आयोजित ब्राह्मण महासंगम में देश-विदेश के हजारों लोगों का जनसैलाब उमड़ा।

शिरकत की। इस आयोजन में ब्राह्मणों ने अपनी हुंकार भरते हुए 14 प्रतिशत आरक्षण की मांग केंद्र और राज्य सरकार से रखी। ईडब्ल्यूएस आरक्षण में हो रही विसंगतियों को दूर करने और आय सीमा को बढ़ाने की पुरजोर मांग समाज ने रखी। साथ ही मंदिर मठों पर सरकारी नियंत्रण खत्म कर ट्रस्ट व कमेटियों को देने की मांग की। इसके अतिरिक्त अन्य मांगे भी रखी गई । इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय स्तर पर विप्र कल्याण बोर्ड बनाने की मांग भी पुरजोर उठी।

वक्ताओं ने समाज को एकजुट होकर काम करने की बात कही। सभी का एक ही नारा था विश्व को दिशा देने वाला ब्राह्मण अब अपने हितो के लिए संगठित होना चाहिए। आज पूरे देश में ब्राह्मण समाज की आबादी करीब 15 करोड़ है। इस आबादी को राजनीतिक रूप से सामाजिक रूप से और आर्थिक रूप से आगे बढ़ना देश के हित में है और कोई राजनीतिक पार्टी इस समाज को नजरअंदाज नहीं कर सकती। ब्राह्मण सबको दिशा देता आया है। उसे अपने अधिकारों के लिए संगठित रहना चाहिए।

कार्यक्रम का प्रारम्भ प्रात 8 बजे त्रिपोलिया गेट से 11000 महिलाओं की कलश यात्रा से हुआ। रास्ते में महिलाओं पर पुष्प वर्षा हो रही थी और चारो तरफ ब्राह्मण एकता के जिन्दाबाद के नारे लग रहे थे। महिलाओं का रामनिवास बाग पर पहुंचने पर प्रात: 10:15 बजे कार्यक्रम शंखनाद और स्वस्तिवाचन से प्रारम्भ हुआ। जयपुर शहर में पहली बार रामनिवास बाग में इतना विहंगम दृश्य देखने को मिला कि लाखो ब्राह्मण एक साथ नाचते गाते ढोल नगाड़े के साथ कार्यक्रम में प्रदेश के अलग अलग जिलों से सम्मिलित हुये। इस पूरे कार्यक्रम को एक करोड़ लोगों ने लिंक के माध्यम से देखा, ये अपने आप में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बनेगा कि किसी समाज के इतने व्यक्ति एक साथ एक कार्यक्रम में जुडे।

समारोह के मुख्य अतिथि उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार से सांसद रमेश पोखरियाल निशंक ने संबोधित करते हुए कहा है कि ब्राह्मण सभी समाजों को साथ लेकर चलता है। अब उसे अपने संस्कारों के बल पर आगे बढ़ना चाहिए।

समारोह में शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने कहा कि ब्राह्मण समाज सहित आरक्षण से वंचित जातियों के लिए 14 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान पहली बार वर्ष 2003 में हुआ था। लगभग 20 वर्षो से सर्व ब्राह्मण महासभा ने इस आरक्षण की लड़ाई लड रहे है। मैं वर्ष 2003 में जब कैबिनेट मंत्री था जब भी समाज के साथ था और आज भी समाज के साथ हूं। इस अवसर पर जयपुर सांसद रामचरण बोहरा ने कहा कि ब्राह्मण महासंगम समाज को एकजुट करने का काम कर रहा है। इसमें सभी समाजों के घटक सम्मिलित हुये है। साथ ही देश के प्रधानमंत्री 10 प्रतिशत आरक्षण ईडब्ल्यूएस के लिये दिया है। मैं समाज के साथ 14 प्रतिशत आरक्षण देने की पैरवी करूगां। समारोह में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा द्वारा दिये गये शुभकामना संदेश को विधायक रामलाल शर्मा ने पढकर सुनाया और कहा है कि मंदिर मठो पर सरकारी नियंत्रण नहीं होना चाहिए। साथ ही मैं पं. सुरेश मिश्रा के संघर्ष को और आरक्षण आंदोलन को नजदीक से देख रहा हूं। मैं पूरी तरह से इस मुद्दे पर समाज के साथ हूं। शर्मा ने कहा है कि जब मैं अपने विधानसभा क्षेत्र से कार्यक्रम स्थल पर आ रहा थ तो सीकर रोड से एमआई रोड, रामनिवास बाग पर पूरा शहर ब्राह्मण महासंगम द्वारा जाम मिला और हजारो गाडियां सडको पर ही खड़ी हुइ हैं। यह सिद्ध करता है कि ब्राह्मण महासंगम का जो संदेश एकजुटता का जाना था वो जा चुका है।

इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि इस 14 प्रतिशत आरक्षण के लिये हमने लाठिया खाई है, जेल गये है और दो दशकों तक सडको पर संघर्ष किया है। इसके लिये अब हम सबको मिलकर सामूहिक रूप से प्रयास करने की आवश्यकता है। आज देश की दोनों राजनीतिक पार्टियों के राजनेता मंच पर है। मैं आपसे हाथ जोडकर निवेदन करता हूं कि ब्राह्मण बच्चो के भविष्य के लिए इस आरक्षण को 14 प्रतिशत करवाने के लिये प्रयास करें।

इस अवसर पर 5 विभूतियों को समाज की ओर से ब्राह्मण शिरोमणि सम्मान से सम्मानित भी किया गया। जिसमें मधुर भंडारक, अनिल शर्मा, कनाडा से आये डॉ. आजाद कौशिक, लंदन से आये डॉ. आलोक शर्मा, दुबई से आये नवीन शर्मा, अमेरिका से इन्द्रजीत शर्मा का सम्मान फरसा व भगवान परशुराम जी का चित्र भेंट किया गया। इस अवसर पर जयपुर के सभी प्रमुख मंदिरों के संत-महंत भी उपस्थित थे।

## 'कांग्रेस को अगले चुनाव में 25 सीटें भी मिलना मुश्किल'

- गहलोत उस परिवर्तन को रोकने की कोशिश कर रहे, जो चुनाव में अवश्यम्भावी : गजेंद्र सिंह शेखावत

**जयपुर**। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा को पुलिस द्वारा रोकने पर राजस्थान की गहलोत सरकार की कड़ी आलोचना की। शेखावत ने कहा कि गहलोतजी उस परिवर्तन को रोकने की कोशिश कर रहे हैं, जो चुनाव में अवश्यम्भावी है। कांग्रेस को अगले विधानसभा चुनाव में 25 सीटें भी मिलना मुश्किल है।

रविवार को ट्वीट कर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस की एजेंसी के रूप में काम कर रही पुलिस ने गंगापुर सिटी में भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा को रोका है। यह तो पहली बार है, हमें पता है आगे ये बार-बार होगा।

एक अन्य ट्वीट में भीलवाड़ा भट्टीकांड की चार्जशीट पर शेखावत ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा भट्टी कांड बच्चियों पर हैवानों की नजर होने का प्रमाण दे रहा है। कहां, कब, क्या हो जाए? कहा नहीं जा सकता, क्योंकि सरकार सुरक्षा का भरोसा नहीं दे सकती। उन्होंने कहा कि इस सरकार के बदलने तक हमें ही जिम्मेदारी उठानी होगी। बहनों-बेटियों विशेषकर बच्चियों की स्वतंत्रता का ख्याल रखते हुए उन्हें संरक्षण देना होगा। समाज को बेटियों के लिए ढाल बनना होगा।

बिजली में आत्मनिर्भरता के लिए मिशन-2030 पर तंज कसते हुए केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि डेढ़ करोड़ कनेक्शनों से जुड़ी आबादी को अगले सात साल तक अनियमित बिजली कटौती झेलनी होगी। यह कैसी बिजली से जुड़ी आत्मनिर्भरता की योजना है? शेखावत ने कहा कि ये बिजली देने की नहीं, जनता को अंधेरे में रखने की प्लानिंग है, क्योंकि सात साल बाद क्या पता राजस्थान में कांग्रेस का ही पता न हो।

## शिविर में सैकड़ों लोगों ने उपचार लिया

**जयपुर**, (का.सं.)। संतुलन समिति के तत्वावधान में रविवार को महामृत्युंजय मंदिर, जय जवान कालोनी टोंक रोड, जयपुर में चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। डॉक्टर सौरिक घोष एवं अमृता घोष ने शिविर में सैकड़ों लोगों का उपचार किया। शिविर में होम्योपैथी और योगा पद्धितद्वारा मरीज़ों का इलाज किया गया। इस मौके पर संतुलन समिति के संचालक अनुराग गीताई और मंदिर परिसर के प्रमुख आर. के. कपूर उपस्थित रहे।

संतुलन समिति द्वारा संचालित, संतुलन स्वास्थ्य केंद्र, जय जवान कालोनी में कार्यन्वित है जहाँ नियमित रूप से होम्योपैथी, एक्यूप्रेशर, योग तथा गीतायन रेकी द्वारा समस्त रोगों का संतुलित उपचार किया जाता है। प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को प्रात: 8 बजे से 11 बजे तक महामृत्युंजय मंदिर, जय जवान कालोनी में पिछले दो वर्षों से लगातार निशुल्क शिविर आयोजित किया जा रहा है जिसमें हर बार काफ़ी मात्रा में मरीज़ लाभान्वित हो रहे हैं।

# अस्पतालों की समस्याओं के समाधान पर जयपुर में डॉक्टर्स ने चर्चा की

## आईएमए की ओर से एसएमएस मेडिकल कॉलेज के एकडेमिक ब्लॉक में राजस्थान अधिवेशन 2023 का आयोजन

**जयपुर**। प्रदेशभर के डॉक्टर्स ने रविवार को जयपुर में आरटीएच बिल, फायर एनओसी, अस्पतालों को मिल रही मंहगी बिजली सहित कई समस्याओं के समाधान पर चर्चा की। आईएमए की ओर से एसएमएस मेडिकल कॉलेज के एकडेमिक ब्लॉक में राजस्थान अधिवेशन 2023 का आयोजन किया गया। इसमें 500 से अधिक डॉक्टर्स ने भाग लिया।

अंगदान महादान की घोषणा के साथ ही 200 से अधिक चिकित्सकों ने अंगदान की शपथ ली। इस अधिवेशन में आईएमए से जुड़े चिकित्सकों ने भाग लिया। इससे पहले आईएमए के पदाधिकारियों ने सीएमआर पर सीएम अशोक गहलोत से मिलकर डॉक्टर्स के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस पर सीएम ने डॉक्टर्स की समस्याओं का उचित समाधान निकालने को लेकर आश्वासन दिया।

अधिवेशन के दौरान 35 वरिष्ठ चिकित्सकों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने कहा कि आईएमए के ऐसे अधिवेशनों में प्रोफेशन के साथ-साथ आमजन के प्रति अपनी जिम्मेदारियां को लेकर डिस्कशन किया जाता रहा हैं। जब राज्य सरकार ने निरोगी राजस्थान की कल्पना की है तो उसमें डॉक्टर की भूमिका और बढ़ जाती हैं। जोशी ने कहा कि सरकार चाहती है कि निरोगी राजस्थान का कार्यक्रम ठीक तरीके से लागू हो, जिससे राजस्थान मेडिकल सर्विसेज में एक रोल मॉडल बने। अधिवेशन में आईएमए की राजस्थान एग्जीक्यूटिव कमेटी और स्टेट वर्किंग कमेटी की बैठक भी हुई। इस दौरान सरकार की ओर से घोषित मेडिकल सर्विसेस से जुड़ी योजनाओं पर भी विचार विमर्श किया गया।

आईएमए की ओर से एसएमएस मेडिकल कॉलेज के एकडेमिक ब्लॉक में आयोजित राजस्थान अधिवेशन 2023 का विधानसभा अध्यक्ष डॉ.सी.पी.जोशी ने शुभारंभ किया।

- 35 वरिष्ठ चिकित्सकों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड
- डॉ. अनुराग शर्मा को सर्वश्रेष्ठ सचिव का अवॉर्ड मिला।

इस दौरान आईएमए राजस्थान स्टेट के अध्यक्ष डॉ. सुनील चुघ, निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. अशोक शारदा, सचिव डॉ. पीसी गर्ग, कोषाध्यक्ष डॉ. एन के अग्रवाल और आईएमए जयपुर के अध्यक्ष डॉ. तरुण ओझा, डॉ. अनुराग धाकड़ और सचिव डॉ. अनुराग शर्मा मौज़ूद रहे। आईएमए उदयपुर के अध्यक्ष डॉ. आनंद गुप्ता को सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष और आईएमए जयपुर के सचिव डॉ. अनुराग शर्मा को सर्वश्रेष्ठ सचिव का अवॉर्ड मिला। इसके अलावा डॉ. शिव गौतम, डॉ. प्रकाश चाँदवानी, डॉ. मोहम्मद साबिर, डॉ. अजीत बापना और डॉ. बी डी गुप्ता को भी सम्मानित किया गया।

## 'मुख्यमंत्री गहलोत को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए'

**जयपुर**। राज्यसभा सांसद डॉक्टर किरोडी लाल मीणा ने कहा कि लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ, का नारा देने वाली प्रियंका गांधी हमारे आदिवासी समाज की बेटी को नग्न वस्त्र करके पूरे गांव में घुमाया गया, मणिपुर की घटना पर हल्ला मचाने वाला इंडिया (घमंडियां ग्रुप) अब कहीं नजर नहीं आ रहा है। डॉ मीणा धरियावाद पहुचे। प्रदेश सरकार आदिवासी बेटी को दिए गई पैकेज में भेदभाव ना करके 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता, सरकारी नौकरी, रहने के लिए पक्का मकान की घोषणा करें। मीणा ने राज्य सरकार से मांग है की 3 घंटे में इन सभी मांगों की तुरंत प्रभाव से घोषणा करें अन्यथा में स्थानीय लोगों के साथ धरने पर बैठूंगा।

उन्होंने कहा कि पीड़िता और उसके परिवार से हमको मिलने नहीं दिया जा रहा उसके ऊपर दबाव बनवाया जा रहा है काउंसलिंग के नाम पर उसको इधर-उधर भेजा जा रहा है, यदि पुलिस कि काउंसलिंग पूर्ण हो गई हो तो बेटी को समाज को सुपुर्द करें। प्रदेश में दलितों, आदिवासी महिलाओं पर अत्याचार चरम सीमा पर है, कानून व्यवस्था चौपट है, थोथी नारी सम्मान की बात करने वाले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

# पराक्रम सिंह राठौड़ निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष बने

**जयपुर**। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन के प्रदेश निर्वाचन अधिकारी कानसिंह तंवर ने जानकारी देते हुए बताया कि नेशनल एग्जीक्यूटिव मेंबर एवं गुजरात स्टेट पूर्व अध्यक्ष डॉ मनु भाई कुम्बावत के पर्यवेक्षण में यूथ हॉस्टल ऑफ इण्डिया की राजस्थान स्टेट इकाई के त्रैबार्षिक चुनाव संपन्न हुए हैं। इन चुनाव में प्रदेश अध्यक्ष पद पर निर्विरोध पराक्रम सिंह राठौड़ को निर्वाचित घोषित किया गया है। वह दूसरी बार यूथ हॉस्टल आफ इंडिया के राजस्थान स्टेट इकाई के प्रदेश अध्यक्ष बने हैं। इसके साथ ही उपाध्यक्ष पद पर बाड़मेर के आजाद सिंह, हंसनाराम और दौलत सिंह सांकड़ा, स्टेट चेयरमेन वरिष्ठ यूथ होस्टलर पद पर रतन सिंह भाटी(बालाना) और कोषाध्यक्ष पद पर मूलसिंह राठौड़ निर्वाचित हुए हैं। वहीं चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने के उपरांत स्टेट काउंसिल की बैठक नवनिर्वाचित अध्यक्ष पराक्रम सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए पराक्रम सिंह राठौड़ ने कहा कि यूथ हॉस्टल एसोसिएशन से अधिक से अधिक युवाओं को जोड़कर संगठन की शक्ति को मजबूत करने का प्रयास सभी को मिलकर करना होगा। विभिन्न नवाचारों के माध्यम से एसोसिएशन को विश्व पटल पर उभरने का प्रयास बेहद जरुरी है और यह समय की मांग है। बैठक के दौरान राजस्थान की विभिन्न सांस्कृतिक धरोहर, सभ्यता और परंपराओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए आगामी दिनों में कई कार्यक्रमों को आयोजित करने एवं यूथ हॉस्टल भवन जैसलमेर के निर्माण कर करने को लेकर चर्चाएं भी की।

## राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस आज

**जयपुर**। प्रदेश में सोमवार को आयोजित किए जाने वाले कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री प्रसादी लाल मीणा लालसोट की शाहपुरा पीएससी से शुभारंभ करेंगे। इस कार्यक्रम के तहत 1 से 19 साल तक की उम्र के लगभग 3.33 करोड़ लक्षित बच्चों, किशोर-किशोरियों को कृमि नाशक दवाई खिलाई जायेगी।

जयपुर में पांच बत्ती के पास रविवार रात 10 बजे आर्मी के रक्षादल के एक ट्रक के खराब हो जाने से लंबा जाम लग गया। इससे आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

## सार-समाचार

### नई समिति गठित करने का विरोध

**जयपुर** । वित्त विभाग की ओर से मंत्रालयिक संवर्ग की ग्रेड पे संशोधन, शैक्षिणक योग्यता स्नातक किए जाने एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित अन्य बिंदुओं पर विभिन्न मंत्रालयिक संगठनों के प्रतिनिधियों से वार्ता कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए प्रमुख कार्मिक सचिव की अध्यक्षता में एक 5 सदस्यीय समिति गठित की गई है। उल्लेखनीय है कि विभिन्न मंत्रालयिक संगठनों में एकता स्थापित करने के प्रयास किए जाने के बाद जब मंत्रालयिक महासंघ उससे अलग हो गया, तो मंत्रालयिक एकता मंच द्वारा शहीद स्मारक पर 94 दिन क्रमिक अनशन किया गया था। मंत्रालयिक महासंघ द्वारा शिप्रापथ पर 64 दिन महापड़ाव किया गया था। 12 जून को प्रमुख कार्मिक सचिव की अध्यक्षता में विभिन्न मंत्रालयिक संगठनों के साथ हुई वार्ता में सरकार द्वारा प्रस्तुत समझौता पत्र को सभी संगठनों ने एक स्वर में अस्वीकार कर दिया था। 14 जून को मंत्रालयिक महासंघ द्वारा उसी समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे। उक्त समिति का गठन इसी परिप्रेक्ष्य में किया गया है। मंत्रालयिक एकता मंच के प्रांतीय सदस्य एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़, राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश पारीक, राजस्थान मिनिस्ट्रियल सर्विसेज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश धाभाई तथा राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री एवं एकता मंच के प्रांतीय प्रवक्ता देवेंद्र सिंह नरूका ने एक संयुक्त बयान जारी कर उक्त समिति गठित किए जाने का घोर विरोध किया है। उन्होंने बताया कि समझौते के ढाई महीने तक सरकार ने समिति गठित करने के लिए कुछ नहीं किया और अब जब आचार संहिता में संभवत: मात्र एक माह का समय रह गया है, तब यह एक बेमियादी समिति गठित की गई है। जिसे कब अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है यह भी आदेश में अंकित नहीं है। जहां सेवानिवृत आई ए एस सावंत समिति एवं खेमराज समिति की रिपोर्ट सरकार ने ठंड बस्ते में डाल रखी है, ऐसे में एक और नई समिति गठित कर पुन: विभिन्न मंत्रालयिक संगठनों से संवाद कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर कोई कार्रवाई होगी यह संदेहास्पद है।

### 251 पौधे लगाकर सुरक्षा का संकल्प लिया

**जयपुर** । मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान की अभिनव पहल पेड़ लगाओ-अपनी अगली पीढ़ी बचाओ के तहत दुर्गापुरा स्थित श्री गोकुल भाई भट्ट जी की समाधि स्थल के अलावा विभिन्न स्थानों-प्रताप नगर, सीतापुरा, सांगानेर पर रविवार को पौधारोपण एवं श्रमदान कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें 200 से अधिक वालंटियर्स ने भाग लिया। ट्रस्ट मंडल सदस्य प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने पर्यावरण संरक्षण की सीख देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का आव्हान किया जिससे पर्यावरण के प्रति लोगों में चेतना जागृत हो एवं प्रकृति का संरक्षण हो। ट्रस्ट महासचिव दुर्गा वर्मा ने सभी का अभिन्दन कर ट्रस्ट की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए जानकारी दी कि ट्रस्ट की इस अभिनव पहल के अंतर्गत बच्चों के जन्म दिन, शादी की वर्षगाँठ, पुण्यतिथि, कन्याओं के जन्म आदि अवसर पर नि:शुल्क पौधारोपण करवाया जाता है। समन्वयक कौशल सत्यार्थी ने बताया कि सर्वप्रथम सभी ने श्रमदान कर साफ-सफाई की तथा उसके बाद नीम, शीशम, आम, गुलमोहर, जामुन, चंपा आवंला,पीपल, अशोक, अमरुद, अंजीर, गेंदा व गुड़हल आदि, छाया एवं फलदार के 251 पौधे लगा कर सार संभाल का संकल्प दिलाया गया लोगों को स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्त भारत का सन्देश भी दिया गया। इस अवसर पर राजस्थान समग्र सेवा संघ के अध्यक्ष सवाई सिंह, प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना, दुर्गा वर्मा, स्वीट जिंजर के निदेशक शंकर हेमराजनी, कौशल सत्यार्थी, भास्कर, दिनेश, नितेश सहित जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट कॉलेज, जेइसीआरसी यूनिवर्सिटी, मणिपाल यूनिवर्सिटी, पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, सुबोध पी.जी. कॉलेज, वीआईटी यूनिवर्सिटी के वालंटियर्स मौजूद रहे।

### कमाण्डो ने ससुर पर किया हमला

**जयपुर** । करधनी इलाके में एक कमाण्डो ने लोहे के पाईप से अपने बुजुर्ग ससुर का सिर फोड़ दिया। बुजुर्ग के चिल्लाने पर पडौसी आए तो आरोपी फरार हो गया। भागते समय कमाण्डों की सरकारी पिस्टल मौके पर गिर गई। जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस ने बताया कि वारदात का शिकार देवीसिंह राठौड (67) जीण माता नगर हरनाथपुरा का रहने वाला है। उसकी बेटी मंजू कवंर की शादी 4 दिसम्बर 2018 को पुष्पेन्द्र सिंह रत्नावत के साथ हुई थी। पुष्पेन्द्र पुलिस में कमाण्डो है और एडीजी स्तर के वरिष्ठ आईपीएस के यहां गनमैन है। मंजू कंवर का आरोप है कि शादी के बाद से पुष्पेन्द्र दहेज के लिए प्रताड़ित करता था जिसके चलते वह करीब डेढ़ साल से अलग रह रही है। वह अपने दो साल के बेटे के साथ पिता के पडोस में किराए पर मकान लेकर प्राईवेट नौकरी करती है। मंजू ने पुलिस को बताया कि 1 सितम्बर को बेटे की तबीयत खराब होने से वह नौकरी पर नहीं गई। पुष्पेन्द्र ने फोन कर उसे घर बुलाया लेकिन वह नहीं गई। तो मारने की धमकी देकर देर रात ससुराल आ गया। आरोपी ने आते ही कार में तोड़फोड़ की। मंजू के पिता देवीसिंह बाहर आए तो पुष्पेन्द्र ने सिर पर लोहे के पाईप से हमला कर दिया। घायल बुजुर्ग का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

### अब्दुल वहीद अब्बास स्टेट कन्वीनर बने

**जयपुर** । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी जवाहर बाल मंच में अब्दुल वहीद अब्बास को राजस्थान स्टेट सोशल मीडिया कन्वीनर नियुक्त किया गया है। जवाहर बाल मंच के नेशनल चैयरमेन जी.वी.हरी और नेशनल कॉर्डिनेटर जनाब तैय्यब शाहिद का तहदिल से आभार जताया।

# डॉ. पूनियां ने महारानी अवंतीबाई जन्म जयंती समारोह में लोधा समाज बंधुओं से संवाद किया

## कोटा में पूनियां ने पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल के भतीजे विजय के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की

**कोटा/जयपुर।** उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने बारां के छबड़ा में महारानी अवंतीबाई जन्म जयंती समारोह में सम्मिलित होकर लोधा समाज बंधुओं से संवाद किया। जहां भारी संख्या में लोधा समाज के प्रबुद्धजन और युवा शक्ति मौजूद रही। इसके बाद बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के कथा कार्यक्रम में भक्तजनों के साथ कथा का श्रवण किया। इससे पहले कोटा पहुंचकर सतीश पूनियां ने पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल के भतीजे विजय गुंजल के आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संवेदना व्यक्त की और गुंजल परिवार से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

समारोह में भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां का स्वागत किया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे एवं तमिलनाडु सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म को लेकर दिए विवादित बयान पर कोटा में मीडिया से बातचीत में डॉ. सतीश पूनियां ने पलटवार करते हुए कहा कि, सनातन कभी खत्म नहीं होगा, इस तरीके के तात्कालिक संगठन खत्म हो सकते हैं, इस तरीके के जुगाडू विचार खत्म हो सकते हैं, लेकिन सनातन का विचार, राष्ट्रवाद का विचार, हिंदुत्व का विचार यह कभी खत्म नहीं हो सकते।

उदयनिधि स्टालिन का बयान दुर्भाग्यपूर्ण है, बहुत ही निंदनीय है, लेकिन यह बात उनको समझ लेनी चाहिए उनका विचार खत्म हो सकता है, लेकिन सनातन का विचार कभी खत्म नहीं हो सकता। वन नेशन वन इलेक्शन के मुद्दे पर मीडिया से बातचीत में पूनियां ने कहा कि केंद्र सरकार ने अभी कमेटी बनाई है, कमेटी जो सिफारिश करेगी उसके आधार पर आगे तय होगा। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव के चलते लंबे समय तक आचार संहिता के कारण विकास कार्य भी प्रभावित होते हैं, इसलिए वन नेशन वन इलेक्शन देश का बड़ा मुद्दा है, क्योंकि सालभर तक चुनाव चलते रहते हैं ऐसे में एक बड़ा खर्चा होता है, इस पर लगाम लगाने के लिए वन नेशन वन इलेक्शन की मांग लंबे समय से चली आ रही है। न्यायपालिका को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिए गए बयान पर उन्होंने कहा कि, देश में तीन बड़े स्तम्भ हैं, जो संविधान की छाया में फलते फूलते हैं, कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका, उनका अपना सम्मान है, उनका अपना स्थान भी है, इसलिए मुख्यमंत्री ने जो बयान दिया वह निंदनीय है, इससे उन्होंने पद की गरिमा को भी ठेस पहुंचाई है।

■ 'स्टालिन की पार्टी का विचार खत्म हो सकता है, लेकिन सनातन का विचार, राष्ट्रवाद का विचार, हिंदुत्व का विचार कभी खत्म नहीं हो सकते'

# बड़ागांव की धाकड़ बेटी ने एक वर्ष में 19 मेडल जीते

देव सेना के प्रदेश सचिव धर्मपाल गुर्जर ने छात्रा को बधाई दी।

**बड़ागांव,** (निसं)। बड़ागांव गुर्जरों की ढाणी देवनगर की रहने वाली वसुंधरा गुर्जर ने 1 वर्ष में जिला स्तर से राज्य स्तर तक 19 मैडल हासिल कर चुकी है। वसुंधरा के पिता विद्याधर गुर्जर एक साधारण किसान है। लेकिन धाकड़ बेटी की तमन्ना है कि वह नेशनल में खेल कर देश और प्रदेश का नाम हासिल करें।

देव सेना के प्रदेश सचिव धर्मपाल गुर्जर ने होनहार छात्रा को बधाई देते हुए रविवार को घर पहुंच कर देवसेना का मोमेंट भेंटकर, साफा, माला पहनाकर वसुंधरा का सम्मान किया। देव सेना के प्रदेश सचिव धर्मपाल गुर्जर ने बताया कि पहले गुर्जर समाज की लड़कियां चारदिवारी से बाहर नहीं निकलती थी। लेकिन आज देश और विदेश में अपना परचम लहरा रही है। उन्होंने कहा की बेटियां बेटों से कम नहीं है। प्रदेश सचिव गुर्जर ने कहा जुनून और जब्बा होना चाहिए। हर मुकाम तक पहुंच सकता है इंसान। इस मौके पर अंकित गुर्जर, पायल गुर्जर, रेखा गुर्जर, ममता गुर्जर, ऋषिका गुर्जर, उषा गुर्जर मौजूद थे।

■ वसुंधरा गुर्जर का नेशनल खेलने का सपना है

# वीरांगना अवंतीबाई ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे : पूनियां

## डॉ. सतीश पूनियां ने लोधा महापुरुषों के त्याग के बारे में बताया

**छबड़ा,** (निसं)। लोधावंश में जन्मी वीरांगना अवंती बाई ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे। इस तरह के आयोजन नई पीढ़ी के लिए प्रेरक बनते हैं और जनजागृति उत्पन्न करते हैं। यह विचार भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं राजस्थान विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष डॉ. सतीष पूनियां ने रविवार को महारानी अवंती बाई लोधा की जन्म जयंती महोत्सव के अवसर पर कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित समारोह में उमड़े जनसमुदाय को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

समारोह की अध्यक्षता लोधा समाज के प्रदेषाध्यक्ष एवं मनोहरथाना विधायक गोविंद प्रसाद रानीपुरिया ने की। इससे पूर्व कस्बे में भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई, जिसमें समाज के लोगों ने गले में केसरिया दुपट्टा व सिर पर केसरिया पगड़ी धारण कर शोभायात्रा की सुंदरता बढ़ाई। रविवार को सिंघवी गार्डन से कृषि उपज मंडी तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें अवंतीबाई की झांकी सजाई गई। जिसमे घोड़े पर भी किशोरी अवंतीबाई के रूप में सजी-धजी चल रही थी एवं शोभायात्रा में समाजबंधु व युवा अपने हाथ में भगवा पताकाएं लहराते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा का अंबेडकर सर्किल, अहिंसा सर्किल, आजाद सर्किल, धरनावदा चौराहा तक रास्ते में जगह-जगह समाजसेवियों व विभिन्न संगठनों द्वारा तोरण द्वार सजाकर पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत-सत्कार किया। वहीं, कृषि उपज मंडी में आयोजित समारोह को उपनेता प्रतिपक्ष डॉ. सतीष पूनियां ने संबोधित करते हुए लोधा महापुरुषों के त्याग के बारे में बताया और युवाओं से समाज में शिक्षा व रोजगार को बढ़ावा देने का आव्हान किया।

■ युवाओं से समाज में शिक्षा व रोजगार को बढ़ावा देने का आव्हान किया

राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन कुमार लोधी (डेविड) ने कहा कि वीरांगना अवंती बाई द्वारा बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। आमसभा में अतिथियों के रूप में कमलबापू राष्ट्रीय संत एमपी, राष्ट्रीय महासचिव हरिपाल, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष ललिता लोधा, राजस्थान के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष रामकिशन, राजस्थान के प्रांतीय प्रवक्ता भंवर ठाकुर, प्रांतीय संरक्षक वैद्य घांसीलाल लोधा, मयाना छात्रावास निर्माण समिति अध्यक्ष राधेश्याम, युवा महासभा झालावाड़ उपाध्यक्ष परमानंद लोधा, बाबूलाल बारां, लालाराम, केदारसिंह गुना, एमपी सरपंच परमानंद लोधा, झालावाड़ जिलाध्यक्ष कनीराम लोधा, नंदलाल लोधा, कार्यकारी जिलाध्यक्ष उदयसिंह लोधा, हिंदू जागरण मंच जिला संयोजक गिर्राज गुर्जर और विहिप जिलाध्यक्ष संग्रामसिंह मीणा मौजूद रहे।

# वेल्डिंग करते मशीन में लगी आग, दो झुलसे

**जोधपुर,** (कासं)। जोधपुर में सूरसागर इलाके के कबीरनगर में वेल्डिंग गैराज में वेल्डिंग करते समय आग लग गई। आग ट्यूबवेल खोदने वाली मशीन के पेट्रोल टैंक में लगी। अचानक लगी आग से वेल्डिंग कर रहे दो युवक झुलस गए। जिन्हें इलाज के लिए तुरंत अस्पताल ले जाया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद शास्त्री नगर फायर स्टेशन से दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और तुरंत आग पर काबू पाया।

फायर अधिकारी प्रशांत सिंह चौहान ने बताया सूरसागर क्षेत्र के कबीरनगर में एक वेल्डिंग गोदाम में रविवार दोपहर आग लग गई। गोदाम में वर्कर वेल्डिंग का काम कर रहे थे। वेल्डिंग की चिंगारी से ट्यूबवैल खोदने वाली मशीन के पेट्रोल टैंक में आग लग गई। देखते देखते आग विकराल हो गई। इसकी चपेट में आने से वेल्डिंग कर रहे दो युवक झुलस गए। जिन्हें इलाज के लिए तुरंत हॉस्पिटल भिजवाया गया। हालांकि समय रहते आग बुझा दिए जाने से बड़ा हादसा टल गया। घटना के समय गैरेज में फायर सेफ्टी के उपकरण भी नहीं रखे हुए थे।

# हेमलता राजे के नेतृत्व में शुरू हुई पदयात्रा घेवडा पहुंची

**जोधपुर,** (कासं)। जोधपुर से एक सितंबर को रामदेवरा के लिए हेमलता राजे के नेतृत्व व अचलानन्द गिरी महाराज के सानिध्य में शुरू हुई पदयात्रा रविवार को प्रात: बालरवा से आरती के बाद पुन: शुरू हुई व तिंवरी होकर घेवडा गांव पहुंची।

अचलानन्द गिरी के निजी सचिव रघुवीर सिंह भदावत ने बताया कि बालरवा में पड़ाव स्थल पर महारानी हेमलता राजे व सैनाचार्य अचलानन्द गिरी महाराज ने आरती की व सैकडों महिला व पुरुष पदयात्रियों के साथ उत्साह आस्था के साथ पदयात्रा शुरू की। बालरवा के रास्ते जगह-जगह ग्रामीणों ने स्वागत किया। पदयात्रा में पूर्व विधायक शेरगढ बाबू सिंह राठौड़, महेंद्र सिंह भाटी उम्मेद नगर, पूर्व विधायक भैराराम सियोल, गोपाल सिंह भलासरिया, जसवंत सिंह इंदा, महावीर सिंह गंठिया सहित अनेक व्यक्ति साथ थे।

हेमलता राजे के नेतृत्व में महिला व पुरुष पदयात्रा में साथ हो रहे हैं।

■ पदयात्रा का बालरवा के रास्ते जगह-जगह ग्रामीणों ने स्वागत किया

पदयात्रा संयोजक सुरेश बुगालिया ने बताया कि तिंवरी में तहसील के सामने मारवाड के महाराजा मानसिंह के समय मेहरानगढ़ में पठानों से युद्ध करते हुए शहीद हुए वीर गुमान से राजपुरोहित के शौर्य स्मारक का सैनाचार्य अचलानंद गिरी महाराज के सानिध्य में हेमलता राजे के मुख्य अतिथि में अनावरण हुआ।

# उपराष्ट्रपति के डिग्गी आगमन को लेकर प्रशासन अलर्ट

## उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ पांच सितम्बर को आयेंगे

दिल्ली से डिग्गी पहुंचे वायु सेना के हेलीकॉप्टर ने तीनों हेलीपेडों पर अलग-अलग समय पर लैडिंग कर पूर्वाभ्यास किया।

**मालपुरा,** (निसं)। धर्मनगरी डिग्गी में कल्याणजी महाराज के दर्शनों के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ के 5 सितम्बर को आगमन को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर है।

रविवार को दिल्ली से डिग्गी पहुंचे वायु सेना के हेलीकॉप्टर ने तीनों हेलीपेडों पर अलग-अलग समय पर लैडिंग कर पूर्वाभ्यास किया। जिला कलेक्टर के निर्देशों पर उपराष्ट्रपति के आगमन के दौरान किसी भी प्रकार की कोई चूक होने से रोकने तथा सुरक्षा व्यवस्थाएं चाक-चौबंद किये जाने को लेकर पुलिस व प्रशासनिक अम्ला मुस्तैदी से जुटा हुआ है। डिग्गी अस्पताल में अस्थाई आईसीयू वार्ड बनाया गया है तो हेलीपेड से मंदिर तक चप्पे-चप्पे पर चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के लिए 800 से अधिक पुलिस अधिकारी व जवानों का जाप्ता तैनात किया गया है।

एम्बुलेंस सहित चिकित्सा व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखे जाने के बीसीएमओं को निर्देशित किया गया है। उपराष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर केन्द्रीय रक्षा दल की विशेष निगरानी के लिए सुरक्षा दल डिग्गी पहुंच हेलीपेड व कल्याण जी मंदिर सहित मार्ग की तमाम व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। उपराष्ट्रपति के डिग्गी में 55 मिनट रूकने का रूठ चार्ट बना सुरक्षा एजेंसियों के सुपुर्द किया गया। मिली जानकारी के अनुसार जिला कलेक्टर व एसपी का दो दिन डिग्गी में कैम्प रहेगा। उपराष्ट्रपति के दौरे के दौरान पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों के अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे व डॉन से निगरानी होगी।

# महिला के गले से पेंडल छीन भागे बाइक सवार बदमाश

**धौलपुर,** (निसं)। धौलपुर जिले के मनियां थाना क्षेत्र के सुआ बाग के पास हाईवे 44 पर रविवार दोपहर दिनदहाड़े दो बाइक सवार लुटेरों ने चलती बाइक से महिला से लूट की वारदात को अंजाम दिया है। लूट की वारदात में एक वृद्ध सहित दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें जिला चिकित्सालय धौलपुर में भर्ती कराया गया है।

मनियां थाना पुलिस ने बताया कि रमेश चंद्र पुत्र दौलत राम निवासी मसूदपुर थाना सदर धौलपुर अपनी पुत्रवधू अनीता पत्नी जगदीश तथा अपनी पुत्री कमलेश पत्नी राजेश निवासी उदईया का नगला खैरागढ़ उत्तर प्रदेश को अपनी बाइक पर बिठाकर मनियां से धौलपुर की तरफ जा रहा था। तभी रास्ते में हाइवे स्थित सुआ बाग के पास इंडियन पेट्रोल पंप के समीप दो बाइक सवार बदमाश पीछे से तेज रफ्तार में आए और पीड़ित रमेश चंद की चलती हुई बाइक पर बैठी पुत्री कमलेश के गले में पहनी हुई पेंडल चैन को झपट्टा मार कर ले गए।

बताया जा रहा है कि दोनों बाइक सवार लुटेरे धौलपुर की ओर भाग निकले। लूट के दौरान पीड़ित रमेश चंद्र की बाइक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे बाइक हाईवे पर फिसल गई। इस दौरान पीड़ित सहित बाइक पर बैठी पुत्रवधू अनीता और पुत्री कमलेश गंभीर रूप से घायल हो गए।

# ट्रेक्टर-ट्रॉली पलटने से दर्शनार्थी की मौत, एक दर्जन से अधिक घायल

**करौली,** (नि.सं.)। कैलामाता के दर्शन कर वापस लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रेक्टर-ट्रॉली पलटने से एक व्यक्ति की घटनास्थल पर मौत हो गई। वही करीब एक दर्जन से अधिक महिला, पुरुष गंभीर रूप से घायल हुए।

मध्य प्रदेश के ग्वालियर के निकटवर्ती महाराजपुरा थाना क्षेत्र के महिला, पुरुष कैलामाता के दर्शन करने के लिए ट्रैक्टर ट्राली से आए थे जो रविवार को प्रात: दर्शन कर वापस लौट रहे थे। लौटते समय करौली सरमथुरा सड़क मार्ग पर स्थित बथुआ खो के पास चालक का संतुलन बिगड़ने से ट्रैक्टर ट्राली पलट गई जिसमें सवार यात्रियों में से एक यात्री साहब सिंह पाल पुत्र सुवालाल बघेल 40 निवासी सेठारी थाना महाराजपुरा जिला ग्वालियर की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई एवं करीब एक दर्जन से अधिक महिला पुरुष हेमंत पुत्र केवल सिंह, शालिग्राम पुत्र चंदन सिंह, मीराबाई पत्नी दाताराम, विनोद पाल पुत्र दुर्गा प्रसाद, सतीश पुत्र रोहित, झनका पुत्र सोवरन सिंह, केसंती पत्नी अजमेर सिंह, नारायण पुत्र गोविंद, धर्मेंद्र पुत्र ओमप्रकाश कुशवाहा, आशीष दुबे पुत्र राजेश, मूली सिंह पुत्र राम भरोसी, अजमेर सिंह पुत्र जगन्नाथ गंभीर रूप से घायल हुए। इनके अलावा करीब आधा दर्जन से अधिक यात्री चोटिल हुए घायलों को एनएच 11वी सड़क मार्ग की एंबुलेंस के माध्यम से करौली सामान्य चिकित्सालय लाया गया जहां साहब सिंह पाल पुत्र सुवालाल बघेल को मृत घोषित कर पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द किया। वहीं घायलों को भर्ती कर उपचार दिया।

सामान्य चिकित्सालय पुलिस चौकी के कांस्टेबल रामप्रकाश शर्मा ने बताया कि घटना की सूचना परिवार जनों को दी गई परिजनों के आने पर मृतक का पोस्टमार्टम कर शव परिजन को सुपुर्द किया और घायलों को रैफर किया।

# पत्थरबाजी के बाद 14 जनों को गिरफ्तार किया

चूरू के वार्ड नम्बर एक में दो समुदायों के बीच हुई पत्थरबाजी के बाद पुलिस बल तैनात रहा।

**चूरू,** (कासं)। शहर के वार्ड एक में शनिवार देर रात दो पक्षों में हुई पत्थरबाजी के बाद पुलिस ने मामले में 14 जनों को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया। जानकारी के अनुसार पुलिस मौके के वीडियो के आधार पर लोगों को चिन्हित कर रही है। यहां कोतवाली थाने के सीआई अरविंद भारद्वाज ने बताया कि वार्ड संख्या एक में दो पक्ष में हुए झगड़े को लेकर दोनों पक्षों के सात-सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि एक पक्ष के वार्ड संख्या 60 निवासी 29 वर्षीय देवानंद उर्फ़ देवा, वार्ड संख्या 2 निवासी विशाल सैनी उर्फ बंटी, वार्ड संख्या 60 निवासी 26 वर्षीय रवि सैनी, वार्ड संख्या 3 निवासी 48 वर्षीय श्याम सुंदर, वार्ड संख्या 60 निवासी 52 वर्षीय श्यामलाल, वार्ड संख्या 3 निवासी 40 वर्षीय महेंद्र कुमार उर्फ मोहर सिंह, वार्ड संख्या 5 निवासी 42 वर्ष सुरेंद्र कुमार को गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार दूसरे पक्ष के वार्ड संख्या 60 निवासी 38 वर्षीय मुंशी खान, 32 वर्षीय असलम, मोहम्मद साहिल, जाकिर, सोहेल, साबिर और वार्ड संख्या 3 निवासी अब्दुल रहमान को गिरफ्तार किया गया है।

# समस्याओं के समाधान के लिए चार पार्षद सीएम से मिलने के लिए साइकिल से रवाना

## बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाकर साइकिलों से रवाना हुये

**खाटूश्यामजी,** (निसं)। कस्बे के चार पार्षद 13 सूत्री मांगों के समाधान को लेकर बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाकर मुख्यमंत्री से मिलने के लिए साइकिलों से रवाना हुए।

नगर पालिका परिसर पर कस्बेवासियों ने पार्षद अनिल शर्मा, राजवीर सिंह, दामोदर प्रसाद वर्मा व पार्षद प्रतिनिधि अशोक सामरिया को फूल माला पहनाकर कस्बे के विकास में आ रही बाधाओं के निस्तारण के लिए रवाना किया। पार्षद अनिल शर्मा ने बताया कि कस्बे में स्वरोजगार के लिए सब्जी मंडी की स्थापना, दिन प्रतिदिन बिगड़ती यातायात व्यवस्था को सुधारने के अलावा अस्पताल मार्ग पर मरीजों के आने-जाने के लिए सुविधाएं, पट्टा की पत्रावलियों का निस्तारण, कस्बे में सीवरेज लाइन डालने, रिंग रोड बनाने, हर धर्मशालाओं के बाहर आने वाले यात्रियों के लिए नि:शुल्क पानी और शौचालय की व्यवस्था का बोर्ड लगाने सहित 13 सूत्री मांगों को लेकर वार्ड पार्षद अनिल शर्मा के नेतृत्व में साइकिलों से रवाना हुए हैं। सोमवार को चारों पार्षद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिलकर समस्याओं के समाधान की मांग रखेंगे और ज्ञापन देंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री से मांग करेंगे कि किसी अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई करे बगैर हमारी समस्याओं का समाधान समय रहते पूरा किया जाए जिससे आने वाले लाखों श्याम भक्तों व कस्बे वासियों को सुविधा मिल सके। बाबा श्याम के दर्शन के बाद श्रद्धालु एक अच्छा संदेश लेकर अपने घरों के लिए प्रस्थान करें इसी संकल्प को पूरा कराने को लेकर चारों पार्षद साइकिलों से मुख्यमंत्री के पास मिलने के लिए रवाना हुए हैं।

चार पार्षद बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाकर साइकिलों से रवाना हुये।

■ 13 सूत्री मांगों को लेकर वार्ड पार्षद अनिल शर्मा के नेतृत्व में साइकिल दल रवाना

मुझे बताइए कि चैंपियनशिप जीतने के लिए क्या महत्वपूर्ण है नाम या फॉर्म। यदि रोहित या विराट ने इस तरह का प्रदर्शन (लगातार चार मैचों में अर्धशतक) किया होता तो क्या तब भी आप यह कहते कि उनकी जगह केएल राहुल को लिया जाना चाहिए। - गौतम गंभीर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, विश्वकप टीम में ईशान किशन को शामिल करने की मांग करते हुए।

# खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **आर. प्रज्ञानानंद**



**भारत** की नवीनतम शतरंज सनसनी आर प्रज्ञानानंद विश्व कप के फाइनल में मैग्नस कार्लसन से हार गये लेकिन इस 18 साल के खिलाड़ी ने कहा कि नॉर्वे के पांच बार का विश्व चैंपियन को हराना मुश्किल है लेकिन वह 'अजेय' नहीं है। आर प्रज्ञानानंदा पिछले महीने विश्व कप उपविजेता बनने वाले 18 साल के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। अपने अभियान के दौरान, उन्होंने आठ-खिलाड़ियों के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भी अपनी जगह पक्की कर ली, जो 2024 में शतरंज में विश्व चैंपियन डिंग लिरेन के लिए चुनौती का निर्धारण करेगा।

**क्या आप जानते हैं ?...** मेजबान ब्राजील ने 1950 के विश्वकप फुटबाल के आयोजन के लिए रियो-डी-जेनेरो में दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम बनाया जिसमें दर्शक क्षमता 2,20,000 थी।

## बाएज का विजय रथ रोक आगे बढ़े मेदवेदेव, अल्काराज, ज्वेरेव भी जीते

न्यूयॉर्क, 3 सितंबर। रूस के दानिल मेदवेदेव ने अर्जेंटीना के सेबैस्टियन बाएज़ का विजय रथ रोकते हुए उन्हें अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर में करारी शिकस्त दी। बाएज़ पिछले 12 मुकाबले जीतकर तीसरे दौर में आ रहे थे लेकिन पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन मेदवेदेव ने शनिवार को उन्हें 6-2, 6-1 7-6(6) से हराकर प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। शुरुआती दो सेट एकतरफा रूप से जीतने के बाद मेदवेदेव को तीसरे सेट में बाएज़ से कड़ी टक्कर मिली। बाएज़ ने मेदवेदेव के फोरहैंड का मज़बूती से जवाब देते हुए तीसरे सेट में 5-2 की बढ़त बना ली लेकिन इसके बाद बारिश ने मैच में खलल डाल दिया। मेदवेदेव ने खेल दोबारा शुरू होने के बाद वापसी करते हुए 4-5 पर सर्विस हासिल की। बाएज़ के लिये लगातार अप्रत्याशित गलतियां करना भारी पड़ा और वह टाईब्रेकर में 6/6 पर गलती करके मुकाबला हार गये। मेदवेदेव ने जीत के बाद कहा, ''मुझे ऐसा लगा कि हम दोनों अच्छा खेल रहे थे, यहां तक कि पहले दो सेटों में भी। मैं सही मौकों पर थोड़ा बेहतर खेला, सब कुछ मेरे हिसाब से हो रहा था। थोड़ा भाग्य का भी साथ रहा और मेरे अच्छे खेल ने भी मुझे सेट में बनाए रखा।'' अगले दौर में मेदवेदेव का सामना ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर से होगा। इस बीच, रूस के आंद्रे रुबलेव, जर्मनी के एलेक्जेंडर ज़्वेरेव और स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर प्री-क्वार्टरफाइनल में कदम रखा। रुबलेव ने फ्रांस के आर्थर रिंडरनेक को 3-6, 6-3, 6-1, 7-5 से हराया। गत चैंपियन अल्काराज़ ने ब्रिटेन के डैन इवान्स को 6-2, 6-3, 4-6, 6-3 से मात दी। ज़्वेरेव ने बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-7(2), 7-6(8), 6-1, 6-1 से मात दी।

## नजम सेठी ने एशिया कप के कार्यक्रम पर सवाल उठाए

पाल्लेकल (श्रीलंका), 3 सितंबर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष नजम सेठी ने पाल्लेकल में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले के बारिश की भेंट चढ़ने के बाद एशिया कप के कार्यक्रम पर सवाल उठाते हुए कहा कि यूएई में खेलने के उनके सुझाव को ठुकरा दिया गया और श्रीलंका में टूर्नामेंट के आयोजन के लिए बेकार के तर्क दिए गए। पिछले साल रमीज राजा को पीसीबी अध्यक्ष के रूप में बर्खास्त किए जाने के बाद अंतरिम तौर पर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालने वाले सेठी ने शनिवार को भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले के बारिश की भेंट चढ़ने के बाद नाराजगी जाहिर की। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) पर निशाना साधते हुए सेठी ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, ''कितना निराशाजनक। बारिश ने क्रिकेट के सबसे बड़े मुकाबले में खलल डाला। लेकिन भविष्यवाणी भी यही की गई थी। पीसीबी अध्यक्ष के रूप में मैंने एसीसी से यूएई में खेलने का आग्रह किया था लेकिन श्रीलंका में आयोजन के लिए बेकार के तर्क दिए गए।'' उन्होंने लिखा, ''उन्होंने कहा कि दुबई में बेहद गर्मी होगी। लेकिन पिछली बार सितंबर 2022 में जब एशिया कप वहां खेला गया तब भी उतनी ही गर्मी थी या जब अप्रैल 2014 और सितंबर 2020 में आईपीएल वहां खेला गया। खेल पर राजनीति। अक्षम्य।'' श्रीलंका को सह मेजबान के रूप में शामिल किया गया क्योंकि भारत ने भू-राजनैतिक तनाव के कारण एशिया कप के अपने मुकाबले पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद टूर्नामेंट के आयोजन के हाईब्रिड मॉडल को अपनाया गया और अब पाकिस्तान और श्रीलंका में मुकाबले आयोजित हो रहे हैं। हाईब्रिड मॉडल के तहत पाकिस्तान में चार जबकि बाकी मुकाबले श्रीलंका में होने हैं। पिछले साल एशिया कप का आयोजन यूएई में लगभग इसी समय किया गया था। लेकिन तब यह टी20 प्रारूप में खेला गया था और मुकाबले शाम को हुए थे। शनिवार को हुए एशिया कप के मुकाबले में सिर्फ एक पारी हो गई जिसमें भारतीय टीम 48.5 ओवर में 266 रन पर आउट हो गई। भारतीय पारी के दौरान भी बारिश के कारण खेल रुका और टॉस में भी विलंब हुआ था।

## तीसरा टी-20 पांच विकेट से जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज क्लीन स्वीप की

डर्बन, 3 सितंबर। ऑस्ट्रेलिया ने शॉन ऐबट (31/4) की घातक गेंदबाजी और ट्राविस हेड (48 गेंद, 91 रन) की धुआंधार बल्लेबाजी की बदौलत रविवार को तीसरे टी20 में मेज़बान दक्षिण अफ्रीका को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की शृंखला 3-0 से जीत ली। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया के सामने 20 ओवर में 191 रन का लक्ष्य रखा, जिसे मेहमान टीम ने 13 गेंद रहते हुए हासिल कर लिया। टेम्बा बावूमा और मैथ्यू ब्रीट्ज़्क के छोटे स्कोर पर आउट होने के बावजूद रीज़ा हेन्ड्रिक्स ने 30 गेंद पर दो चौकों और दो छक्कों के साथ 42 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को अच्छी शुरुआत दी। कप्तान मार्करम (23 गेंद, 41 रन) ने हेंड्रिक्स के साथ तीसरे विकेट के लिये 58 रन की साझेदारी कर प्रोटियाज़ की पारी को संभाला, हालांकि ऐबट ने मार्करम को पवेलियन भेजकर यह साझेदारी तोड़ दी। तनवीर संघा की गेंद पर हेंड्रिक्स का विकेट गिरने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका अच्छी स्थिति में लग रही थी, लेकिन ऐबट ने 14वें ओवर में बिना कोई रन दिये दो विकेट लेकर मेज़बान टीम को 122/6 के स्कोर पर संघर्ष करता हुआ छोड़ दिया। अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे युवा बल्लेबाज डॉनोवन फरेरा ने इस समय 21 गेंद पर एक चौके और पांच छक्कों के साथ 48 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में 190 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचने में मदद की।

## बांग्लादेश ने अफगानों को धूल चटाई

लाहौर, 3 सितंबर। मेहदी हसन मिराज़ (112) और नजमुल हुसैन शान्तो (104) के शानदार शतकों के बाद तस्कीन अहमद (44/4) की घातक गेंदबाजी के दम पर बंगलादेश ने रविवार को एशिया कप के करो या मरो ग्रुप-बी मुकाबले में अफगानिस्तान को 89 रन से पीट दिया।

बंगलादेश ने मिराज़ और शान्तो के शतकों की बदौलत 50 ओवर में 334 रन का स्कोर खड़ा किया। तस्कीन और शोरिफुल इस्लाम (36/3) की गेंदबाजी के आगे अफगानिस्तान की पूरी टीम 44.3 ओवर में 245 रन पर ऑलआउट हो गयी। इब्राहिम ज़ादरान ने अफगानिस्तान के लिये 74 गेंद पर 10 चौके और एक छक्का लगाकर 75 रन बनाये लेकिन उनकी यह जुझारू कोशिश अफगानों को विजयी बनाने के लिये नाकाफी साबित हुई। पहले मैच में श्रीलंका के हाथों हारने के बाद बंगलादेश ने इस जीत के साथ सुपर-चार में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। अगर मेजबान श्रीलंकाई टीम मंगलवार को अफगानिस्तान पर विजय पा लेती है तो वह बंगलादेश के साथ सुपर-चार में प्रवेश करेगी।

लाहौर की गर्मी में बंगलादेश ने अफगानिस्तान के विरुद्ध टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी और मिराज़ ने मोहम्मद नईम के साथ मिलकर पहले ओवर से ही मोर्चा संभाल लिया। मिराज़-नईम ने पहले विकेट के लिये 10 ओवर में 60 रन की साझेदारी की, हालांकि अफगानिस्तान ने चार गेंद के अंदर दो विकेट गिराकर मैच में वापसी की। मुजीब उर रहमान ने नईम (32 गेंद, 28 रन) को आउट कर साझेदारी तोड़ी, जबकि गुलबदिन नाइब ने तौहीद हृदोय को शून्य रन पर पवेलियन भेज दिया।

नईम और हृदोय के विकेट हालांकि बंगलादेश को बैकफुट पर नहीं धकेल सके। मिराज़ और शान्तो ने इसके बाद अपने-अपने शतक पूरे करते हुए 195 रन की विशाल साझेदारी कर डाली। मिराज़ 119 गेंद पर सात चौकों और तीन छक्कों के साथ 112 रन बनाकर रिटायर हर्ट हो गये, जबकि शान्तो ने 45वें ओवर में रनआउट होने से पहले 105 गेंद पर नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से 104 रन बनाये। मुश्फिकुर रहीम (15 गेंद, 25 रन) और शाकिब अल हसन (18 गेंद, नाबाद 32 रन) ने आक्रामक बल्लेबाजी के साथ बंगलादेशी पारी को मज़बूत अंत दिया। शमीम हुसैन ने छह गेंद पर एक छक्के के साथ 11 रन बनाये। अफगानिस्तान की ओर से मुजीब ने 10 ओवर में 62 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि नाइब ने आठ ओवर में 58 रन देकर एक सफलता हासिल की। फ़ज़लहक़ फारूक़ी छह ओवर में 53 रन देकर अफगान टीम के सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए।

## मुंबई लौटे बुमराह, नेपाल के खिलाफ नहीं खेलेंगे

पाल्लेकेले, 3 सितंबर। भारत के शीर्ष तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह निजी कारणों से स्वदेश लौट आये हैं और नेपाल के खिलाफ सोमवार को होने वाले एशिया कप मुकाबले में हिस्सा नहीं लेंगे। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की रविवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया, ''वे (भारत) जसप्रीत बुमराह के बिना होंगे, जो सिर्फ एक मैच के लिये व्यक्तिगत कारणों से घर लौट आए हैं।'' बुमराह हालांकि पूरी तरह फिट हैं और अगर भारत सुपर-चार चरण में जगह बनाता है तो वह मैदान पर उतरेंगे। बारिश के कारण पाकिस्तान के खिलाफ भारत के पहले एशिया कप मुकाबले में सिर्फ एक ही पारी हो सकी थी और बुमराह को गेंदबाजी का मौका नहीं मिला था। नेपाल के विरुद्ध बुमराह की जगह मोहम्मद शमी को मौका दिया जा सकता है।

## नेपाल पर बड़ी जीत से सुपर चार में जगह बनाने उतरेगा भारत

पालेकल (श्रीलंका), 3 सितंबर। पाकिस्तान के खिलाफ मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने के बाद भारत का सामना सोमवार को यहां नेपाल से होगा जिसमें रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम बड़ी जीत दर्ज करके एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के सुपर चार में अपनी जगह पक्की करने के लिए उतरेगी। पाकिस्तान ग्रुप ए से पहले ही सुपर चार में जगह बना चुका है। उसके दो मैचों में तीन अंक हैं। पाकिस्तान के खिलाफ मैच बारिश के कारण रद्द होने से भारत का एक अंक है। यदि सोमवार को होने वाला मैच भी बारिश की भेंट चढ़ जाता है तो भारत दो अंकों के साथ सुपर चार में पहुंच जाएगा लेकिन रोहित शर्मा और उनके साथी निश्चित तौर पर इस तरह से आगे नहीं बढ़ना चाहेंगे। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में भारत के लिए कुछ सकारात्मक पहलू रहे, जिन्हें वह टूर्नामेंट में आगे भी जारी रखना चाहेगा। पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ ने भारत का शीर्ष क्रम थर्राकर एक समय उसका स्कोर चार विकेट पर 66 रन कर दिया था। लेकिन अपने वनडे करियर में पहली बार पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने पांचवें विकेट के लिए 138 रन जोड़कर भारत का स्कोर 266 रन तक पहुंचाया। किशन ने विशेषकर प्रभावशाली बल्लेबाजी की और शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के नहीं चलने के बाद एक छोर संभाले रखा। किशन पांचवें नंबर पर चल पाएंगे या नहीं, इसको लेकर संदेह व्यक्त किया जा रहा था लेकिन उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार रक्षात्मक और आक्रामक खेल का सुंदर नजारा पेश करके साबित किया कि वह मध्यक्रम में भी सफल हो सकते हैं। नेपाल का गेंदबाजी आक्रमण पाकिस्तान की तरह मजबूत नहीं है और ऐसे में किशन आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करके अपने नाम के आगे कुछ रन जोड़ना चाहेंगे। इसी तरह से पंड्या की अर्धशतकीय पारी से टीम प्रबंधन खुश होगा। उन्होंने पहले किशन के सहयोगी की भूमिका बखूबी निभाई और बाद में आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों के सामने भारत के चोटी के चार बल्लेबाज रोहित शर्मा, विराट कोहली, शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर नहीं चल पाए और टीम प्रबंधन चाहेगा कि यह चारों बल्लेबाज जल्द से जल्द खुद को वनडे क्रिकेट के अनुकूल ढाल दें। रोहित और कोहली को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला में विश्राम दिया गया था जबकि अय्यर चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। इन तीनों बल्लेबाजों के पास नेपाल के खिलाफ बड़ा स्कोर बनाने का मौका होगा। भारत को हालांकि यह निराशा होगी उसके गेंदबाजों को पाकिस्तान के बल्लेबाजों के सामने अपना कौशल दिखाने का मौका नहीं मिला। टीम प्रबंधन यह देखने के लिए बेताब होगा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 10 ओवर करने और 50 ओवर तक क्षेत्ररक्षण करने में किस हद तक सक्षम हैं। नेपाल टूर्नामेंट के पहले मैच में पाकिस्तान से 238 रन से हार गया था और उसका लक्ष्य अब भारत के सामने कुछ चुनौती पेश करने का होगा। उसकी उम्मीदें लेग स्पिनर संदीप लामिछाने और कप्तान रोहित पौडेल पर टिकी होंगी। टीम इस प्रकार हैं: भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, इशान किशन, हार्दिक पंड्या (उप-कप्तान), रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन (रिजर्व)। नेपाल: रोहित पौडेल (कप्तान), कुशल भुर्टेल, आसिफ शेख, भीम शर्का, कुशल मल्ला, आरिफ शेख, दीपेंद्र सिंह ऐरी, गुलशन झा, सोमपाल कामी, करण केसी, संदीप लामिछाने, ललित राजबंशी, प्रतीश जीसी, मौसम ढकाल, संदीप जोरा , किशोर महतो, अर्जुन साउद. मैच भारतीय समयानुसार दोपहर बाद तीन बजे शुरू होगा।

## ईस्ट बंगाल पर रोमांचक जीत के साथ मोहन बागान ने जीता डूरंड कप

कोलकाता, 3 सितंबर। मोहन बागान सुपर जायंट्स ने दिमित्री पेट्राटोस के निर्णायक गोल के दम पर रोमांच से भरे डूरंड कप 2023 फाइनल में रविवार को ईस्ट बंगाल एफसी को 1-0 से हराकर 17वीं बार यह खिताब जीत लिया।

सॉल्ट लेक स्टेडियम पर खेली गयी डर्बी में पेट्राटोस ने 71वें मिनट में विजेता टीम का गोल किया। इस जीत के साथ मोहन बागान 17 बार डूरंड कप खिताब हासिल करने वाली पहली टीम बन गयी। ईस्ट बंगाल 16 ट्रॉफियों के साथ इस टूर्नामेंट की दूसरी सबसे सफल टीम है।मोहन बागान ने पिछली बार सन् 2000 में यह खिताब जीता था। टीम 2004, 2009 और 2019 में भी फाइनल में पहुंची लेकिन ट्रॉफी नहीं उठा सकी थी। दो दशक बाद डूरंड कप चैंपियन बनने का सपना लेकर उतरे मोहन बागान ने पहले हाफ में गेंद पर अधिक कब्ज़ा रखा लेकिन क्लब खाता नहीं खोल सका। ईस्ट बंगाल ने धीरे-धीरे लय हासिल की और पहले हाफ के अंत में गोल करने के करीब भी आया। मोहम्मद रकीप और बोर्जा हरेरा ने ईस्ट बंगाल के लिये एक मौका बनाया लेकिन नंदकुमार शेखर गोल पर सटीक निशाना नहीं लगा सके। पहले हाफ के अतिरिक्त समय में मोहन बागान के पास भी एक मौका था लेकिन दिमित्री पेत्रातोस का प्रयास ईस्ट बंगाल के गोलपोस्ट के ऊपर से निकल गया।

मोहन बागान ने पहले हाफ की समाप्ति 0-0 पर की, लेकिन ब्रेक से कुछ समय पहले तीन येलो कार्ड मिलने से उसे परेशानी हुई। मोहन बागान की मुश्किलें तब बढ़ गईं जब 62वें मिनट में अनिरुद्ध थापा को लाल कार्ड देखकर मैदान से बाहर जाना पड़ा। मोहन बागान के लिये सिर्फ 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना मुश्किल हो सकता था लेकिन थापा की गैर-मौजूदगी में टीम अधिक खतरनाक लगने लगी। पेत्रातोस ने नौ मिनट के अंदर बॉक्स के बाहर से ज़ोरदार किक मारकर गेंद को नेट में पहुंचा दिया। यह पूरे मैच में मोहन बागान का एकमात्र सटीक निशाना था, लेकिन यह उन्हें जीत दिलाने के लिये काफी था।

ईस्ट बंगाल ने गोल पर छह शॉट लगाये लेकिन गोलपोस्ट के करीब फिनिशिंग की कमी उनके लिये महंगी साबित हुई। दूसरे हाफ में 10 मिनट का अतिरिक्त समय मिलने के बावजूद ईस्ट बंगाल का खाता नहीं खुला और पूरे टूर्नामेंट में अविजित रही टीम फाइनल में आकर हार गयी।डूरंड कप 2023 तीन अगस्त को शुरू हुआ था। टूर्नामेंट के 132वें संस्करण में 24 टीमों ने हिस्सा लिया, जो पिछले साल की तुलना में चार अधिक है।

## हरमनप्रीत डब्ल्यूबीबीएल विदेशी खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में चयनित होने वाली इकलौती भारतीय

मेलबर्न, 3 सितंबर। हरमनप्रीत कौर महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के विदेशी खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में चुनी जाने वाली एकमात्र भारतीय है। भारतीय महिला टीम की इस कप्तान को रविवार को यहां मेलबर्न रेनेगेड्स ने अपनी टीम में बरकरार रखा। यास्तिका भाटिया, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा सहित कुल 18 भारतीय खिलाड़ियों का नाम डब्ल्यूबीबीएल के शुरूआती विदेशी ड्राफ्ट में शामिल था, लेकिन हरमनप्रीत के अलावा किसी को भी नहीं चुना गया।

हरमनप्रीत का नाम 'प्लैटिनम' श्रेणी में था। रेनेगेड्स की टीम उन्हें और वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज को अपने साथ बरकरार रखने में सफल रही। हरमनप्रीत ने 2021-22 सत्र के दौरान रेनेगेड्स के लिए दमदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 12 पारियों में 58.00 की औसत और 130.96 के स्ट्राइक रेट से 406 रन बनाए थे, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल थे। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 81 रन था। वह बल्ले के साथ गेंद से भी प्रभावी रहीं और उन्होंने 15 विकेट लिए। इसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 22 रन देकर तीन विकेट रहा। हरमनप्रीत ने 2016-17 में सिडनी थंडर के साथ डब्ल्यूबीबीएल में पदार्पण किया था। हरमनप्रीत के रिटेंशन (टीम में बरकरार रखने) पर रेनेगेड्स के मुख्य कोच साइमन हेल्मोट ने कहा, '' मुझे बहुत खुशी है कि हमें वे दोनों (हरमनप्रीत और हेले) मिलीं और मैं इस साल फिर से उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।''

उन्होंने कहा, '' पहले दौर में हम हरमनप्रीत और हेले में से एक का ही चयन कर सकते थे लेकिन हमारी किस्मत अच्छी थी कि हरमनप्रीत दूसरे दौरे में चयन के लिए उपलब्ध थी। हरमनप्रीत की घरेलू फ्रेंचाइजी टी20 टीमों की लंबी सूची में लंकाशर थंडर, सुपरनोवाज, मैनचेस्टर ओरिजिनल्स और ट्रेंट रॉकेट्स (द हंड्रेड) और मुंबई इंडियंस (महिला प्रीमियर लीग) शामिल हैं। डब्ल्यूबीबीएल के लिए विदेशी खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में हरलीन देयोल, हर्ले गाला, ऋचा घोष, मन्नत कश्यप, अमनजोत कौर, वेदा कृष्णमूर्ति, शिखा पांडे, श्रेयंका पाटिल, स्नेह राणा, मेघना सब्बीनेनी, मेघना सिंह, रेणुका ठाकुर, पूजा वस्त्राकर और राधा यादव जैसे भारतीय खिलाड़ी भी शामिल थे।

## सपाट पिचों पर पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी तिकड़ी अधिक प्रभावी : दिनेश कार्तिक

पाल्लेकल (श्रीलंका), 3 सितंबर। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को लगता है कि पाकिस्तान और भारत के तेज गेंदबाज बराबरी पर हैं लेकिन शाहीन अफरीदी, हारिस राउफ और नसीम शाह की तिकड़ी सपाट पिचों पर जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी की तिकड़ी से अधिक प्रभावी हैं क्योंकि वे अधिक गति हासिल कर सकते हैं। पाकिस्तान के इन तीनों तेज गेंदबाजों ने शनिवार को यहां एशिया कप मैच में भारत के सभी 10 विकेट चटकाए जिससे टीम 48.5 ओवर में 266 रन पर सिमट गई। हालांकि, लगातार बारिश के कारण मैच रद्द कर दिया गया। शाहीन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 35 रन देकर चार विकेट चटकाए जबकि राउफ और नसीम ने तीन-तीन विकेट हासिल किए। कार्तिक ने उनकी सफलता का मुख्य कारण तीनों पाकिस्तानी गेंदबाजों के पिच से हासिल किए गए उछाल और विविधता को दिया। कार्तिक ने 'क्रिकबज' से कहा, ''शाहीन, हारिस राउफ और नसीम लगातार 90 मील प्रति घंटा से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं और तीनों बहुत अलग हैं। शाहीन शाह, जाहिर तौर पर बाएं हाथ से कोण से गेंद को वापस अंदर लाते हैं, नसीम शाह गेंद को दोनों तरफ घुमाते हैं।'' उन्होंने कहा, ''अपनी स्किड और शानदार बाउंसर के कारण हैरिस इस समय पारी के अंत में निश्चित रूप से सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक है।'' कार्तिक ने कहा, ''मेरे लिए वे (पाकिस्तानी गेंदबाज) सपाट विकेटों पर कहीं अधिक प्रभावी आक्रमण हैं। अगर पिच में कुछ मदद है तो दोनों आक्रमण (भारत और पाकिस्तान) हर समय बहुत समान हो जाते हैं।'' भारतीय क्रिकेटर ने यह भी कहा कि बुमराह, सिराज और शमी शायद पाकिस्तानी गेंदबाजों की तुलना में कम उछाल हासिल करेंगे।

## बीसीसीआई की एजीएम 25 सितंबर को, पद पर बने रहेंगे सभी पदाधिकारी

मुंबई, 3 सितंबर। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सभी पदाधिकारी अपने पदों पर बने रहेंगे क्योंकि देश में क्रिकेट की संचालन संस्था एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप से पहले 25 सितंबर को गोवा में वार्षिक आम बैठक (एजीएम) का आयोजन करेगी। बीसीसीआई की पिछली एजीएम 22 अक्टूबर 2022 को होगी। इस साल 27 मई को विशेष आम सभा (एसजीएम) का आयोजन किया गया था। एजीएम के एजेंडा में पहला बिंदू बैठक में लिए फैसलों को अंतिम रूप देना है। आगामी बैठक के एजेंडे में कुल 18 बिंदु हैं जिसमें लोकपाल और आचरण अधिकारी की नियुक्ति के साथ-साथ पांच अक्टूबर से शुरू होने वाले विश्व कप की तैयारियों को अंतिम रूप देना भी शामिल है। इसके अलावा एजेंडे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में बीसीसीआई के प्रतिनिधि की नियुक्ति, क्रिकेट समितियों, स्थायी समितियों और अंपायर समिति की नियुक्तियां भी शामिल हैं। बीसीसीआई एजीएम में आम सभा के दो प्रतिनिधियों का चुनाव और उन्हें शामिल किया जाएगा।

## गुकेश भारत का शीर्ष खिलाड़ी बनने के बाद अपने खेल में और सुधार करना चाहते है

कोलकाता, 3 सितंबर। अपने आदर्श विश्वनाथ आनंद को पछाड़कर भारत के शीर्ष खिलाड़ी बने डी गुकेश ने कहा कि वह अपने खेल में सुधार को निरंतर जारी रखना चाहते हैं। सत्रह साल के गुकेश ने फिडे विश्व रैंकिंग में आनंद की 37 साल की भारतीय बादशाहत खत्म की। वह एक सितंबर को जारी रैंकिंग में आनंद पर चार अंक की बढ़त से 2754 रेटिंग अंक के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गये। आनंद नौवें पायदान पर हैं।

एशियाई खेलों के शिविर और एक आमंत्रण टूर्नामेंट के लिए यहां आए गुकेश ने शनिवार को कहा कि वह हाल ही में विश्व कप क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन से हारने की निराशा से उबर चुके हैं। गुकेश ने विशेष साक्षात्कार में इस बारे में पूछे जाने पर कहा, ''यह (नुकसान) कुछ समय पहले ही हो चुका है। अब आगे कुछ चीजें हैं और मैं उस पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।'' गुकेश के पास अभी कोई प्रायोजक नहीं है और अपने खेल को जारी रखने के लिए पुरस्कार राशि और 'क्राउड-फंडिंग' की मदद लेते हैं।

गुकेश ने कहा कि वह 2021 में वेस्टब्रिज आनंद शतरंज अकादमी से जुड़े और इसके बाद से इस संस्था ने उनकी सफलता में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, '' (विश्वनाथन) आनंद सर ने मुझे बधाई दी। इसमें कोई संदेह नहीं कि उन्होंने मेरे करियर में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। वह मेरे सबसे बड़े नायक और आदर्श हैं। मुझे उम्मीद है कि वह मेरी उपलब्धि से खुश होंगे।'' उन्होंने भारत के शीर्ष खिलाड़ी बनने के बारे में पूछे जाने पर कहा, '' यह अच्छा एहसास है। यह शानदार उपलब्धि है और मैं इससे खुश हूं।''

नार्वे के दिग्गज कार्लसन के बाद 2750 ईएलओ रेटिंग हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के शतरंज खिलाड़ी बने गुकेश ने कहा, '' मेरे प्रशिक्षकों और डब्ल्यूएसीए (वेस्टब्रिज आनंद शतरंज अकादमी) ने मुझे इसके लिए तैयार करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई।'' हाल ही में बाकू में हुए शतरंज विश्व कप में भारत के चार खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जिसमें से 18 साल के आर प्रज्ञानानंदा टूर्नामेंट के उपविजेता बन कर उभरे। प्रज्ञानानंदा ने सबसे कम उम्र में विश्व कप का उपविजेता बनने के साथ कैंडिडेट टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। कैंडिडेट टूर्नामेंट के विजेता को मौजूदा विश्व चैम्पियनशप खिताब के लिए डिंग लिरेन को चुनौती देने का मौका मिलेगा। कैंडिडेट टूर्नामेंट में अभी चार और स्थान बाकी हैं। इस साल अक्टूबर-नवंबर में आइल ऑफ मैन में फिडे ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट 2023 से कैंडिडेट टूर्नामेंट के लिए दो स्थान पक्के होंगे।

इसके अलावा ' फिडे सर्किट विजेता' और 'बेस्ट बाय रेटिंग' को एक-एक स्थान दिया जाएगा। 'फिडे सर्किट' टेनिस में टूर अंक के समान है और रेटिंग में उतार-चढ़ाव होता रहता है, कट-ऑफ स्कोर वर्ष के अंत में तय किया जाता है। गुकेश इस समय सबसे आगे चल रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या कैंडिडेट टूर्नामेंट का स्थान हासिल करना उनका अगला लक्ष्य है, गुकेश ने कहा, ''देखते हैं, कौन जानता है कि क्या होगा। अभी, मेरा लक्ष्य सिर्फ अपने खेल में सुधार करना है और देखना है कि यह मुझे कहां ले जाता है।

## विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप : मीराबाई पदक की दौड़ में नहीं, भारत के पदक जीतने की संभावना कम

रियाद, 3 सितंबर। एशियाई खेलों की टीम से बाहर किए गए भारोत्तोलक एन अजित और अचिंता श्युली खुद को साबित करने के इरादे से उतरेंगे जबकि मीराबाई चानू पेरिस ओलंपिक के अनिवार्य क्वालीफायर विश्व चैंपियनशिप में वजन कराने के बाद पदक की दौड़ में नहीं होंगी।

मीराबाई (49 किग्रा) ने सोमवार से शुरू हो रही इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पदक की दौड़ से खुद को बाहर कर लिया है क्योंकि यह पूर्व चैंपियन इस महीने शुरू होने वाले एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के इरादे से विश्व चैंपियनशिप में वजन नहीं उठाएगी। पेरिस खेलों के लिए पात्रता हासिल करने के लिए वह सिर्फ जरूरी औपचारिकताओं को पूरा करेंगी।

मीराबाई के वजन नहीं उठाने से भारत के पदक जीतने की उम्मीदों को झटका लगा है। उनकी गैरमौजूदगी में किसी भी भारतीय भारोत्तोलक को पदक के दावेदार माने जाने वाले ग्रुप ए क्लासीफिकेशन में जगह नहीं मिली है। टूर्नामेंट के लिए प्रवेश करते समय सबसे अधिक वजन उठाने वाले भारोत्तोलकों को ग्रुप ए में रखा जाता है जबकि इसके बाद खिलाड़ी को ग्रुप बी, फिर ग्रुप सी आदि में जगह मिलती है।

अजित और श्युली को पिछले महीने एशियाई खेलों की टीम से बाहर कर दिया गया था क्योंकि वे खेल मंत्रालय की चयन पात्रता को पूरा करने में नाकाम रहे थे। 73 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करने वाले ये दोनों भारोत्तोलक यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं।

गत राष्ट्रीय चैंपियन अजित ने प्रतियोगिता में प्रवेश से पहले सर्वश्रेष्ठ प्रयास 305 किग्रा वजन उठाकर किया है और उन्हें ग्रुप सी में रखा गया है। राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता को हल्की चोटें लगी थी लेकिन इनसे उबरने के बाद उनकी नजरें 320 किग्रा वजन उठाने पर टिकी हैं।

अजित ने पीटीआई से कहा, ''मैं ट्रेनिंग के दौरान 318 किग्रा वजन उठा रहा हूं। मैं 320 किग्रा तक पहुंचना चाहता हूं।'' पिछले साल राष्ट्रमंडल खेलों का चैंपियन बनने के बाद से श्युली चोटों से जूझ रहे हैं। पिछली विश्व चैंपियनशिप के दौरान वह वार्मअप के समय पैर की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर हो गए थे। कोलकाता का यह भारोत्तोलक अब भी पीठ में दर्द से परेशान है और यही कारण है कि प्रवेश के समय उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 280 किग्रा रहा है जो 313 किग्रा के उनके निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी कम है। उन्हें ग्रुप डी में जगह मिली है।

शुभम तोडकर (61 किग्रा) भारत के तीसरे पुरुष भारोत्तोलक हैं। महाराष्ट्र का यह खिलाड़ी हालांकि पिछली दो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाया है। उन्होंने कहा, ''विश्व चैंपियनशिप में मैं स्नैच में 125 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में 155 किग्रा वजन उठाना चाहता हूं।''

ये तीनों ओलंपिक वजन वर्ग में चुनौती पेश कर रहे हैं और पेरिस खेलों में क्वालीफाई करने के लिए जरूरी रैंकिंग अंक जुटाने का प्रयास करेंगे। एशियाई चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता बिंदियारानी देवी भी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी लेकिन मीराबाई की तरह उनकी नजरें भी एशियाई खेलों पर हैं। इस 24 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी को महिला 55 किग्रा वर्ग में ग्रुप सी में रखा गया है। यह गैर ओलंपिक वजन वर्ग है। पेरिस ओलंपिक 2024 के क्वालीफिकेशन नियमों के तहत 2023 विश्व चैंपियनशिप और 2024 विश्व कप में हिस्सा लेना अनिवार्य है। इन दो टूर्नामेंट के अलावा भारोत्तोलक को 2022 विश्व चैंपियनशिप, 2023 महाद्वीपीय चैंपयनशिप, 2023 ग्रां प्री एक, 2023 ग्रां प्री दो और 2024 महाद्वीपीय चैंपियनशिप में से किन्हीं तीन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना होगा।

अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) क्वालीफिकेशन समय पूरा करने के बाद प्रत्येक वजन वर्ग में (ओलंपिक क्वालीफिकेशन रेटिंग) जारी करेगा। क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं में भारोत्तोलक के तीन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर अंतिम सूची तैयार होगी।

**भारतीय टीम इस प्रकार है:**

**महिला** : मीराबाई चानू (49 किग्रा), बिंदियारानी देवी (55 किग्रा)

**पुरुष** : शुभम तोडकर (61 किठाा), अचिंता श्युली (73 किग्रा), एन अजित (73 किग्रा)

## जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेटर हीथ स्ट्रीक का निधन

नयी दिल्ली, 3 सितंबर। ज़िम्बाब्वे के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर हीथ स्ट्रीक का 49 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। हीथ की पत्नी नेडिन स्ट्रीक ने रविवार को इसकी पुष्टि की। नेडिन ने फेसबुक पर लिखा, ''आज सुबह के शुरुआती घंटों में रविवार, तीन सितंबर 2023 को मेरे जीवन का सबसे बड़ा प्यार और मेरे खूबसूरत बच्चों के पिता को स्वर्गदूतों के पास ले जाया गया। वह अपने अंतिम दिन घर में परिवार और निकटतम प्रियजनों के साथ बिताना चाहते थे। वह प्रेम और शांति से सराबोर थे। हमारी आत्माएं अनंतकाल के लिये एक हो गई हैं स्ट्रीकी। हम फिर मिलेंगे।'' साल 2000 से 2004 के बीच जिम्बाब्वे के कप्तान रहे स्ट्रीक ने अपने देश के लिये 65 टेस्ट और 189 एकदिवसीय मैच खेले। स्ट्रीक 100 टेस्ट विकेट लेने वाले ज़िम्बाब्वे के एकमात्र क्रिकेटर हैं और उन्होंने अपने 12 साल के करियर के दौरान अक्सर लड़खड़ाती गेंदबाजी इकाई को अकेले ही संभाला है। स्ट्रीक मुख्य रूप से अपनी तेज गेंदबाजी के लिये पहचाने जाते थे लेकिन उन्होंने अपनी टीम के मध्यक्रम में बल्ले से भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को बेणेश्वर धाम (डूंगरपुर) पहुंचे। अमित शाह ने सबसे पहले भाजपा की परिवर्तन यात्रा के दूसरे रथ को रवाना किया। इस मौके पर गृह मंत्री अमित शाह स्वयं परिवर्तन यात्रा रथ पर सवार हुये। इसके बाद उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया और आरोप लगाया कि, वर्तमान गहलोत सरकार आकंठ भ्रष्टाचार के मामलों में घिरी हुई है। इस मौके पर मंच पर पूर्व मु.मंत्री वसुंधरा राजे, अर्जुन राम मेघवाल, राजेन्द्र राठौड़ सहित प्रदेश भाजपा के तमाम कद्दावर नेता मौजूद रहे। गौरतलब है कि, भाजपा ने अपनी दूसरी परिवर्तन यात्रा वागड़ क्षेत्र में शुरु की है, गत शनिवार को भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने भाजपा परिवर्तन यात्रा के पहले रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया था।

# 'सनातन धर्म को खत्म करने की बात वोट बैंक और तुष्टिकरण के लिए कर रहा है विपक्ष'

## अमित शाह ने बेणेश्वर धाम (डूंगरपुर) में भाजपा की परिवर्तन यात्रा के दूसरे रथ को रवाना करते हुये कहा कि, ''इंडिया'' नहीं घमण्डिया गठबंधन वोट बैंक की राजनीति के लिए किसी भी स्तर तक गिर सकता है

- **अमित शाह ने कहा कि, भाजपा की यह परिवर्तन यात्रा 19 दिन में करीब ढाई हजार किलोमीटर घूमेगी और 52 विधानसभाओं से संपर्क करेगी। इस दौरान 156 जगह छोटी सभाएं, 52 जगह पर सभाएं और 54 स्थानों पर बड़ी सभाएं कर पूरे राजस्थान में परिवर्तन का संकल्प लेने का काम करेगी।**

डूंगरपुर 3 सितंबर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इंडियन नैशनल डवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (आई.एन.डी.आई.ए.) पर देश की संस्कृति और सनातन धर्म का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि, वोट बैंक की राजनीति और तुष्टिकरण के लिए सनातन धर्म का अपमान किया जा रहा है।

शाह रविवार को डूंगरपुर जिले के बेणेश्वर धाम से भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' का शुभारंभ करने से पहले आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस गठबंधन के लोग पिछले दो दिन से देश की संस्कृति, इतिहास और सनातन धर्म का अपमान कर रहे है। गठबंधन के दो प्रमुख दल कांग्रेस और डीएमके के बड़े नेता इनमें एक मुख्यमंत्री के पुत्र कह रहे है कि सनातन धर्म को समाप्त कर देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि, इन लोगों ने वोट बैंक की राजनीति और तुष्टिकरण के लिए सनातन धर्म को समाप्त करने की बात कर इसका अपमान किया है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह कह चुके है कि बजट पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है जबकि हम कहते है कि बजट पर पहला हक गरीबों, पिछड़ों आदि का है।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि हिंदू संगठन लश्कर-ए-तैयबा से भी ज्यादा खतरनाक है। उन्होंने कहा कि हिंदू संगठनों की तुलना लश्कर-ए-तैयबा से की जाती है और उनके मंत्री कहते थे कि हिंदू आतंकवाद चल रहा है।

शाह ने विपक्षी गठबंधन को घमंडिया गठबंधन बताते हुए कहा कि यह गठबंधन वोट बैंक की राजनीति एवं तुष्टिकरण के लिए किसी भी स्तर तक जा सकता है, लेकिन ये जितने इस तरह बोलेंगे उतने ही कम होते जायेंगे। उन्होंने कहा कि, अगर सनातन धर्म के खिलाफ इसी तरह राग अलाप किया तो आगामी 2024 में दूरबीन लेकर ढूंढेंगे तो भी नज़र नहीं आयेंगे।

अमित शाह ने भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा के द्वितीय रथ को रविवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आयोजित जनसभा को अमित शाह के अलावा भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी, केंद्रीय कानून राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, सांसद कनकमल कटारा एवं अर्जुन मीणा, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष चुन्नीलाल गरासिया ने संबोधित किया।

शाह ने जनसभा में कहा कि, इस यात्रा की डूंगरपुर के इस क्षेत्र से शुरुआत होने जा रही है और यह देश भक्तों की भूमि रही है, जहां महाराणा प्रताप ने सालों युद्ध करते हुए मुगल सेना के दांत खट्टे करने का काम किया। उन्होंने कहा कि, भाजपा की यह परिवर्तन यात्रा 19 दिन में करीब ढाई हजार किलोमीटर घूमेगी और 52 विधानसभाओं से संपर्क करेगी। इस दौरान 156 जगह छोटी सभाएं, 52 जगह पर सभाएं और 54 स्थानों पर बड़ी सभाएं कर पूरे राजस्थान में परिवर्तन का संकल्प लेने का काम करेगी।

इस दौरान वसुंधरा राजे ने कहा कि, केन्द्र में भाजपा की मजबूत सरकार की नीतियों की वजह से आज भारत सबसे शक्तिशाली देश बनाने के मार्ग पर चल रहा है। चंद्रयान-3 चांद पर पहुंच चुका है। उसी के साथ आदित्य एल-01 मिशन भी सफल तरीके से लांच हुआ है।

उन्होंने वर्ष 2013 के चुनाव में इसी क्षेत्र के सहयोग की वजह से भाजपा को एक ऐतिहासिक जनादेश मिला था। इस क्षेत्र में हमने मावजी महाराज और शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान देने वाली कालीबाई का पैनोरमा बनाने सहित कई काम किये है।

# 'एक राष्ट्र एक चुनाव का विचार संघीय ढांचे की व्यवस्था एवं लोकतंत्र को ध्वस्त करने जैसा है'

## कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि, प्र.मंत्री मोदी का यह विचार उनकी तानाशाही सोच को दर्शाता है

नयी दिल्ली, 3 सितंबर (वार्ता)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि मोदी सरकार का 'एक राष्ट्र एक चुनाव' का विचार संघीय ढांचे की व्यवस्था को ध्वस्त कर देश की लोकतांत्रिक प्रणाली को तानाशाही व्यवस्था में तब्दील करना है।

खड़गे ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के विचार को लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश बताया और कहा इस तरह का प्रयास करके मोदी सरकार देश के संघीय ढांचे को तानाशाही में तब्दील करना चाहती है।

राहुल गांधी ने भी इस मुद्दे पर सरकार को जमकर घेरा और उसके इस विचार को पूरी तरह खारिज करते हुए इसे राज्यों पर हमला करार दिया। उनका कहना था कि सरकार का यह कदम पूरी तरह से देश की संघीय प्रणाली के विरुद्ध है।

राहुल गांधी ने एक्स कर कहा, 'एक राष्ट्र एक चुनाव' का विचार भारत संघ और उसके सभी राज्यों पर हमला है। खड़गे ने कहा,मोदी सरकार का मकसद लोकतंत्र को धीरे-धीरे तानाशाही में बदलना है। उसका 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर समिति बनाना एक नौटंकी है और भारत के संघीय ढांचे को खत्म करने का एक बहाना है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव के सिद्धांत की प्रक्रिया बहुत जटिल है। निर्वाचित लोकसभा और विधान सभाओं के कार्यकाल को कम करने के लिए संवैधानिक संशोधनों की ज़रूरत है और इसके लिए संविधान में कम से कम पांच संशोधन कर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में बड़े पैमाने पर बदलाव करना होगा।

कांग्रेस नेता ने इस मुद्दे पर सवाल करते हुए सरकार से पूछा,क्या प्रस्तावित समिति भारतीय चुनावी प्रक्रिया में सबसे बड़े बदलाव पर विचार-विमर्श करने और निर्णय लेने के लिए सबसे उपयुक्त है। क्या राष्ट्रीय स्तर और राज्य स्तर पर राजनीतिक दलों से परामर्श किए बिना इतनी बड़ी कवायद मनमाने तरीके से की जानी चाहिए। क्या इतना बड़ा कदम राज्यों और उनकी चुनी हुई सरकारों को शामिल किए बिना उठाया जाना चाहिए।

खड़गे ने कहा कि इस तरह के विचार को पहले बनी तीन समितियों ने खारिज किया है और अब यह देखना है कि क्या इस मामले में चौथी समिति का गठन पूर्व के अनुभव को ध्यान में रखते हुए किया गया है। कमाल की बात यह है की जो समिति बनाई गई है उसमें चुनाव आयोग के एक प्रतिनिधि को शामिल नहीं किया गया है।

आजादी के बाद देश में एक राष्ट्र एक चुनाव संबंधी व्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा,1967 तक हमारे पास न तो इतने राज्य थे और न ही हमारी पंचायतों में 30.45 लाख निर्वाचित प्रतिनिधि थे।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। हमारे पास लाखों निर्वाचित प्रतिनिधि हैं और उनका भविष्य एक बार में निर्धारित नहीं किया जा सकता है। अब 2024 के लिए भारत के लोगों के पास केवल 'एक राष्ट्र, एक समाधान' का एकमात्र विकल्प है भारतीय जनता पार्टी के कुशासन से छुटकारा पाना।

इससे पहले कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरा और कहा,जिसे 'एक राष्ट्र एक चुनाव' कहा जा रहा है उस पर एक उच्च स्तरीय समिति का गठन एक अनुष्ठानिक अभ्यास है और इस काम की प्रक्रिया को सामने लाने का समय सन्देह पैदा करता है। इस संदर्भ में अपनाई गई शर्तें और सिफारिशें मनमानी से निर्धारित की गई हैं। समिति की संरचना भी अपने हिसाब से तय हुई हैं और इसी वजह से लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कल रात बहुत ही उचित तरीके से इस समिति का हिस्सा बनने से इनकार किया है।

रमेश ने यह बात चौधरी की उस बयान के संदर्भ में कही जिसमें चौधरी ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लेकर गठित केंद्र की आठ सदस्यीय समिति का हिस्सा बनने के निमंत्रण को अस्वीकार करते हुए उसके इस कदम को देश के साथ धोखा बताया है।

उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह को इस संदर्भ में शनिवार को लिखे अपने एक पत्र में कहा, मुझे उस समिति में काम करने से इनकार करने में कोई झिझक नहीं है, जिसकी शर्तें इसके निष्कर्षों की गारंटी के लिए तैयार की गई हैं। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह से एक धोखा है।

## उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा राज्य सभा जाएंगे

नयी दिल्ली, 3 सितंबर (वार्ता)। भाजपा ने उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की एक सीट के उप चुनाव में राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा को उम्मीदवार बनाया है।

पार्टी की रविवार को यहां जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई कि भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने डॉ. दिनेश शर्मा को उत्तर प्रदेश की राज्य सभा की एक रिक्त सीट के उपचुनाव में पार्टी का उम्मीदवार बनाने की स्वीकृति दी है। यह सीट राज्यसभा सांसद हरिद्वार दुबे के निधन से रिक्त हुई है।

इस सीट पर नामांकन के लिए 29 अगस्त को अधिसूचना जारी हो चुकी है। पांच सितंबर नामांकन की आखिरी तारीख है। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि आठ सितंबर है जबकि 15 सितंबर को उपचुनाव के लिए मतदान होना है और उसी के बाद मतगणना होगी।

# संसद सत्र में प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं होगा, विधायी कामकाज ही निपटाये जायेंगे

- **संसद के इस विशेष सत्र के एजेंडे के बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ भी नहीं कहा गया है । हालांकि यह सत्र 9 और 10 सितंबर को राष्ट्रीय राजधानी में जी20 शिखर बैठक के कुछ दिनों बाद आयोजित होने जा रहा है।**
- **मोदी सरकार के अब तक के नौ वर्षों के कार्यकाल में पहली बार ऐसा संसद का विशेष सत्र बुलाया गया है। इससे पहले हालांकि जीएसटी के लागू होने के अवसर पर जून 2017 की मध्यरात्रि को लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक बुलायी गयी थी।**

नई दिल्ली, 3 सितम्बर। संसद का विशेष सत्र 18 सितंबर से शुरू होगा और सरकार के कामकाज को देखते हुए यह 22 सितंबर तक चलेगा। लोकसभा एवं राज्यसभा सचिवालय ने यह जानकारी दी। लोकसभा सचिवालय ने इसकी जानकारी देते हुए शनिवार को बताया कि 17वीं लोकसभा का 13वां सत्र 18 सितंबर से शुरू होगा।वहीं, राज्यसभा सचिवालय ने अपने बुलेटिन में कहा कि सदस्यों को सूचित किया जाता है कि राज्यसभा का 261वां सत्र 18 सितंबर से शुरू होगा। सत्र 18, 19, 20, 21 और 22 सितंबर तक चलेगा।

इसमें कहा गया है कि सत्र आमतौर पर पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर एक बजे और फिर अपराह्न दो बजे से शाम छह बजे तक चलेगा। सचिवालय सूत्रों के अनुसार विशेष सत्र के दौरान दोनों सदनों में प्रश्नकाल और गैर सरकारी कामकाज नहीं होगा। गुरुवार को संसदीय कार्य मंत्री जोशी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर अपने पोस्ट में कहा था कि संसद का विशेष सत्र 18 से 22 सितंबर को बुलाया गया है। सरकार ने हालांकि संसद के विशेष सत्र का एजेंडा घोषित नहीं किया। संसद के इस विशेष सत्र के एजेंडे के बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ भी नहीं कहा गया है । हालांकि यह सत्र 9 और 10 सितंबर को राष्ट्रीय राजधनी में जी20 शिखर बैठक के कुछ दिनों बाद आयोजित होने जा रहा है।

मोदी सरकार के अब तक के नौ वर्षों के कार्यकाल में पहली बार ऐसा संसद का विशेष सत्र बुलाया गया है। इससे पहले हालांकि जीएसटी के लागू होने के अवसर पर जून 2017 की मध्यरात्रि को लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक बुलायी गयी थी।

# कर्नाटक में ऑपरेशन लॉटस फिर शुरु होगा

- **भाजपा नेता और कर्नाटक के पूर्व मंत्री के.एस ईश्वरप्पा ने दावा किया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार को गिराने के लिए राज्य में ऑपरेशन लोटस जल्द ही शुरू होगा।**
- **ईश्वरप्पा ने कहा, कांग्रेस के नेता राज्य में बड़ी-बड़ी न्यूज बनवा रहे हैं। वे कह रहे हैं कि बीजेपी के आधे विधायक हमारी पार्टी में आएंगे, लेकिन अभी तक तो एक भी भाजपा से कांग्रेस में नहीं गया है।**

बैंगलुरु, 3 सितम्बर। क्या कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार को गिराने के लिए ऑपरेशन लोटस शुरू होने वाला है? भाजपा नेता और कर्नाटक के पूर्व मंत्री केएस ईश्वरप्पा के बयान से ही यह सवाल खड़ा हुआ है। बीजेपी लीडर ने दावा किया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार को गिराने के लिए राज्य में ऑपरेशन लोटस जल्द ही शुरू होगा। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए ईश्वरप्पा ने कहा कि कांग्रेस का देश में कोई भविष्य नहीं है। उन्होंने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राज्य में कांग्रेस सरकार नहीं रहने वाली है।

केएस ईश्वरप्पा शिवमोग्गा से बीजेपी के विधायक हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस के नेता राज्य में बड़ी-बड़ी न्यूज बनवा रहे हैं। वे कह रहे हैं कि बीजेपी के आधे विधायक हमारी पार्टी में आएंगे, लेकिन अभी तक तो एक भी भाजपा से कांग्रेस में नहीं गया है। ईश्वरप्पा यहीं पर नहीं रुके। उन्होंने कांग्रेस को भाजपा का कम से कम एक विधायक अपनी ओर लाने की चुनौती दी और इसके लिए एक महीने की समय सीमा भी तय कर दी। उन्होंने कहा, रुकिए और देखिए, कांग्रेस विधायकों को पार्टी से कोई उम्मीद नहीं है। कांग्रेस का इस देश में कोई भविष्य नहीं है।भाजपा नेता ईश्वरप्पा इससे पहले भी अपने बयान को लेकर मीडिया की सुर्खियों में आए थे। इससे पहले जून में उन्होंने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया था कि मंदिर बनाने के लिए मस्जिदों को ढहाया जाएगा।

## जिन सीटों ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

योजनाओं को लेकर लोगों को मोटिवेट करने का है। ये पर्यवेक्षक कांग्रेस की सरकार बनवाने के लिए लोगों से मिलने और कार्यकर्ताओं को मोटिवेट करने का काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि, अब आगामी दिनों में पर्यवेक्षक विधानसभावार रिपोर्ट तैयार करेंगे। आगामी दिनों में प्रदेश में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के दौरों को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि, यह कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से बातचीत कर तय करेंगे। उन्होंने कहा कि, जिन सीटों पर पार्टी कमजोर हैं, उन सीटों पर पर्यवेक्षक खास ध्यान देंगे और पिछले चुनावों में हार के कारणों की समीक्षा करेंगे, ताकि ऐसी सीटों पर पार्टी को मजबूत किया जा सके।

# असम के मु.मंत्री ने कांग्रेस से डी.एम.के. के साथ गठबंधन भी तोड़ने की मांग की

## मु.मंत्री हिमंता बिसवा सरमा ने कहा कि, यह राहुल गांधी के लिए एक परीक्षा है। उन्हें इस बारे में निर्णय लेना होगा कि वह सनातन धर्म का सम्मान करते हैं या नहीं

- **असम के सी.एम. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, ''मेरे पास उदयनिधि स्टालिन का बयान है और यही बयान कांग्रेस के एक सांसद चिदंबरम ने भी जारी किया था। मैंने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का भी कमोबेश इसी तरह का बयान देखा है। उन्होंने कहा कि, इन नेताओं के बयानों से हिन्दुत्व विरोधी विचारधारा साफ झलक कर सामने आ रही है।**

नई दिल्ली, 3 सितम्बर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के मंत्री बेटे उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म को खत्म किए जाने संबंधी दिए गए बयान पर सियासी उबाल थमने का नाम नहीं ले रहा। विवादित टिप्पणी के बाद से ही बीजेपी के तमाम नेताओं और मंत्रियों ने जमकर डीएमके और कांग्रेस पर हमला बोला है। इंडिया गठबंधन में डीएमके के शामिल होने के चलते उदयनिधि के बयान की आंच अब कांग्रेस पार्टी तक आ गई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है और राहुल गांधी को घेरा है। साथ ही, असम सीएम ने कांग्रेस से डीएमके के साथ गठबंधन भी तोड़ने की मांग की।

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, ''मेरे पास उस नेता का बयान है और यही बयान कांग्रेस के एक सांसद चिदंबरम ने भी जारी किया था। मैंने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे का भी कमोबेश इसी तरह का बयान देखा है। मेरे पास भी है।'' मैं तमिलनाडु के मंत्री की निंदा नहीं करना चाहता क्योंकि उन्होंने खुद को बेनकाब कर दिया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कांग्रेस पार्टी अब भी डीएमके के साथ गठबंधन में रहेगी... यह राहुल गांधी के लिए एक परीक्षा है।

## मोदी पुणे से ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

बाद पुणे लोकसभा सीट खाली होने के कारण, आगामी चुनावों में मोदी संभवत: इस निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार होंगे।

भाजपा के पूर्व सांसद संजय काकड़े ने सीधे मोदी को पत्र लिखकर उनसे पुणे से लोकसभा चुनाव लड़ने की मांग की है। उन्होंने पत्र में लिखा, जब आपने पिछला चुनाव गुजरात और उत्तर प्रदेश से लड़ा था, तो उन राज्यों में भाजपा को 90 से 100 फीसदी सफलता मिली थी. पुणे में आपकी जीत 100 फीसदी होगी।

अग्रवाल मारवाड़ी चैंबर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्रीज एजुकेशन (एएमसीसीआईई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने भी मोदी के पुणे से चुनाव लड़ने की मीडिया रिपोर्टों का स्वागत करते हुए कहा कि पुणे को एक विश्व स्तरीय शहर और सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाने का प्रत्येक नागरिक का सपना सच हो जाएगा।

# इतिहास में हुई मात्र तीन बैठकों में ही जी-20 के सभी राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुये थे

- **रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन की अनुपस्थिति और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बारे में अनिश्चितता को लेकर जी 20 शिखर-सम्मेलन की कामयाबी को लेकर कुछ हलकों में कुछ टीका टिप्पणियां की जा रही हैं लेकिन तथ्य कुछ और ही कह रहे हैं कि, यह कोई नई बात नहीं है।**

नयी दिल्ली, 3 सितंबर (वार्ता)। आगामी जी20 शिखर सम्मेलन में कुछ राष्ट्राध्यक्षों की अनुपस्थिति को लेकर भले ही कुछ अलग तरह की चर्चाएं चल रही हों लेकिन यह भी तथ्य है कि 2008 से अब तक हुए 16 शिखर-सम्मेलनों में से केवल शुरुआती तीन में ही सभी देशों के राष्ट्राध्यक्षों या शासनाध्यक्षों ने भाग लिया था।

रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन की अनुपस्थिति और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बारे में अनिश्चितता को लेकर जी 20 शिखर-सम्मेलन की कामयाबी को लेकर कुछ हलकों में कुछ टीका टिप्पणियां की जा रही हैं लेकिन पिछले सम्मेलन पर निगाह डाली जाए तो कुछ और तथ्य सामने आते हैं।

पिछले रिकॉर्ड से पता चलता है कि वैश्विक शिखर सम्मेलनों में उपस्थिति का स्तर साल-दर-साल बदलता और व्यस्तताओं के चलते हर नेता के लिए हर शिखर सम्मेलन में भाग लेना हमेशा संभव नहीं होता है। कई बार नेता अपने निजी कारणों से शिखर सम्मेलन में भाग नहीं ले पाते हैं।

यहां सबसे उदाहरण इटली में वर्ष 2021 का जी20 शिखर सम्मेलन है जहां नेताओं के लिए इसे छोड़ने का कोई बड़ा भू-राजनीतिक या स्वास्थ्य कारण नहीं था, लेकिन कुछ परिस्थितियां इस तरह से हुईं कि 20 सदस्य देशों में से छह देशों के राष्ट्राध्यक्षों या शासनाध्यक्षों की बजाय उनके प्रतिनिधि नेताओं ने भाग लिया था।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2008 से, जी 20 का प्रत्यक्ष रूप से 16 शिखर सम्मेलनों और एक वर्चुअल शिखर सम्मेलन (सऊदी अरब, 2020) का आयोजन हो चुका है। वर्ष 2009 और 2010 में दो-दो शिखर सम्मेलन हुए। इन 16 प्रत्यक्ष शिखर सम्मेलनों में से, 2008 और 2009 के पहले तीन शिखर सम्मेलनों को छोड़कर, 2010 से अब तक एक भी अवसर ऐसा नहीं आया जब कि इसमें प्रत्येक देश ने राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष स्तर पर भाग लिया हो।

जी 20 शिखर-सम्मेलन के इतिहास को देखें तो छह बार - 2010, 2011, 2012, 2013, 2016, 2017 में एक देश के राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष ने भाग नहीं लिया। पांच बार 2010, 2014, 2015, 2018, 2019 में दो देशों के राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष नहीं आये। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद वर्ष 2022 में तीन देशों के राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष शामिल नहीं हुए।

वर्ष 2021 में (यूक्रेन युद्ध से पहले, कोविड के बाद) छह देशों के शीर्ष नेता नहीं आए थे।

ऐसे नौ देश - कनाडा, जर्मनी, भारत, इटली, दक्षिण कोरिया, तुर्क़, ब्रिटेन , अमेरिका , यूरोपीय संघ हैं जिन्होंने हमेशा हर शिखर-सम्मेलन में राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष के स्तर पर शिरकत की है। मेक्सिको के राष्ट्रपति ने 2018 से स्वयं भाग नहीं लिया है। अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, रूस ने दो बार तथा चीन, फ्रांस, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण अफ्रीका ने एक बार राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष की बजाय किसी अन्य प्रतिनिधि नेता को भेजा है। सऊदी अरब ने नौ बार निचले स्तर के प्रतिनिधि के साथ शिरकत की जिसमें 2017 में एक बार बिना पोर्टफोलियो वाले राज्य मंत्री की भागीदारी शामिल है।

जी 20 शिखर सम्मेलन 2023 इसी माह 9 और 10 तारीख को भारत की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। अगला जी20 शिखर सम्मेलन अगले वर्ष ब्राजील में होगा।

## सीट शेयरिंग...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

ने कहा, ''जम्मू-कश्मीर में कट्टर प्रतिद्वंद्वी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेंस को भी वर्षों की प्रतिद्वंद्विता के बाद एक साथ आना मुश्किल हो सकता है।''

कांग्रेस पर अन्य दलों को समायोजित करने का भी दबाव है। बेंगलुरु और मुंबई की बैठकों के दौरान लालू प्रसाद यादव, डी राजा और उद्धव ठाकरे जैसे विपक्षी नेताओं ने कांग्रेस से उदारता दिखाने का आग्रह किया है। कई विपक्षी नेताओं के मुताबिक, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इंडिया गठबंधन को आश्वासन दिया है कि कांग्रेस सभी को साथ लेकर चलने की पूरी कोशिश करेगी।

## सोनिया...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

होने के बाद यहां पहुंची तो उन्हें हल्का बुखार हुआ इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908